उद्धव को जन्मदिन की बधाई देने मातोश्री पहुंचे राज ठाकरे- 12

उद्धव को जन्मदिन की बधाई देने मातोश्री पहुंचे राज ठाकरे- 12

गूगल मैप ने फिर दिया धोखा, खाई में गिरी महिला की कार - 13

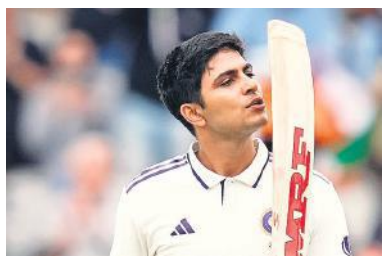

भारतीय बल्लेबाजों ने मैनचेस्टर टेस्ट ड्रा कराया- 14

आज का मौसम

32.0⁰ अधिकतम तापमान

27.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.32

सूर्यास्त 07.05

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

श्रावण शुक्ल पक्ष चतुर्थी 11:24 तक उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2082

सोमवार, 28 जुलाई 2025, वर्ष 6, अंक 248, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

एसआईआर पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

नई दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर उच्चतम न्यायालय सोमवार को सुनवाई करेगा। बिहार में इस वर्ष के अंत में विधानसभा चुनाव होना है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ इस मामले पर विचार कर सकती है। निर्वाचन आयोग ने बिहार में एसआईआर को यह कहते हुए उचित ठहराया है कि इससे मतदाता सूची से अपात्र व्यक्तियों का नाम हटाने से चुनाव की शुचिता बढ़ेगी।

बब्बर खालसा से जुड़ा तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) से जुड़े और इस साल की शुरुआत में पंजाब में एक थाने पर ग्रेनेड हमले में शामिल रहे 22 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि अमृतसर के चनानके गांव के रहने वाले करणबीर उर्फ करण को 26 जुलाई को गुरदासपुर से स्पेशल सेल पुलिस थाने में दर्ज शस्त्र अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया।

सुरक्षा बलों ने चार नक्सली मार गिराए

बीजापुर। छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों ने एक मुठभेड़ में चार माओवादियों (नक्सली) को मार गिराया है। बीजापुर के पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र यादव ने बताया कि बीजापुर जिले के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में सागुड़ा एवं गंगलूर थाना के सरहदी जंगलों माओवादियों की मौजूदगी पर डीआरजी बीजापुर ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया। मुठभेड़ में दक्षिण सब जोनल ब्यूरो के 04 माओवादी मारे गए। सभी पर 5 लाख रुपये का इनाम घोषित था।

आधे अभ्यर्थियों ने छोड़ी आरओ/एआरओ परीक्षा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित समीक्षा अधिकारी, सहायक समीक्षा अधिकारी (आरओ/एआरओ) परीक्षा-2023 रविवार को राज्य के सभी 75 जिलों में सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक सकुशल संपन्न हो गई। आयोग के सचिव अशोक कुमार ने बताया कि परीक्षा में 10,76,004 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 4,54,997 (42.29 प्रतिशत) शामिल हुए। प्रदेश भर में 2382 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जिनमें कानपुर में 139, लखनऊ में 129, प्रयागराज में 106 और वाराणसी में 82 केंद्र शामिल थे।

अंदर देखें ...व्हील्स

अशोका फोम

SUMMER SALE

UPTO 70%

CURTAIN & SOFA FABRIC
MATTRESS & PILLOW
BED SHEET & BED COVER
TOWEL | WALL PAPER

Readymade Garments

FLAT 50% TO 80%

मिशन अस्पताल के सामने बरेली
मो. +91-9720031000

मनसा देवी मंदिर में भगदड़, 8 की मौत

हरिद्वार में हुए हादसे में 30 घायल, गंभीर रूप से घायल 13 ऋषिकेश एम्स में भर्ती

करंट फैलने की अफवाह माना जा रहा प्रारंभिक कारण, मजिस्ट्रेटी जांच शुरू

- मृतकों में दो रामपुर, दो बदायूं और एक बरेली का श्रद्धालु भी शामिल

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर परिसर में रविवार सुबह करीब 8:45 बजे भगदड़ मचने से बड़ा हादसा हो गया। अभी तक आठ श्रद्धालुओं की मौत की पुष्टि हो चुकी है जबकि 30 लोग घायल हैं। गंभीर रूप से घायल 13 लोगों को एम्स ऋषिकेश में भर्ती कराया गया है। मृतकों में छह उत्तर प्रदेश तो एक-एक श्रद्धालु उत्तराखंड और बिहार का है।

भगदड़ का कारण प्रारंभिक तौर पर मंदिर से करीब 100 मीटर नीचे सीढ़ियों के पास करंट की अफवाह फैलना बताया जा रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हादसे पर गहरा शोक जताते हुए मजिस्ट्रेटी जांच के निर्देश दिए हैं जिस पर डीएम हरिद्वार ने उप जिला मजिस्ट्रेट, हरिद्वार को जांच अधिकारी नामित किया है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है जबकि मनसा देवी ट्रस्ट ने कहा कि मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपये तथा घायलों को 1-1 लाख रुपये ट्रस्ट द्वारा दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने हरिद्वार पहुंचकर घायलों का हाल जाना और चिकित्सकों को घायलों को बेहतर उपचार देने के निर्देश दिए। हरिद्वार प्रशासन के अनुसार, सुबह करीब नौ बजे भगदड़ की सूचना मिलने पर पुलिस, एसडीआरएफ व अन्य बचाव दल मौके पर पहुंचे तथा बचाव एवं राहत अभियान शुरू किया। 30 श्रद्धालुओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया जबकि अभी तक आठ श्रद्धालुओं की मौत की पुष्टि हुई है।

मंदिर से करीब 100 मीटर नीचे सीढ़ियों के पास अचानक बिजली का करंट फैलने की अफवाह को प्रथम दृष्टया भगदड़ का कारण बताया गया। हालांकि मजिस्ट्रेटी जांच पूरी होने के बाद ही सही कारण सामने आएगा। हरिद्वार प्रशासन के अनुसार, आरुष (12) पुत्र पंकज निवासी सौदा, बरेली, विक्की (18) निवासी विलासपुर रामपुर, विशाल (19) निवासी स्वार रामपुर, वकील सिंह (43) निवासी बाराबंकी, रामभरोसे (65) और उनकी पत्नी शांति देवी (60) निवासी उरैना, दातागंज, बदायूं, विपिन सैनी (18) निवासी वसवाखेड़ी, काशीपुर और सकलदेव (18) निवासी बिहार की मौत की पुष्टि की गई है। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राज्य सरकार शोक संतप्त परिवारों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है।

उन्होंने हरिद्वार पहुंचकर घायलों का हालचाल लेते हुए पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए भीड़ प्रबंधन व सुरक्षा व्यवस्था की गहन समीक्षा की जा रही है।

अस्पताल में भर्ती घायल का हाल जानते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

यूपी के मृतक आश्रितों को दो-दो लाख सहायता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तराखंड के हरिद्वार स्थित श्री मनसा देवी मंदिर मार्ग पर हुई दुर्घटना पर गहरा शोक जताया है। कहा कि वे बेहद व्यथित हैं, उनकी संवेदनाएं शोकाकुल परिवार के लिए है। उन्होंने हादसे में बरेली, रामपुर, बदायूं और बाराबंकी के एक-एक श्रद्धालुओं की मौत पर उनके आश्रितों को दो-दो लाख की आर्थिक सहायता देने की घोषणा करते हुए अफसरों को पार्थिव शरीर उनके घर पहुंचाने के निर्देश भी दिए हैं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच पर कहा है कि श्रद्धालुओं के निधन का समाचार अत्यंत पीड़ादायक और मन को व्यथित करने वाला है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने जताई शोक संवेदना

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तराखंड में हरिद्वार में मनसा देवी मंदिर के निकट मची भगदड़ में लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया है। मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि हरिद्वार में मनसा देवी मंदिर मार्ग पर भगदड़ में लोगों की मौत की खबर सुनकर काफी दुखी हूं। उन्होंने शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

चारपाई से बच्चे को उठा ले गया तेंदुआ खेत में मिला शव

लखीमपुर खीरी। सदर कोतवाली की पुलिस चौकी महेवागंज के गांव ज्ञानपुर में शनिवार की रात अपने पिता के साथ सो रहे छह साल के बच्चे को तेंदुआ चारपाई से उठा ले गया। रविवार सुबह बच्चे का अधखाया शव गन्ने के खेत में मिला। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिवार वालों को सौंप दिया।

- ज्ञानपुर गांव की घटना ग्रामीणों ने लगाया जाम

बिलखती मां

सदर कोतवाली गांव ज्ञानपुर निवासी सुशील ने बताया कि शनिवार रात उनका पुत्र बादल उनके साथ घर के बाहर चारपाई पर सो रहा था। रात 12 बजे के आसपास तेंदुआ बच्चे को उठा ले गया। बच्चे की चीख सुनकर सुशील की आंख खुली तो उनकी नजर बच्चे को ले जा रहे तेंदुए पर पड़ी। उन्होंने शोर मचाते हुए तेंदुए का पीछा किया। तमाम ग्रामीण भी पहुंच गए। इस बीच तेंदुआ किसी गन्ने के खेत में घुस गया। रविवार सुबह घर से करीब 500 मीटर की दूरी पर गन्ने के खेत में बादल का अधखाया शव मिला। ग्रामीणों का आरोप है कि शनिवार की शाम तेंदुआ देखा गया था। वन विभाग रात में कांबिंग करता तो शायद बादल की जान नहीं जाती। रविवार की शाम पोस्टमार्टम के बाद शव जब गांव लाया गया तो लोग आक्रोशित हो गए और परिवार को आर्थिक मदद देने को लेकर सड़क जाम कर दी। पुलिस और वन अधिकारियों के आश्वासन पर लोग शांत हुए। डीएफओ संजय बिस्वाल का कहना है कि ग्रामीणों से बच्चों को बाहर न सुलाने व सतर्क रहने को कहा गया है। टीम मौके पर पहुंच कर पिंजड़ा लगा रही है।

चुनाव क्षेत्रों में मजबूत करें जनता के विश्वास की पूंजी : मुख्यमंत्री

- चुनावी तैयारी के मूड में दिखे योगी, जनप्रतिनिधियों संग बैठक में अफसरों को निर्देश, कार्यों के शिलापट्ट पर नेताओं का हो नाम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को कानपुर मंडल के सांसदों-विधायकों के साथ चुनाव तैयारी के मूड में नजर आए। चुनाव क्षेत्रों की जमीनी हकीकत, जन अपेक्षाओं, विकास कार्यों की प्रगति और प्रशासनिक समन्वय पर विस्तार से फीडबैक लिया। योगी कहा कि जनता के विश्वास की पूंजी को और मजबूत करें। शीर्ष अफसरों को निर्देश दिए कि विकास कार्यों के शिलान्यास व लोकार्पण के शिलापट्ट पर संबंधित जनप्रतिनिधि का नाम जरूर हो।

मुख्यमंत्री आवास पर हुई खास बैठक में सभी विधायकों ने अपनी बातें कहीं। बैठक में लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव ने मंडल के छह जिलों में जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तावित कुल 1,362 निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक सांसद और विधायक से कहा कि सतत और संतुलित विकास में कानपुर मंडल की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह मंडल राज्य की औद्योगिक और शैक्षिक रीढ़ तो है ही, साथ ही सांस्कृतिक विविधता, ऐतिहासिक चेतना और जनप्रतिनिधियों की प्रतिबद्धता का भी केंद्र है। योगी ने कहा कि जनप्रतिनिधि जनता और शासन के बीच की सबसे भरोसेमंद कड़ी होते हैं। उनके विचार और सुझाव केवल संवाद का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे जन आकांक्षाओं का स्वरूप होते हैं, जिन्हें योजनाओं की संरचना और क्रियान्वयन में सक्रिय रूप से सम्मिलित किया जाना चाहिए।

लखनऊ में अपने सरकारी आवास पर कानपुर मंडल के जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। ● अमृत विचार

यूपी का 'विकास अग्रदूत' है कानपुर मंडल

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कानपुर मंडल को 'विकास का अग्रदूत' करार देते हुए विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में यह मंडल न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि पूरे देश के लिए एक प्रेरणास्पद मॉडल के रूप में उभरेगा।

पारदर्शिता और समयबद्धता अनिवार्य

मुख्यमंत्री ने पीडब्ल्यूडी, पर्यटन और नगर विकास के अफसरों को निर्देश दिए कि जनप्रतिनिधियों से विमर्श कर प्रस्तावित कार्यों की प्राथमिकता तय की जाए। समयबद्ध ढंग से कार्यों की शुरुआत सुनिश्चित की जाए। उन्होंने इन परियोजनाओं को केवल सरकारी खर्च का विवरण न मानते हुए उन्हें 'जनता के विश्वास की पूंजी' बताया। योजनाओं का पारदर्शी और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

हम सीखने नहीं सिखाने आए हैं...

मैनचेस्टर। इंग्लैंड में टीम इंडिया के जांबाजों की जितनी प्रशंसा की जाए कम। मैनचेस्टर में चौथा टेस्ट ड्रा कराने का नहीं, वरन भारतीय बल्लेबाजों के बढ़े जज्बे का परिचायक है। दूसरी पारी में शून्य पर दो विकेट गंवाने और करीब-करीब दो दिन तक बल्लेबाजी कर चार ही विकेट खोने वाली भारतीय टीम ने इंग्लैंड टीम की उम्मीदों पर तुषारापात तो किया ही, क्रिकेट प्रशंसकों को अपना मुरीद भी बना लिया। दूसरी पारी में केएल राहुल के 90, शुभमन गिल के 103 रनों के अलावा हरफनमौला रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर के नाबाद शतकों ने अंग्रेज क्रिकेटरों के माथे पर पसीना ला दिया। तस्वीर में रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर एकदूसरे को बधाई देते हुए कदाचित यही जता रहे कि ओवल में होने वाले पांचवें टेस्ट मैच के लिए अंग्रेज हमें हल्के में कदापि न लें। (संबंधित पेज-14)

स्थायी दिव्यांग सीएपीएफ जवानों को वित्तीय पैकेज

- अंग खो देने पर सेवा में बने रहेंगे पदोन्नति व वेतन भी मिलेगा
- सीआरपीएफ के डीजी की अध्यक्षता में समिति गठित

नई दिल्ली, एजेंसी

.सीएपीएफ के अधिकारी और जवान जो अभियान के दौरान अपने अंग खो देते हैं या किसी स्थायी दिव्यांगता का शिकार हो जाते हैं, वे सेवा में बने रहेंगे और उन्हें एकमुश्त मूल मौद्रिक पैकेज के अलावा उचित पदोन्नति एवं वेतन मिलेगा।

केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने रविवार को यह जानकारी दी। मोहन यहां केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 87वें स्थापना दिवस के अवसर पर बल के जवानों को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सीआरपीएफ के महानिदेशक ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में अधिकारियों की एक समिति गठित की गई है और उम्मीद है कि अगले कुछ महीनों में समिति अपनी सिफारिशों और योजना को लागू करने के तौर-तरीकों को अंतिम रूप दे देगी।

अधिकारी ने कहा कि पिछले दशकों में अभियानों के दौरान आईईडी विस्फोट या इसी तरह की अन्य घटनाओं के कारण सैकड़ों सीएपीएफ कर्मी अपने पैर, हाथ या आंखें खो चुके हैं और स्थायी दिव्यांगता का शिकार हो चुके हैं। अधिकारी ने बताया कि हालांकि ऐसे मामले बहुत कम हैं, जहां किसी जवान या अधिकारी को ऐसी चोटों के कारण सेवा से हटाया गया हो, लेकिन कई जवानों को पदोन्नति नहीं मिलने के कारण परेशानी उठानी पड़ती है, क्योंकि वे संबंधित फिटनेस मानदंडों को पूरा करने में विफल रहते हैं। उन्होंने कहा कि समिति अपने मानदंडों में ढील देने के लिए काम करेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि अंग-भंग या किसी अन्य स्थायी दिव्यांगता से पीड़ित अधिकारियों और जवानों को उनकी पदोन्नति और सुविधाएं मिलें, जो उन्हें अन्यथा मिलतीं।

मोहन ने कहा कि गृह मंत्रालय (एमएचए) ने निर्णय लिया है कि जो जवान और अधिकारी अभियान के दौरान अंग खो देते हैं, उन्हें सेवा से नहीं हटाया जाएगा।

बांके बिहारी मंदिर प्रबंधन ने किया सुप्रीम कोर्ट का रुख

- उप्र सरकार ने मंदिर प्रबंधन अपने हाथ को जारी किया है अध्यादेश

नई दिल्ली, एजेंसी

मथुरा स्थित ठाकुर श्री बांके बिहारी जी महाराज मंदिर की प्रबंधन समिति ने उत्तर प्रदेश सरकार के उस अध्यादेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख किया है, जिसमें मंदिर के प्रशासन का नियंत्रण राज्य सरकार द्वारा अपने हाथ में लिए जाने की बात कही गई है।

अधिवक्ता तन्वी दुबे के माध्यम से दायर याचिका में मंदिर प्रबंधन समिति (जिसमें 350 सदस्य और 'सेवायत' रजत गोस्वामी शामिल हैं) ने कहा कि सरकार का आचरण स्पष्ट रूप से दुर्भावनापूर्ण है, क्योंकि पांच एकड़ भूमि अधिग्रहण के लिए मंदिर के धन के उपयोग से संबंधित मुद्दे पर उच्च न्यायालय ने 8 नवंबर, 2023 को पहले ही फैसला कर दिया था और उसने राज्य सरकार को भूमि अधिग्रहण के लिए मंदिर के धन का उपयोग करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। समिति ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने उच्च न्यायालय के 8 नवंबर, 2023 के आदेश के खिलाफ अपील दायर नहीं की और इसके बजाय शीर्ष अदालत के समक्ष लंबित याचिका में एक पक्षकार आवेदन दायर किया गया।

मन की बात | प्रधानमंत्री ने कहा-शुभांशु शुक्ला की यात्रा से बच्चों में पैदा हुई अंतरिक्ष को लेकर नई जिज्ञासा

देश में शुरू हुए अंतरिक्ष से जुड़े दो सौ स्टार्टअप : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष से पृथ्वी पर सुरक्षित वापसी की सराहना करते हुए रविवार को कहा कि इससे भारत के बच्चों में अंतरिक्ष के प्रति एक नई जिज्ञासा जागी है।

मोदी ने साथ ही कहा कि देश में केवल अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़े 200 से अधिक स्टार्टअप शुरू हुए हैं। प्रधानमंत्री ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा कि 2047 में विकसित भारत का रास्ता आत्मनिर्भरता से होकर गुजरता है और 'वोकल फॉर लोकल' 'आत्मनिर्भर भारत' का सबसे मजबूत आधार है। मोदी ने कहा कि पिछले कुछ हफ्तों में, चाहे वह खेल हो, विज्ञान हो या संस्कृति, बहुत कुछ ऐसा हुआ है, जिस पर हर भारतीय को गर्व है। उन्होंने कहा कि हाल में अंतरिक्ष से शुभांशु शुक्ला की वापसी को लेकर देश में खूब चर्चा हुई। जैसे ही शुभांशु पृथ्वी पर सुरक्षित उतरे, लोग खुशी से उछल पड़े, हर दिल में खुशी की लहर दौड़ गई। पूरा देश गर्व से भर गया।

इंस्पायर मानक से बच्चों में नवाचार को बढ़ावा

इंस्पायर-मानक अभियान के बारे में बात करते हुए मोदी ने कहा कि यह बच्चों में नवाचार को बढ़ावा देने का अभियान है। इसमें हर स्कूल से पांच बच्चों का चयन किया जाता है। हर बच्चा एक नया विचार लेकर आता है। अब तक लाखों बच्चे इससे जुड़ चुके हैं और चंद्रयान-3 के बाद इनकी संख्या दोगुनी हो गई है। मोदी ने कहा कि पूरे भारत में बच्चों में अंतरिक्ष के प्रति जिज्ञासा की एक नई लहर उत्पन्न हुई है। मोदी ने कहा कि 21वीं सदी के भारत में विज्ञान नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है।

मोदी ने कहा कि मुझे याद है, जब अगस्त 2023 में चंद्रयान-3 की सफलतापूर्वक लैंडिंग हुई, तो देश में एक नया माहौल बना। बच्चों में भी विज्ञान को लेकर, अंतरिक्ष को लेकर एक नई जिज्ञासा पैदा हुई। छोटे-छोटे बच्चे अब कहते हैं, हम भी अंतरिक्ष में जाएंगे, हम भी चांद पर उतरेंगे - हम भी अंतरिक्ष वैज्ञानिक बनेंगे।

मोदी ने कहा कि यह हर भारतीय के लिए गर्व की बात है कि वीरता और दूरदर्शिता के प्रतीक 12 मराठा किलों को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में ग्यारह किले, तमिलनाडु में एक। हर किले से इतिहास का एक अध्याय जुड़ा है। हर पत्थर एक ऐतिहासिक घटना का साक्षी है... सल्हेर किला, जहां मुगलों को हराया गया था, शिवनेरी, जहां छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म हुआ था।

अमृत विचार

बरेली, सोमवार, 28 जुलाई 2025

शाहजहांपुर

न्यूज ब्रीफ

बाइक यात्रा के साथ बजरंगियों ने किया जलाभिषेक

मदनापुर, अमृत विचार : भारतीय बजरंग दल द्वारा आयोजित 11वीं जलाभिषेक बाइक यात्रा रविवार को जलालाबाद से शुरू होकर फिरोजपुर स्थित शिवधाम मंदिर तक पहुंची। इस दौरान सैकड़ों युवाओं ने भक्ति भाव से यात्रा में भाग लिया। काकोरी शहीद इंटर कॉलेज से शुरू हुई इस यात्रा का नेतृत्व मुनिराज सिंह ने किया। यात्रा बरेली-फर्रुखाबाद हाईवे होते हुए मंदिर पहुंची, जहां शिवलिंग पर जलाभिषेक किया गया। इस मौके पर हिंदू युवा वाहिनी जिला अध्यक्ष शालू पाठक, भाजपा नेता गोपाल सिंह, अवनीश सिंह, विवेक मिश्रा सहित तमाम पदाधिकारी मौजूद रहे।

कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा कर किया स्वागत

कलान, अमृत विचार : गोला जा रहे कांवड़ियों का केडी सिंह कॉलेज, सुगसुगी के पास पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का भी आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। श्रद्धालुओं ने हर-हर महादेव के जयकारों के साथ शिवभक्ति में डूबकर यात्रा जारी रखी। आयोजन में संतोष सिंह, अरूण सिंह, पवन सिंह, संदीप चौहान, रणविजय सिंह, शिवांशु परमार, उदय प्रताप सिंह, मनोज पाठक, लालू श्रीवास्तव, वीरपाल सिंह यादव, हिमांशु, अमित, आनंद सिंह आदि उपस्थित रहे।

पुरानी रंजिश में मारपीट, पांच घायल

खुटार, अमृत विचार : गांव बढ़ईपुर में पुरानी रंजिश के चलते शनिवार शाम को दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। लाठी-डंडे चलने से पांच लोग घायल हो गए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित सत्य प्रकाश ने बताया कि वह दरवाजे पर बैठा था, तभी उसका पोता गोलू और शनि रास्ते से जा रहे थे, इसी दौरान प्रधान पति संतोष, अशोक, उत्तम आदि ने उन्हें गाली देना शुरू कर दिया। विरोध करने पर सत्य प्रकाश, उसकी पोती बबली और बहू किरन को भी पीटा गया। पुलिस ने मेडिकल परीक्षण के बाद प्रधान पति समेत 9 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आरओ/एआरओ परीक्षा : 6693 अभ्यर्थी रहे अनुपस्थित

कुल 11952 अभ्यर्थी थे पंजीकृत, 5259 ही परीक्षा देने पहुंचे, 27 केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में आयोजित कराई परीक्षा, मजिस्ट्रेट रहे अलर्ट

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: जनपद में रविवार को 27 परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था व सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में आरओ (समीक्षा अधिकारी) व एआरओ (सहायक समीक्षा अधिकारी) की परीक्षा संपन्न कराई गई। सुबह 6 बजे से ही परीक्षा केंद्रों के बाहर परीक्षार्थियों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पूर्व मुख्य गेटों पर सघन चेकिंग की गई, जिसके बाद ही परीक्षार्थियों को प्रवेश दिया गया।

डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने केंद्रों का भ्रमण कर जनपद में परीक्षा को सकुशल संपन्न कराया। उन्होंने सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल में बने परीक्षा केंद्र के निरीक्षण दौरान परीक्षा केंद्र के कक्षों एवं सीसीटीवी कंट्रोल रूम को देखा। उधर एसपी राजेश द्विवेदी ने एसडीएम सदर संजय कुमार पाण्डेय के साथ जीएफ कॉलेज परीक्षा केंद्र पर जाकर सुरक्षा व्यवस्था चेक की। वहीं एडीएम प्रशासन रजनीश कुमार मिश्रा ने कई परीक्षा केंद्रों पर जाकर व्यवस्थाएं परखीं।

बता दें कि जिले में 27 परीक्षा केंद्रों पर आरओ व एआरओ परीक्षा में 11952 परीक्षार्थी शामिल होने थे, जिसमें 5259 उपस्थित तथा 6693 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा में केवल 44 प्रतिशत परीक्षार्थी शामिल हुए। परीक्षा सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक एक ही पाली में आयोजित हुई। परीक्षा पूरी तरह पारदर्शी, निष्पक्ष और नकलविहीन संपन्न आयोजित कराई गई। परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी के जरिए लाइव निगरानी रही। डीआईओएस हरिवंश कुमार द्वारा परीक्षा की उपस्थिति व अनुपस्थिति आंकड़े के मुताबिक परीक्षार्थियों की उपस्थिति कम रही है, जिसके पीछे कारण यह भी आ रहा है कि परीक्षा 2023 की थी और अब 2025 में हुई, जिस वजह से बहुत से परीक्षार्थी परीक्षा केंद्र नहीं पहुंच सके।

एक केंद्र पर परीक्षा देने कतार में जाते अभ्यर्थी। ● अमृत विचार

आरओ-एआरओ परीक्षा में 59 फीसदी परीक्षार्थी गैरहाजिर

पुवायां।आरओ-एआरओ परीक्षा में 59 फीसदी परीक्षार्थी परीक्षा केंद्र तक नहीं पहुंच सके। हालांकि परीक्षा बिना किसी बाधा के संपन्न हुई। पुवायां इंटर कॉलेज को आरओ-एआरओ की परीक्षा के लिए केंद्र बनाया गया था। सुबह साढ़े 9 बजे से परीक्षा शुरू हुई, जिसमें एसडीएम चित्रा निर्वाल ने केंद्र पर रहकर परीक्षा का जायजा लिया साथ ही सकुशल परीक्षा संपन्न कराई। केंद्र पर 480 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 284 परीक्षार्थी केंद्र से गैरहाजिर रहे और महज 196 लोगों ने परीक्षा में भाग लिया।

फैक्ट फाइल

- 27 परीक्षा केंद्र
- उपस्थिति 5259
- पंजीकृत अभ्यर्थी 11952
- अनुपस्थिति 6693

डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह परीक्षा केंद्र पर निरीक्षण करते हुए। ● अमृत विचार

आरओ परीक्षा देने आई पीलीभीत से आई रजनी का कहना है कि सुबह 5 बजे घर से चले थे। समय से सेंटर आ गई थे। जो तैयारी थी, उसके हिसाब से पेपर अच्छा गया। कुछ प्रश्न हल करने में समय ज्यादा लगा।

शाहजहांपुर की ब्लाक बंडा से परीक्षा देने इस्लामिया इंटर कॉलेज आए अनिल कुमार पाण्डेय ने बताया कि पेपर अच्छा रहा है। जो तैयारी की थी, उससे काफी मदद मिली है। भरोसा है कि इस बार सफलता हाथ लगेगी।

शाहजहांपुर के ही रोहित कुमार ने परीक्षा देने के बाद बातचीत में बताया कि पेपर अच्छा आया। कुछ फैक्ट ज्यादा कठिन रहे, उनको हल करने में समय ज्यादा लगा। बाकी सब ठीकठाक रहा।

पीलीभीत से आरओ की परीक्षा देने आई ज्योति मिश्रा परीक्षा देकर उत्साह से भरी दिखी।उनका कहना था कि जीएस, करेंट अफेयर्स ज्यादा कठिन था। मेहनत की है तो परिणाम भी अच्छा आएगा।

> जनपद में आयोजित आरओ व एआरओ परीक्षा को शांतिपूर्ण व सकुशल पूर्ण करा लिया गया है। कहीं से भी कोई नकल अथवा अन्य शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। परीक्षा में सम्मिलित सभी परीक्षार्थियों को मेरी ओर से अग्रिम शुभकामनाएं।
> **-रजनीश कुमार मिश्रा**, एडीएम प्रशासन

> सभी 27 परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों व मजिस्ट्रेटों की निगरानी में परीक्षा संपन्न करा ली गई है। अराजक तत्वों से निपटने के व्यापक इंतजाम किए गए थे। हालांकि कहीं से कोई शिकायत नहीं आई। परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए जिला प्रशासन की ओर से ई-बस सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। साथ ही रेलवे व बस स्टैंड पर रूट मैप चार्ट भी परीक्षार्थियों के लिए मददगार साबित हुए। कंट्रोल रूम से भी केंद्रों की निगरानी कराई गई है। **-धर्मेंद्र प्रताप सिंह**, डीएम

तिलहर में आरओ/एआरओ परीक्षा शांतिपूर्ण सम्पन्न

तिलहर, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी परीक्षा-2025 रविवार को क्षेत्र के चार परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्वक सम्पन्न हुई। हालांकि इस बार परीक्षार्थियों की उपस्थिति बेहद कम देखने को मिली। चारों केंद्रों पर कुल 1752 परीक्षार्थियों के सापेक्ष मात्र 697 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। लाला बुलाकी दास इंटर कॉलेज में 384 में से 160, आरबीएम में 384 में से 150, जयपुरिया में 600 में से 235 और एलबीजेपी इंटर कॉलेज में 384 में से मात्र 152 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने स्वयं परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया। परीक्षा के दौरान सुरक्षा के मद्देनजर व्यापक

बंदोबस्त किए गए थे। पुलिसकर्मी परीक्षा केंद्रों के अंदर और बाहर तैनात रहे। तकनीकी निगरानी के अंतर्गत बायोमेट्रिक सत्यापन, फेस रिकग्निशन, सीसीटीवी कैमरे और इंटरनेट मॉनिटरिंग की गई। कोतवाली प्रभारी राकेश कुमार तोमर ने बताया कि निष्पक्ष परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए परीक्षा केंद्रों के बाहर 100 मीटर की सड़क बंद कर दी गई थी। साथ ही सभी फोटोस्टेट की दुकानें भी बंद कराई गई थीं।

एसपी राजेश द्विवेदी जीएफ कालेज परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा व्यवस्था देखने पहुंचे।

एडीएम प्रशासन रजनीश कुमार मिश्रा परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते हुए।

मदरसा में विज्ञान प्रदर्शनी और काव्य गोष्ठी का आयोजन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

गोष्ठी में काव्य पाठ करते कवि। ● अमृत विचार

अमृत विचार: भारत रत्न पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एलजेपी अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर मदरसा नुरुल हुदा बिजलीपुरा में विज्ञान प्रदर्शनी और काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता कवि ज्ञानेंद्र मोहन कवि एवं संचालन प्रधानाचार्य इकबाल हुसैन उर्फ फूल मियां ने किया।

वरिष्ठ शायर असगर अली ने सुनाई पंक्तियां- चिरागे राह जो बनकर रहे तो बात भी है, हम इस तरह से मुनव्वर रहे तो बात भी है, हमारे पास वासाइल की कम सही चादर, मगर उसी के अंदर जो रहे तो बात भी है। वरिष्ठ शायर हामिद खंजर ने कहा कि थकन दिल को भुलाना चाहते हैं, परिंदे अशियाना चाहते हैं, जो मुरझाए हुए वादे गम में है, वह पौधे लहलहाना चाहते हैं।

कवि ज्ञानेंद्र मोहन कवि ने फरमाया- उलझे प्रश्न सभी, बार-बार गिनना क्या, बैठो मत इस तरह उदास, सुलझाने का करो प्रयास। मोहतरमा गुलिश्ता खान ने सुनाया- हमें मिटाने की कोशिश फजूल है नार्दों, हमें मिटाने की कोशिश में मर गई दुनिया। शायर खलीक अहमद, शायर कासिम अख्तर ने शायरी पढ़ी। बच्चों द्वारा बनाए गए माडल को सराहा गया। कार्यक्रम में जुबेर आलम अंसारी, फैसल फैज, साजिद अली खां, अब्दुल कादिर, मोहम्मद जाहेद आदि मौजूद रहे।

तालाब में मत्स्य बीज संचय कराएं

शाहजहांपुर, अमृत विचार: सहायक निदेश मत्सय ने बताया कि पुवायां की ब्लाक खुटार में मत्स्य विकास निगम की खुटार हैचरी मत्स्य बीज उत्पादन केंद्र से उच्च कोटि का मिश्रित भारतीय मेजर कार्प मत्स्य बीज की आपूर्ति के साथ ही शुद्ध कतला, ग्रास कार्पससिल्वर कार्प फ्राई एवं फिंगरलिंग मत्स्य बीज राजकीय दरों पर वितरण किया जा रहा है।

मत्स्य पालन के इच्छुक व्यक्ति व विशेष रूप से ग्राम सभा के तालाबों के पट्टा धारक लोग पट्टा शर्तो के अनुरूप मत्स्य विकास निगम की उक्त हैचरी अथवा मत्स्य विभाग के विकास भवन के प्रथम तल पर स्थित कार्यालय से संपर्क कर अग्रिम धनराशि जमा कर तत्काल अपने तालाब में मत्स्य बीज संचय कराएं।

शिव की पूजा कर समृद्धि की कामना की

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: हरियाली तीज का त्योहार शनिवार को जनपद में पूरे श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। सुहागिनों ने पति की लंबी आयु और वैवाहिक सुख-समृद्धि की कामना करते हुए व्रत रखा और पारंपरिक रीति से पार्वती और शिव की पूजा-अर्चना की। सुबह से ही महिलाएं पारंपरिक परिधानों में सजी-धजी नजर आईं।

कई घरों में पूजा-अनुष्ठान के साथ लोकगीतों की स्वर-लहरियां गूंजती रही। जिसमें महिलाओं ने विशेष रूप से मायके में इस पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाया। घरों में महिलाओं ने मेहंदी रचाई, हरी चूड़ियां पहनीं और सोलह शृंगार कर तीज माता से सुखद दांपत्य जीवन की कामना की। वहीं शहर की अनेक कॉलोनियों, मोहल्लों और ग्रामीण इलाकों में सामूहिक पूजा और सांझी सजावट देखने को मिली।

बालिकाओं व युवतियों ने भी इस सांस्कृतिक पर्व में उत्साहपूर्वक भाग लिया। शहर के मुख्य बाजारों में बहादुरगंज, सदर बाजार, मंडी, गोविंदगंज, चौक आदि जगहों पर महिलाओं ने चूड़ी, साड़ी, मेहंदी और पूजा सामग्री की खरीदारी को लेकर विशेष रौनक रही। चिनौर निवासी गीता श्रीवास्तव ने बताया कि तीज केवल धार्मिक ही नहीं, सांस्कृतिक एकता और महिला सशक्तिकरण का प्रतीक भी है। उन्होंने घर पर ही हरियाली तीज के अवसर पर भगवान शिव व माता पार्वती की पूजा-अर्चना की। शहर में भी कई सामाजिक संस्थाओं से जुड़ी महिलाओं ने तीज के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम कर एक दूसरे को तीज की शुभकामनाएं दीं और उपहार भेंट किए।

चिनौर में हरियाली तीज की पूजा करतीं महिलाएं। ● अमृत विचार

- **शहर में कई सामाजिक संस्थाओं से जुड़ी महिलाओं ने किए कार्यक्रम**
- **बाजारों में दिखी तीज की रौनक, महिलाओं ने जमकर की खरीदारी**

ऋषिराम शर्मा की पुण्यतिथि पर सामूहिक योग साधना

शाहजहांपुर, अमृत विचार: योग विज्ञान संस्थान की जिला इकाई ने संस्थापक परम पूज्य ऋषिराम शर्मा की पुण्यतिथि सामूहिक योगाभ्यास के साथ श्रद्धांजलि सभा के रूप में मनाई। कार्यक्रम सीतापुर नेत्र चिकित्सालय के योग केंद्र पर आयोजित हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन, गायत्री मंत्र व ओम् उच्चारण से हुआ। साधकों ने ऋषिराम शर्मा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके जीवन मूल्यों को अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर डॉ. अवधेश मणि त्रिपाठी, ज्योति गुप्ता, विपिन रस्तोगी, राजेश दीक्षित, रचना चांदना, ज्ञानेश मिश्र सहित दर्जनों साधक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

परीक्षार्थियों ने ट्रेनों के स्लीपर कोच पर किया कब्जा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- **जनरल कोच में पैर रखने की जगह नहीं थी, स्टेशन उमड़ी भीड़**

अमृत विचार: जिले में आरओ व एआरओ परीक्षा समाप्त होने के बाद परीक्षार्थियों की स्टेशन पर भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान परीक्षार्थियों ने अमरनाथ एक्सप्रेस और सियालदह एक्सप्रेस की स्लीपर कोच में घुसकर बर्थ पर कब्जा कर लिया। रिजर्वेशन वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इधर रेल अधिकारी और जीआरपी के सिपाही प्लेटफार्म पर बराबर नजर रखे हुए थे।

रविवार को आरओ व एआरओ की परीक्षा को लेकर शनिवार की रात परीक्षार्थी स्टेशन पर पहुंचे। प्लेटफार्म एक परीक्षार्थियों से भर गया। परीक्षार्थियों को प्लेटफार्म पर जहां जगह मिली चादर व चटाई बिछाकर लेटकर रात गुजारी।

स्टेशन पर प्लेटफार्म एक, द्वितीय श्रेणी प्रतीक्षालय, फुट ओवरब्रिज और सरकुलेटिंग एरिया में परीक्षार्थी जगह-जगह लेटे हुए थे। परीक्षार्थियों की सहायता के लिए प्लेटफार्म एक पर सहायता केंद्र खोला गया था, जहां कर्मचारी बैठे थे और परीक्षार्थियों को सेंटर जाने का रास्ता बता रहे थे। रविवार की दोपहर परीक्षा समाप्त होने के बाद परीक्षार्थी दोपहर सवा बजे स्टेशन पर पहुंच गए। देखते-देखते परीक्षार्थियों को भीड़ लग गयी। बरेली की तरफ से अमरनाथ एक्सप्रेस और सियालदह एक्सप्रेस प्लेटफार्म एक पर आकर रुकी। जनरल कोच पहले से भरे हुए थे। जनरल कोच में जगह न होने पर परीक्षार्थी दोनों ट्रेनों के स्लीपर कोच में घुस गए और बर्थ पर कब्जा कर लिया।

रिजर्वेशन यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सीएमआई एसके ठाकुर व एसएस पीएस तोमर परीक्षार्थियों को समझाकर ट्रेन बता रहे थे और लखनऊ के लिए ट्रेनें अभी हैं। जीआरपी के सिपाही प्लेटफार्म ड्यूटी पर नजर आए। आरपीएफ के सिपाही प्लेटफार्म पर नजर नहीं आए थे।

स्वच्छ-सुंदर एवं विकसित बनाने का संकल्प दोहराया

महापौर नगर निगम सभागार का उद्घाटन करती हुईं।

शाहजहांपुर, अमृत विचार: नव निर्मित नगर निगम सभागार का महापौर अर्चना वर्मा ने फीता काटकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर नगर निगम की कार्यकारिणी बैठक का आयोजन भी किया गया, जिसमें कार्यकारिणी के सदस्य, नगर आयुक्त एवं अपर नगर आयुक्त की उपस्थिति रही। बैठक में नगर के समग्र विकास, मूलभूत सुविधाओं और जनहित से जुड़ी महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। महापौर ने कहा कि हम सभी के सहयोग से शाहजहांपुर को और अधिक स्वच्छ, सुंदर एवं विकसित बनाने का संकल्प दोहराया गया।

बेसिक विद्यालय शिक्षक संघ वित्तमंत्री से मिला

कार्यालय संवाददाता,शाहजहांपुर

- **शिक्षक संघ की समस्याओं को 11 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा गया**

अमृत विचार: अशासकीय मान्यता प्राप्त बेसिक विद्यालय शिक्षक संघ की ओर से वित्तविहीन विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं को लेकर शनिवार को वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना से उनके राजभवन कैंप कार्यालय पर जाकर मिला। वित्त मंत्री को संघ की ओर से 11 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा गया। जिसमें बताया गया कि जिन विद्यालयों की मान्यता आवेदित है, उनको छह माह का समय दिया जाए, वित्तविहीन बेसिक विद्यालयों को बंद करने आदि प्रक्रिया से छात्र-छात्राओं व अभिभावकों पर इसका मानसिक दुष्प्रभाव पड़ता है, इसलिए इस प्रकार की कार्यवाही रोकी जाए, मान्यता प्राप्त विद्यालयों के शिक्षकों को आयुष्मान कार्ड की सुविधा मिले,विद्यालयों को मान्यता प्रपत्र जारी किए जाए और मान्यता प्राप्त विद्यालयों के बच्चों को परिषदीय विद्यालयों की तरह ड्रैस, जूता, टाई बेल्ट आदि के लिए धनराशि दी जाए आदि समस्याओं को रखा गया। इस दौरान जिलाध्यक्ष मनोज यादव, मुनेंद्र सिंह, राजपाल, भूपेंद्र सिंह, रूपकमल यादव आदि रहे।

परामर्श केंद्र पर एक दंपती का समझौता

शाहजहांपुर, अमृत विचार: महिला परामर्श केंद्र पर 13 पत्रावली की सुनवाई की गयी, जिसमें एक दंपती का समझौता हुआ। चौक कोतवाली के एक दंपती जिनकी शादी को एक साल हो गए है। पति से किसी बात को नाराज होकर मायकेचली गयी थी। महिला आठ माह की गर्भवती है। दो माह से मायके में रह रही थी। दोनों पक्षों को परामर्श केंद्र पर बुलाया गया और आपस में बात करायी गयी। दोनों पक्ष आपस में रहने को तैयार हो गए। टीम में प्रभारी मधु यादव, सिपाही मोनिका रानी, करुणा, पिंकी आदि मौजूद रहे।

दिलाजाक जलालनगर इकाई का गठन, शुभम बने अध्यक्ष

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- **दानिश खान महामंत्री और मोहम्मद इस्लाम कोषाध्यक्ष मनोनीत किए गए**
- **व्यापारियों की समस्याओं पर खुलकर रखे विचार, संगठन विस्तार की चर्चा**

अमृत विचार: उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल उत्तर प्रदेश की बैठक दिलाज़ाक जलालनगर में आयोजित की गई। बैठक में शुभम को अध्यक्ष, दानिश खान को महामंत्री और मोहम्मद इस्लाम को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया।

जिला अध्यक्ष सौमित्र गुप्ता और महानगर मंत्री नदीम खान की मौजूदगी में व्यापारियों ने खाद्य विभाग की कार्रवाई पर सवाल उठाए। बैठक में संगठन के विस्तार, व्यापारी हितों की रक्षा और पारदर्शिता की मांग प्रमुख मुद्दे रहे।

नवनियुक्त पदाधिकारियों का फूलमाला व पटका पहनाकर स्वागत किया गया।

शहीद रमेश चन्द्र को दी श्रद्धांजलि

कार्यालय संवाददाता

शाहजहांपुर, अमृत विचार: जिला कांग्रेस कमेटी ने रविवार को कारगिल विजय दिवस को मनाया। जनपद के वीर सपूत शहीद रमेश चन्द्र की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

जिलाध्यक्ष रजनीश गुप्ता ने कहा कि कारगिल विजय दिवस हमें अपने वीर सपूतों के अदम्य साहस और बलिदान की याद दिलाता है। शहीद रमेश चन्द्र ने अपने प्राणों की आहुति देकर देश की रक्षा की और हमें गर्व है कि शाहजहांपुर की माटी ने ऐसे वीर सपूत को जन्म दिया। महानगर अध्यक्ष तकवीम हसन खान ने कहा कि शहीद रमेश चन्द्र और कारगिल युद्ध के सभी शहीदों का बलिदान हमारी प्रेरणा का स्रोत है। युवा जिला अध्यक्ष राम जी अवस्थी ने कहा कि युवा पीढ़ी के लिए शहीद रमेश चन्द्र जैसे वीर सैनिक प्रेरणा के प्रतीक हैं।

कारगिल विजय दिवस हमें यह सिखाता है कि देश के लिए कुछ कर गुजरने की भावना हर युवा के दिल में होनी चाहिए। एनएसयूआई जिला अध्यक्ष रफी उल हसन ने कहा कि जिला कांग्रेस ने संकल्प लिया है कि वह शहीदों के बलिदान को हमेशा याद रखेंगे और उनके परिवारों के कल्याण के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से बदायूं कॉर्डिनेटर पवन सिंह,पूनम पांडेय,जिला उपाध्यक्ष अनिल श्रीवास्तव, जिला महासचिव गौरव त्रिपाठी, अरुणोद मिश्रा, अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष सईद अंसारी, महानगर उपाध्यक्ष अदीब अहमद, लक्ष्मीकांत मिश्रा, अफजाल खान, जिला उपाध्यक्ष युवा कांग्रेस सोभित मिश्रा, शिवओम मिश्रा, सत्यम रस्तोगी, मनीष आदि मौजूद रहे।

चंगाई सभा की आड़ में चल रहा धर्मांतरण का खेल

अल्हादपुर और कुंभिया माफी गांव में सामने आए दो अलग-अलग मामले, हिंदू संगठनों ने किया हंगामा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर/निगोही/खुटार

अमृत विचार : जनपद में रविवार को धर्मांतरण को लेकर दो गांवों में विवाद हो गया। निगोही थाना क्षेत्र के अल्हादपुर गांव में प्रार्थना सभा तो खुटार के कुंभिया माफी गांव में चंगाई सभा के जरिए हिंदू समाज के लोगों को ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित करने का आरोप लगा। दोनों मामलों में हिंदू संगठनों के विरोध के बाद भारी हंगामा हुआ और पुलिस को मोर्चा संभालना पड़ा। पुलिस ने दोनों स्थानों से कुल चार लोगों को हिरासत में लिया है और जांच शुरू कर दी है।

रविवार की सुबह हिंदू युवा वाहिनी के जिलाध्यक्ष राघवेंद्र सिंह को सूचना मिली कि निगोही क्षेत्र के अल्हादपुर गांव में एक मकान में प्रार्थना सभा की आड़ में धर्मांतरण कराया जा रहा है। सूचना मिलते ही जिलाध्यक्ष अपने कई कार्यकर्ताओं के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने सभा बंद कराने का प्रयास किया, लेकिन मकान के अंदर मौजूद महिलाओं ने डंडों से हमला कर दिया। हिंदू युवा वाहिनी का आरोप है कि जब उन्होंने धर्मांतरण का विरोध किया तो महिलाओं ने उन्हें एससी एक्ट और छेड़छाड़ के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। कुछ ही देर में गांव में भीड़ जमा हो गई और स्थिति तनावपूर्ण हो गई। इसकी सूचना पुलिस को दी गई।

प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और किसी तरह हालात पर काबू पाया। दो महिलाओं को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। हिंदू युवा वाहिनी की ओर से जिलाध्यक्ष ने थाना निगोही पर तहरीर दी है, जिसमें आरोप है कि करीब 25 लोगों को ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रलोभन दिया जा रहा था। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

चंगाई सभा के धर्मांतरण की सूचना पर पहुंचे थानाध्यक्ष आरके रावत। ● अमृत विचार

अल्हादपुर गांव में पहुंची पुलिस। ● अमृत विचार

खुटार: चंगाई सभा में 40 से ज्यादा लोग, मिशनरी साहित्य बरामद

खुटार थाना क्षेत्र के कुंभिया माफी गांव में चंगाई सभा के नाम पर अवैध धर्मांतरण की सूचना पर भी हड़कंप मच गया। हिंदू युवा संगठन उत्तर प्रदेश (अ) के अध्यक्ष अवनीश मिश्र को जानकारी मिली कि गांव के किनारे एक खेत में बने मकान में ईसाई मिशनरी से जुड़े लोग हिंदू धर्म छोड़ने के लिए लोगों को उकसा रहे हैं। अवनीश मिश्र अपने कार्यकर्ताओं के साथ मौके पर पहुंचे, जहां उन्होंने देखा कि लगभग 40-50 महिलाएं और पुरुष एक बड़े कमरे में बैठे थे और मकान मालिक हरिश्चंद्र जाटव और उनका बेटा शैलेश कुमार धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित कर रहे थे। आरोप है कि ईसाई धर्म अपनाने पर रुपये का लालच भी दिया जा रहा था। इस दौरान दोनों ने संगठन कार्यकर्ताओं के साथ अभद्र व्यवहार किया और जान से मारने की धमकी दी। सूचना पर थानाध्यक्ष राजेंद्र कुमार रावत फोर्स के साथ पहुंचे और दोनों को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने मौके से बाइबिल सहित अन्य ईसाई मिशनरी से संबंधित साहित्य भी बरामद किया। थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है और जांच जारी है।

प्रार्थना सभा इसी मकान में हो रही थी। ● अमृत विचार

- खुटार के कुंभिया माफी में चंगाई सभा से ईसाई धर्म का प्रचार
- मिशनरी साहित्य बरामद, दो हिरासत में, 50 हजार के लालच का आरोप

जांच के बाद होगी कार्रवाई

दोनों ही घटनाओं में प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रण में बताते हुए निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया है। सीओ सदर प्रयांक जैन ने बताया कि अल्हादपुर प्रकरण की जांच की जा रही है। वहीं, थाना खुटार प्रभारी आरके रावत ने बताया कि धर्मांतरण के प्रयास की पुष्टि के बाद सख्त कार्रवाई की जाएगी।

50 हजार का प्रलोभन देकर धर्म बदलवाने का आरोप

हिंदू युवा संगठन के अध्यक्ष अवनीश मिश्र ने बताया कि खुटार कस्बे के मोहल्ला बगियानाथ निवासी सुमित कुमार ने उन्हें बताया कि हरिश्चंद्र ने उसे ईसाई धर्म अपनाने पर 50 हजार रुपये देने का लालच दिया था। सुमित कई बार चंगाई सभा में शामिल हुआ, लेकिन उसे हर बार धर्म परिवर्तन का दबाव दिया जाता रहा। संगठन का आरोप है कि हरिश्चंद्र और उसका परिवार बाहरी मिशनरी संगठनों से फंड लेकर लंबे समय से इस काम में लगा है और जिले में कई स्थानों पर इस तरह की गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। उन्होंने आरोपियों के बैंक खातों की जांच और पूरे परिवार पर कठोर कार्रवाई की मांग की है।

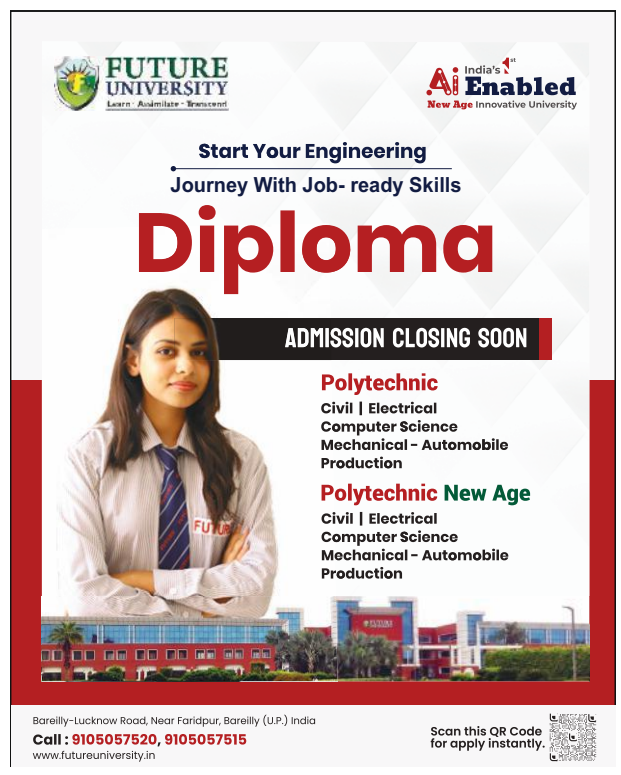

रंजिश को लेकर चले लाठी-डंडे, पांच घायल

खुटार, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव बढ़ईपुर निवासी सत्य प्रकाश ने थाने में दर्ज रिपोर्ट में बताया कि शनिवार शाम लगभग 7 बजे वह अपने दरवाजे पर बैठा था। उसका पोता गोलू व शनि रास्ते से जा रहे थे कि उसी समय रंजिश को लेकर प्रधान पति संतोष, अशोक व उत्तम उसके पोतों के साथ गाली-गलौज करने लगे, जिस पर सत्य प्रकाश ने गाली-गलौज का विरोध किया। विरोध करने पर प्रधान पति संतोष, अशोक, उत्तम, शंकर, नरेंद्र, छोटू उर्फ अमरनाथ, राजू, विजयपाल व राजू सभी 9 लोगों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। मारपीट होती देख बचाने दौड़ी उसकी पोती बबली, बहू किरन देवी को भी लाठी-डंडों से पीटकर घायल कर दिया। पुलिस ने सभी पांचों घायलों को मेडिकल के लिए भेज दिया और सत्य प्रकाश की तहरीर के आधार पर सभी 9 आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। पीड़ित सत्य प्रकाश ने बताया कि प्रधान पति से उसकी पुरानी रंजिश चल रही है।

न्यूज ब्रीफ

वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

खुटार, अमृत विचार : बंडा थाना क्षेत्र के गांव दलेलपुर निवासी लालाराम पुत्र रामदास कोर्ट में चल रहे विचाराधीन मुकदमे में काफी समय से वांछित चल रहा था। जिस पर कोर्ट द्वारा वारंट जारी कर गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए गए थे। जिस पर खुटार पुलिस वारंटी लालाराम को पकड़ने के दलेलपुर पहुंची लेकिन वारंटी मौके से भाग गया। जिस पर पुलिस ने बण्डा कस्बे के चौराहे के पास पीछा करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। जहां से उसे थाने लाकर रविवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

रोड हादसे में युवक की मौत, दोस्त गंभीर घायल

जलालाबाद, अमृत विचार : क्षेत्र के खाई खेड़ा गांव निवासी गोविंद (20) अपने साथी अंकित के साथ बाइक से बाल कटवाने मदनापुर जा रहा था। शनिवार दोपहर कुदैया गांव में बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने बाइक अनियंत्रित होकर रोड किनारे लगी ग्रिल से टकरा गई। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने दोनों को सीएचसी मदनापुर पहुंचाया, जहां से जिला अस्पताल रेफर किया गया। इलाज के दौरान गोविंद की मौत हो गई। परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम न कराते हुए रविवार को कोलाघाट पर अंतिम संस्कार कर दिया। मृतक गोविंद क्षेत्र में छोटे कार्यक्रमों में डांस करता था। उसकी मौत से गांव में शोक की लहर है।

नकब लगाकर उड़ाए नकद और जेवर

सिंधौली, अमृत विचार : आदमपुर दक्षिणी गांव निवासी नल मिस्त्री श्रीपाल के घर बीती रात अज्ञात चोर नकब लगाकर घुसे और कमरे में रखे बक्से से 80 हजार नगद व सोने-चांदी के जेवर चुरा ले गए। श्रीपाल ने बताया कि वह परिवार सहित आंगन में सो रहा था। सुबह उठने पर चोरी का पता चला। पुलिस ने मौके का मुआयना किया, लेकिन देर शाम तक मुकदमा दर्ज नहीं किया गया था।

घर के बाहर खेल रही बच्ची की करंट से मौत

संवाददाता, निगोही/शाहजहांपुर

अमृत विचार : खेरा सण्डा गांव में एक पांच साल की बच्ची घर के बाहर खेल रही थी। घर के बाहर दरवाजे लोहे का बिजली का खंभा लगा हुआ है। खंभे में करंट आ रहा था। बच्ची ने खंभे को छुआ तो करंट लग गया। परिवार वाले उसे डॉक्टर के पास ले गए, जहां उसे मृत घोषित कर दिया।

थाना क्षेत्र के गांव खेड़ा सण्डा निवासी छत्रपाल के दरवाजे पर बिजली का खंभा है। उसकी पांच साल की बेटी एकता रविवार की सुबह घर के बाहर खेल रही थी। खेलते-खेलते एकता ने बिजली का खंभा पकड़ लिया और करंट लगने से चिल्लाई। ग्रामीण दौड़कर आए तो बमुश्किल से बच्ची को छुड़ाया। परिवार वाले बेहोशी की हालत में डॉक्टर के पास ले गए। गांव वालों ने बिजली विभाग को फोन करके लाइट बंद कराई और बताया कि खंभे में करंट आ रहा है। डॉक्टर ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया। मृतका एकता भाई-बहनों में सबसे छोटी थी। छत्रपाल खेतीबाड़ी करते हैं। प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार सिंह ने बताया कि थाना पर कोई सूचना नहीं है।

बिलखते बच्ची के परिजन।

बाइक पर सवार तीन कांवड़िया घायल

खुटार, अमृत विचार : पीलीभीत जनपद के थाना सेरामऊ उत्तरी क्षेत्र के गांव हीरपुर निवासी मनजीत पुत्र सुरेंद्र पाल 16 वर्ष, प्रियांशु पुत्र रामकुमार 18 वर्ष व दीपक पुत्र बिल्लू 16 वर्षीय बीती रात लगभग 10 बाइक से खुटार होते हुए फर्रुखाबाद पांचाल घाट से जल लेने बाइक से जा रहे थे। वह खुटार पुवांया रोड रामपुर कला गांव के पास पहुंचे कि रोड पर बने डिवाइडर से उनकी बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर से टकरा गई। जिससे बाइक पर सवार तीनों कांवड़िए घायल हो गए। कांवड़ियों के घायल होने की सूचना पर थाना प्रभारी आरके रावत मौके पर पहुंचे और तीनों घायलों को खुटार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ले जाकर भर्ती कराया। जहां पर डॉक्टर ने उनकी मरहम पट्टी कर छुट्टी दे दी।

महिला और युवक का शव फंदे से लटका मिला

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: जिले में अलग-अलग स्थानों पर महिला समेत दो लोगों के कमरे में पंखे के कुंडे से शव लटके मिले। रामचंद्र मिशन थाना क्षेत्र में युवक ओर कांट थाना क्षेत्र में महिला का शव लटका मिला है। पुलिस ने दोनों शव उतार लिए।

रामचंद्र मिशन थाना क्षेत्र के मोहल्ला चमकनी गाड़ीपुरा निवासी अरुण कुमार राठौर (19) गाजीपुर में माता-पिता के साथ रहता था। दो दिन पहले वह यहां दादा नत्थूलाल के पास आ गया था। शनिवार शाम आठ बजे नत्थूलाल घर के बाहर बेठे थे। उनका पोता अरुण घर के अंदर था। वह मकान के अंदर गए तो देखा कि अरुण कुमार कमरे में पंखे के कुंडे से लटका हुआ है। उन्होंने शोर मचाया तो रिश्तेदार और मोहल्ले वाले एकत्रित हो गए। रिश्तेदारों ने मृतक अरुण के पिता खुशीराम को सूचना दी। रामचंद्र मिशन थाना प्रभारी धर्मेंद कुमार गुप्ता सिपाहियों के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को उतार लिया। मृतक गाजीपुर में बताशा बेचने का काम करता था और उसके पिता मजदूरी करते हैं। उसकी शादी नहीं हुई थी। मौत की खबर से परिवार में रोना पीटना मच गया।

मृतक अरुण के परिजन। ● अमृत विचार

कुर्रिया कला। कांट थाना क्षेत्र के गांव कुतुआपुर निवासी नितिन की शादी तीन माह पूर्व शिवानी (22) निवासी नोगाई थाना तिलहर के साथ हुई थी। नितिन 10 दिन पूर्व नौकरी करने बाहर चला गया था। शनिवार की शाम शिवानी ने खाना बनाया और परिवार वालों को खिलाया। वह रात 10 बजे कमरे में सोने के लिए चली गई। रविवार सुबह परिवार वालों ने उसका शव पंखे के कुंडे से दुपट्टे से लटका देखा। ससुराल वालों ने उसके मायके वालों को सूचना दी। मायके वाले बेटी की ससुराल पहुंचे। मृतका के ताऊ नन्हे लाल ने पुलिस को सूचना दी। कांट प्रभारी ब्रजेश सिंह सिपाहियों के साथ मौके पर पहुंचे और शव को उतार लिया। मौत की खबर से परिवार में रोना पीटना मच गया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मायके वालों की तरफ से कोई तहरीर नहीं आई है। आत्महत्या का कारण अज्ञात है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

- कांट में महिला का शव ओर रामचंद्र मिशन में युवक का शव मिला

एनडीआरएफ के आरआरसी निर्माण के लिए भूमि चिह्नांकन प्रक्रिया तेज

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: जनपद में भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए जल्द ही एनडीआरएफ की आरआरसी (रीजनल रिस्पांस सेंटर) बनाने की स्वीकृति शासन से मिलने के बाद ही उसके निर्माण के लिए पैना बुजुर्ग में दो गाटा संख्या की भूमि भी चिह्नांकन किया गया है। हालांकि उसके फाइनल होने की प्रक्रिया चल रही है। जैसे ही भूमि चिह्नांकन होगा, उसके प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजने की कवायद जिला प्रशासन द्वारा शुरू कर दी जाएगी। सब कुछ ठीकठाक रहा तो एक दो माह में रीजनल रिस्पांस सेंटर बनने की प्रक्रिया धरातल पर होती हुई नजर आएगी।

एडीएम प्रशासन ने जमीन के गाटा संख्या आदि का अवलोकन कर अधीनस्थों को दिशा निर्देश दिए। उधर एसडीएम व तहसीलदार द्वारा जमीन की उपलब्धता जल्द से जल्द कराने को कहा गया है। जिले में रीजनल रिस्पांस सेंटर बनने से अब बाढ़ या किसी भी प्राकृतिक आपदा की स्थिति में तुरंत मदद मिल सकेगी। बाहर से टीमों के आने का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। आरआरसी शहर के आसपास इसलिए बनाया जाएगा, ताकि लोगों को तुरंत सहायता मिल सके। आवश्यकता पर आसपास के जिलों को भी लाभ आसानी से मिलेगा।

बता दें कि प्रदेश में वाराणसी में 11वीं और गाजियाबाद में आठवीं यूनिट के आरआरसी हैं। प्राकृतिक आपदा होने पर पहले बरेली की पीएसी फ्लड यूनिट, मुरादाबाद या लखनऊ से एसडीआरएफ की टीम को बुलाना पड़ता था। अब गाजियाबाद की आठवीं यूनिट का आरआरसी यहां बनाया जा रहा है। आरआरसी में 47 लोगों की टीम होगी। इससे जनपदवासियों को आपातकालीन स्थिति में सुरक्षित रखने के जिला प्रशासन को भी सहूलियत रहेगी।

- पैना बुजुर्ग श्रमिक अस्पताल के पास पांच एकड़ भूमि में बन सकता है आरआरसी

रंजिशन सूजा घोंपकर किया घायल

शाहजहांपुर, अमृत विचार : चौक कोतवाली के मोहल्ला हयातपुरा निवासी प्रशांत मिश्रा ने बताया कि शनिवार की शाम उसका भाई चंदन अपने मिलने वाले अंकित शर्मा के साथ कुछ घरेलू सामान लेने अंटा चौराहे पर जा रहा था। रास्ते में अभय पाण्डेय निवासी रेती थाना रामचंद्र मिशन ने उसके भाई चंदन को रोक लिया और पुरानी रंजिश को लेकर गालियां देने लगा। विरोध करने पर जान से मारने की नीयत से उसके भाई को सूजा घोपकर घायल कर दिया। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

प्रांतीय अनुमति के बिना ब्लॉक अध्यक्षों का निष्कासन अवैधानिक

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ में अध्यक्ष द्वारा ब्लॉक अध्यक्षों के निष्कासन को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। संघ की संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार वर्तमान कार्यवाहक जिलाध्यक्ष मुनीश मिश्रा द्वारा सात वरिष्ठ पदाधिकारियों को छह वर्षों के लिए निष्कासित करना न केवल अनुचित बताया गया है, बल्कि इसे पूरी तरह अवैधानिक करार दिया गया है।

जैतीपुर ब्लॉक अध्यक्ष आदेश सिंह तोमर, कटरा खुदागंज के अरविंद सिंह चौहान, निगोही के विजय सिंह, जलालाबाद के राजकुमार सिंह, खुटार के प्रमोद कुमार सिंह, मदनापुर के धर्मेंद्र प्रताप सिंह चौहान तथा जिला पदाधिकारी अरुण भदौरिया व कृष्ण कुमार सिंह ने एक संयुक्त बयान में बताया कि उन्हें प्रांतीय समिति की अनुमति के बिना निष्कासित कर दिया गया, जबकि संगठन के नियमों के अनुसार कार्यवाहक अध्यक्ष को इस प्रकार की अनुशासनात्मक कार्यवाही का कोई अधिकार नहीं है। पदाधिकारियों ने बताया कि वह पिछले 20 वर्षों से नियमित सदस्य एवं निर्वाचित प्रतिनिधि हैं और उन्होंने आगामी संघ चुनावों के लिए अपने-अपने क्षेत्रों से सदस्यता शुल्क एकत्र कर मुनीश मिश्रा को सौंपा था, जिनमें जैतीपुर से 47,700, कटरा से 46,050, निगोही से 46,200, जलालाबाद से 33,750, खुटार से 16,650 व मदनापुर से 34,500 की सदस्यता राशि शामिल है। कुल मिलाकर जनपद भर से लगभग 9 लाख की राशि जमा की गई थी, लेकिन मुनीश मिश्रा लगातार चुनाव टालते जा रहे हैं। पदाधिकारियों का आरोप है कि कार्यवाहक अध्यक्ष अब खुद को पूर्णकालिक अध्यक्ष लिखकर संगठन के लेटरपैड का मनमाने ढंग से दुरुपयोग कर रहे हैं।

- शिक्षकों ने सात पदाधिकारियों के छह साल के निष्कासन आदेश को बताया शिक्षक संघ विरोधी

आधा दर्जन चोरियों में एक का भी खुलासा नहीं

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: चौक कोतवाली क्षेत्र में स्थित अजीजगंज क्षेत्र में हुई चोरी की करीब आधा दर्जन वारदातों में एक का भी पुलिस खुलासा नहीं कर पाई है। 17 जुलाई को नेशनल हाईवे पर स्थित इंस्टाकार्ट के गोदाम का शटर काटकर चोरों ने दराज में रखे एक लाख 34 हजार रुपये चुरा लिए थे।

चोर सीसीटीवी कैमरे के डीवीआर चुराकर ले गए हैं। गोदाम के प्रबंधक सुरेश कुमार ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। 6 मई को न्यू कालोनी नवादा इंदेपुर में संजीव कुमार के घर में चोर घुसकर सोने का हार, मांग टीका, दो सोने की अंगूठी, चांदी की करधनी, एक जोड़ी पायल, आठ हजार रुपये चुराकर ले गए थे। इसी कालोनी में मुनेंद्र के घर से चोर दो बक्से उठाकर ले गए थे। चोरों ने बक्से में से 40 हजार रुपये, सोने का हार, सोने के झाले, दो अंगूठी, पायल चुराकर ले गए थे। इसी रात को शांतिकुंज कालोनी में रेल कर्मचारी वीरपाल के घर से चोर डेढ़ लाख का जेवर, 60 हजार रुपये चुराकर ले गए थे। सफाई कर्मचारी अरुण कुमार के घर से चोर डेढ़ लाख का जेवर व दो हजार रुपये चुराकर ले गए थे। प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार सिंह ने चोरियों के खुलासे के लिए टीमें लगाई गई हैं।

पिता-पुत्र को धारदार हथियार से किया घायल

शाहजहांपुर, अमृत विचार : रोजा थाना क्षेत्र के गांव रहीमपुर निवासी संजीव कुमार ने बताया कि शनिवार की शाम को काम करके अपने घर जा रहा था। रास्ते में गांव के बादाम, सुमित, इन्द्रपाल, भुवनेश्वर ने उसे रोक लिया और गालियां दी। आरोपी उसके घर पर आए और दोबारा गालियां देने लगे। विरोध करन पर आरोपियों ने उसे और उसके पिता राम लड़ैते पर धारदार हथियार से प्रहार करके घायल कर दिया। उसकी बेटी की गर्दन दबाने का प्रयास किया। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। घटना का कारण पुरानी रंजिश बताया जाता है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

घरेलू कलह में आहत युवक ने गोमती नदी में लगाई छलांग

संवाददाता, बंडा

अमृत विचार: घरेलू विवाद में क्षुब्ध होकर युवक ने शनिवार शाम गोमती नदी में छलांग लगा दी, जिसके बाद से उसका कोई सुराग नहीं मिल सका है। घटना के करीब 22 घंटे बीत जाने के बावजूद युवक की तलाश जारी है। बरेली से आई पीएसी की आठवीं वाहिनी की मोटरबोट टीम गोमती नदी में उसकी तलाश में जुटी हुई है।

पूरनपुर रोड स्थित पेट्रोल पंप के पास रहने वाले गोकुल प्रसाद गुप्ता का बेटा शिवा (28) शनिवार को घर में किसी बात को लेकर हुए विवाद के बाद नाराज होकर निकल गया था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शाम करीब सात बजे वह सुनासीर नाथ मंदिर के पास गोमती नदी के पुल के किनारे बैठकर शराब पी रहा था। उसी दौरान उसे खोजते हुए उसकी बहन रीता देवी और बहनोई नन्हें वहां पहुंचे, जिन्हें देखते ही शिवा ने पुल से नदी में छलांग लगा दी। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। देर रात तक गांव ददिउरी के तैराक शिवा की तलाश में नदी में उतरे, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। रविवार को भी सुबह से तलाश जारी रही, इसी बीच बरेली से पीएसी की 10 सदस्यीय टीम मोटरबोट के साथ मौके पर पहुंची। पीएसी हेड कांस्टेबल मुन्ना राम पासवान के नेतृत्व में दीपक शुक्ला, आमोद कुमार, जितेंद्र कुमार, कोमल कुमार, सुमित द्विवेदी, मोहम्मद रिजवान, उमेश कुमार, राज धनकर और ड्राइवर भुवनेश कुमार तलाश में जुटे हैं। मोटरबोट से चार गोताखोर लगातार नदी की गहराइयों में शिवा की खोज कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई सफलता नहीं मिली है। परिजनों ने बताया कि शिवा अपनी पत्नी को इलाज के लिए दिल्ली में बहन पूजा और बहनोई वतन गुप्ता के पास लेकर गया था, जहां डिलीवरी के लिए कार्ड बनवाकर मां को साथ लाने वापस बंडा लौटा था। शनिवार को किसी बात पर विवाद हुआ और उसने आत्मघाती कदम उठा लिया।

सुनासीर मंदिर के पास गोमती पुल के नीचे युवक की तलाश में जुटी पीएसी की मोटरबोट टीम और पुल पर मौजूद भीड़। ● अमृत विचार

- 22 घंटे बाद भी नहीं लगा पता, पीएसी की मोटरबोट से खोजबीन जारी

डिवाइडर से टकराई बाइक, तीन कांवड़िया घायल

खुटार, अमृत विचार : कांवड़ यात्रा पर निकले तीन युवक उस समय घायल हो गए जब उनकी बाइक खुटार-पुवाया रोड पर डिवाइडर से टकरा गई। हादसा शनिवार रात करीब 10 बजे रामपुर कला गांव के पास हुआ। पीलीभीत जनपद के हीरपुर निवासी मनजीत (16), प्रियांशु (18) और दीपक (16) बाइक से फर्रुखाबाद के पंचाल घाट जल लेने जा रहे थे। अचानक बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। तीनों को चोटें आईं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी आरके रावत मौके पर पहुंचे और घायलों को खुटार सीएचसी ले जाकर भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को छुट्टी दे दी गई।

कलशों की पंक्तियों में बहती दिखी आस्था की गंगा

खिरनीबाग रामलीला मैदान में श्री स्कंद शिवमहापुराण कथा का शुभारंभ बाबा विश्वनाथ के विधिवत पूजन अर्चन के साथ हुआ

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

महानगर में भव्य कलश यात्रा निकालते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

श्री स्कंद पुराण का महत्व बताते प्रशांत प्रभु महाराज। ● अमृत विचार

अमृत विचार: श्रावण मास की पुण्य बेला में नगर में भक्ति का अनुपम उत्सव आरंभ हो गया है। शनिवार को खिरनीबाग स्थित रामलीला मैदान में श्री स्कंद शिवमहापुराण कथा का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। पावन यात्रा में 2100 माताओं एवं बहनों ने सिर पर कलश धारण कर नगर को शिवमय बना दिया। यात्रा का शुभारंभ बाबा विश्वनाथ जी के विधिवत पूजन अर्चन के साथ हुआ, जिसे प्रशांत प्रभु महाराज ने संपन्न कराया। मुख्य आयोजक हरिशरण बाजपेई ने जहां मस्तक पर श्री शिवमहापुराण ग्रंथ धारण किया, वहीं उनकी धर्मपत्नी सीमा बाजपेई कलश लेकर श्रद्धा भाव से यात्रा में सम्मिलित रहीं।

यात्रा में सबसे आगे गणेश जी की प्रतिमा विराजमान थी। डमरू वादन की गूंज, मातृशक्ति की भजनमयी पदयात्रा और जयकारों की गूंज ने वातावरण को संगीतमय और शिवमय बना दिया। काशी से पधारे डमरू वादकों की ताल ने समस्त नगरवासियों को भावविभोर कर दिया। कलश यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई लोधीपुर स्थित खन्नौत नदी तक पहुंची, जहां सभी श्रद्धालु गंगाजल भरकर पुनः रामलीला मैदान लौटे। पीतवस्त्रधारी महिलाएं सिर पर कलश लिए, मन में श्रद्धा लिए, भोलेनाथ के भजनों पर झूमती हुईं चलीं। रामलीला मैदान में व्यास

● डमरू वादकों की ताल ने नगर के लोगों को किया भावविभोर

पीठ की विधिवत स्थापना और पूजन काशी से पधारे आचार्य विवेकानंद शास्त्री द्वारा सम्पन्न किया गया। तत्पश्चात श्रद्धालुओं ने कथा श्रवण का सौभाग्य प्राप्त किया।

कथा के प्रथम दिन प्रशांत प्रभु महाराज ने श्री स्कंद पुराण के महत्व को बताया। उन्होंने कहा कि शिव महापुराण केवल पुराण नहीं, यह जीवन का रहस्य और कल्याण का सूत्र है। कथा की शुरुआत श्री गणेश वंदना से हुई, तत्पश्चात सृष्टि की उत्पत्ति और भगवान शिव के अनादि स्वरूप का वर्णन किया गया। प्रशांत प्रभु ने बताया कि किस प्रकार भगवान शिव ने ब्रह्मा और विष्णु को अपनी अनंत लीलाओं से चकित कर त्रिलोक पर दया और तप का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि शिव ही आदि हैं, शिव ही अंत हैं, शिव ही कारण हैं और शिव ही कारणों के परे हैं। श्रद्धा से सुनो, यह कथा केवल कथा नहीं, साक्षात शिव का आह्वान है। श्रद्धालु मंत्रमुग्ध होकर कथा में लीन रहे।

भक्ति की इस गंगा में डुबकी लगाने हजारों लोग कथा स्थल पर उपस्थित रहे। इस भक्ति महोत्सव की कथा प्रतिदिन संध्या समय खिरनीबाग रामलीला मैदान में आयोजित की जाएगी, जिसमें सभी भक्तगणों से सादर अनुरोध है कि समय पर पधारें और भगवान शिव की दिव्य कथा श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित करें। आयोजन में हरिशरण बाजपेई, सीमा बाजपेई, मुनेश्वर सिंह (ब्लॉक प्रमुख सिधौली), श्री दत्त शुक्ला (ब्लॉक प्रमुख कांट), दीपक शर्मा, डा. विजय पाठक, डा. सत्य प्रकाश मिश्रा, संजय मिश्रा, पूर्व एमएलसी महेश चंद्र सक्सेना, एडवोकेट सतीश वर्मा, विश्व मोहन बाजपेई, वेणु गोपाल त्रिपाठी, अखिलेश सिंह, गौरव त्रिपाठी, अभिषेक बाजपेई, नीरज बाजपेई आदि उपस्थित रहे।

कृपाल आश्रम में आध्यात्मिक गुरु दिवस मनाया गया

शाहजहांपुर, अमृत विचार: कृपाल आश्रम में शनिवार को आध्यात्मिक गुरु दिवस, परम संत बाबा सावन सिंह जी महाराज का 167वां जन्मोत्सव, माता रीता का जन्मदिन एवं अमेरिका स्थित लिस्ले सेंटर की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गुरु वंदना और ध्यान अभ्यास से हुआ।

संस्था प्रभारी डॉ. कैलाश चंद्र रस्तोगी ने संत बाबा सावन सिंह जी के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला। संस्था अध्यक्ष गिरीश चंद्र गुप्ता ने सतगुरु की शरण को जीवन का लक्ष्य बताया। उपाध्यक्ष हरपाल अग्रवाल ने कहा कि मनुष्य जीवन प्रभु प्राप्ति हेतु मिला है, इसका सदुपयोग करें। कार्यक्रम में अन्नू, प्रेम सेठी, विनय कुमरा, बहन नरेंद्र कौर, लता, माया, शीतला, रामभजन सहित कई भक्तों ने भजन प्रस्तुत किए। कार्यक्रम को सफल बनाने में गुरमीत सिंह बग्गा, डॉ. दिनेश सक्सेना, सोनू मेहता, पवन कुमार धवन, पूनम धवन आदि का विशेष योगदान रहा। अंत में सभी को प्रसाद और जलपान वितरित किया गया।

तीज उत्सव में महिलाओं ने नृत्य व सांस्कृतिक कार्यक्रम किए प्रस्तुत

शाहजहांपुर, अमृत विचार: लाइन इंटरनेशनल के अग्रणी मंडल 321बी के अंतर्गत लायंस क्लब शाहजहांपुर शक्ति की ओर से रविवार को हरियाली तीज उत्सव मनाया गया। जिसकी अध्यक्षता क्लब की अध्यक्ष लाइन ललिता यादव ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सोनिया राठौर, शिखा जैन व महानगर अध्यक्ष शिल्पी गुप्ता द्वारा दीप जलाकर किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष ललिता यादव ने बताया कि आज के इस उत्सव में सभी महिलाओं ने नृत्य व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। क्लब द्वारा कई प्रतियोगिताएं तथा गेम कराए गए, तीज क्वीन का पुरस्कार, खुशी, बेस्ट एटायर का पुरस्कार पूनम गुप्ता, बेस्ट मेहंदी का पुरस्कार ज्योति अरोड़ा, मैचिंग दिवा का पुरस्कार अमन, ग्लैमरस दिवा का पुरस्कार पूजा बियानी दिया गया। संस्था चार्ट अध्यक्ष लायन गुरमीत कौर ने सभी कार्यों को और भी रचनात्मक तरीके से करने पर बल दिया। इस दौरान लायन अध्यक्ष ललिता यादव, सचिव गुरमीत कौर, कोषाध्यक्ष लायन प्रियंका बियानी, लायन करिश्मा टंडन, लायन बुलबुल, लायन अनुप्रिया समेत अन्य मेंबर्स का योगदान रहा।

तीज उत्सव में प्रतिभाग करतीं महिलाएं। ● अमृत विचार

विद्यालय बंद किए जाने पर ग्रामीण को प्रदर्शन

खुटार, अमृत विचार: सरकार की मर्जर योजना के तहत गांव का प्राथमिक स्कूल बंद किए जाने से परेशान ग्रामीणों ने गांव में प्रदर्शन किया और स्कूल को बंद किए जाने से रोकने की मांग सरकार से की।

क्षेत्र के गांव सुजानपुर में रहने वाले भागीराम, मनोज कुमार, विकास कुमार, राकेश कुमार, सियाराम, सुनील कुमार, डालचंद्र ने बताया कि उनके गांव में स्थित प्राथमिक विद्यालय में 52 बच्चे पंजीकृत है, लेकिन इसके बाद भी उनके गांव का प्राथमिक विद्यालय बंद किया जा रहा है और स्कूल के बच्चों को तीन किलोमीटर दूर स्थित स्कूल में शिफ्ट किया जा रहा है, जिससे बच्चों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने स्कूल को शुरू रखने की मांग की।

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक रेड क्रॉस सोसाइटी के सभापति निर्वाचित

शाहजहांपुर, अमृत विचार: इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी उत्तर प्रदेश प्रबंधन समिति का चुनाव लखनऊ स्थित रेड क्रॉस भवन में पूर्व निर्धारित तारीख पर राज्यपाल द्वारा नामित प्रशासनिक चुनाव अधिकारी की देखरेख में सभापति एवं कोषाध्यक्ष का चुनाव सम्पन्न हुआ, जिसमें प्रदेश के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक को उपस्थित सभी प्रबंधन समिति सदस्यों की आम सहमति पर निर्विरोध निर्वाचित किया गया।

इसी क्रम में जौनपुर के अरुण सिंह को कोषाध्यक्ष निर्वाचित किया गया, निर्वाचित होने के बाद सभापति ने सभी का आभार प्रकट किया और सदस्यों को आश्वासन दिया कि उनके द्वारा जिला स्तर पर भ्रमण के दौरान स्थानीय रेड क्रॉस सोसाइटी की समीक्षा स्वयं की जाएगी और रेड क्रॉस के उपदेशों को गति प्रदान करने के लिए सफल प्रयास करूंगा।

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक का अभिवादन करते हुए सोसाइटी। ● अमृत विचार

बैठक में प्रबंधन समिति के सदस्य जिला शाहजहांपुर के सचिव डॉ. विजय जौहरी ने सभापति चुने जाने पर उनको शुभकामनाएं दीं और जनपद स्तर पर प्रस्तावित रेड क्रॉस के रक्त दान भवन के शिलान्यास का प्रस्ताव रखा। इसी क्रम में तीन बिंदु का प्रस्ताव भी रखा गया, जिसमें राज्यपाल की मंशानुरूप जिला स्तर पर भ्रूण हत्या रोकने के लिए जिला स्तर पर गठित पीसीपीएनडीटी समिति में रेड क्रॉस का प्रतिनिधित्व हो एवं जनहित में स्वास्थ से संबंधित राष्ट्रीय कार्यक्रमों की सफलता के लिए जिला स्वस्थ समिति में रेड क्रॉस का प्रतिनित्व होना चाहिए। रेड क्रॉस के फंड की धन राशि का उपयोग रेड क्रॉस के उपदेशों के पूर्ति के लिए किया जाना चाहिए, सरकारी अनुदान की तरह नहीं किया जाना चाहिए। उक्त बिंदुओं पर सभापति ने संबंधित अधिकारियों से विमर्श के बाद अग्रिम कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। उक्त जानकारी स्थानीय रेड क्रॉस की आयोजित बैठक में डा. विजय जौहरी ने दी।

पुण्यतिथि पर फूलन देवी की कार्यकर्ताओं ने किया याद

शाहजहांपुर, अमृत विचार: अखिल भारतीय कश्यप स्वाभिमान संगठन की ओर से पूर्व सांसद फूलन देवी की पुण्यतिथि पर कटिया टोला स्थित कार्यालय पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यकर्ताओं ने मोमबत्ती जलाकर व पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

जिलाध्यक्ष राजेश कुमार कश्यप ने कहा कि फूलन देवी ने जीवनभर शोषण के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उन्होंने अपने बलिदान से महिलाओं और वंचित समाज को प्रेरणा दी। कार्यक्रम में उपस्थित प्रदेश सचिव शिवनंदन सागर ने कहा कि यदि फूलन देवी को समय पर न्याय मिला होता तो उन्हें बंदूक न उठानी पड़ती। सह संयोजक अभिनव कश्यप ने कहा कि शिक्षा की कमी के चलते समाज पीछे है, इसलिए सभी को बच्चों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान देना होगा। इस मौके पर कई वक्ताओं ने फूलन देवी के संघर्षों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मदनलाल, रामनरेश, रामकृष्ण, प्रियंका कश्यप, श्रेया कश्यप, किशोर कश्यप आदि मौजूद रहे।

इंडो किड्स स्कूल में बच्चों ने चखी आम की मिठास

इंडो किड्स स्कूल में कार्यक्रम के दौरान उपस्थित बच्चे, शिक्षक व प्रबंधक।

शाहजहांपुर, अमृत विचार: इंडो किड्स स्कूल में शनिवार को आम दिवस कार्यक्रम का आयोजन बड़े ही उत्साहपूर्वक किया गया। इस मौके पर बच्चों को न केवल आम खिलाए गए, बल्कि उन्हें इस फल से होने वाले पोषण लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम की शुरुआत प्रधानाचार्या रीना सेठ ने बच्चों को मौसमी फल खाने के फायदे बताकर की। बच्चों को बताया गया कि आम जैसे फल न केवल स्वाद में बेहतरीन होते हैं, बल्कि शरीर को जरूरी विटामिन और पोषण भी देते हैं। कुछ बच्चे जो आम नहीं खाते थे, उन्हें शिक्षिकाओं ने आम की उपयोगिता और स्वाद से परिचित कराया, जिसके बाद वे भी खुशी-खुशी आम खाते नजर आए। स्कूल में पीले और हरे रंग के परिधानों में बच्चे बेहद आकर्षक लग रहे थे। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को फलों के प्रति सजग करना था। प्रधानाचार्या रीना सेठ ने कहा कि स्कूल में समय-समय पर फल आधारित गतिविधियां कराई जाती हैं, ताकि बच्चों में सेहत के प्रति जागरूकता बनी रहे। उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को जंक फूड की बजाय मौसमी फल खिलाएं।

विद्यालय निदेशक अनूप सेठ ने शिक्षकों और अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बच्चों को प्राकृतिक और पौष्टिक आहार देना आज की आवश्यकता है। कार्यक्रम में शिक्षिकाएं अवंतिका, प्रियंका, कोमल, रुखसाना व शिक्षक आदित्य का विशेष योगदान रहा।

वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज की ओर से लगाया निःशुल्क जांच शिविर

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल बंथरा द्वारा रविवार को ग्राम वीरमपुर स्थित मथुरा प्रसाद नारायण लाल पूर्व माध्यमिक विद्यालय में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 230 मरीजों ने पंजीकरण कराकर चिकित्सीय सेवाएं प्राप्त कीं, जिसमें 5 मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया, जिनका इलाज रोहिलखंड अस्पताल में मुफ्त में किया जाएगा।

शिविर में उपस्थित सभी मरीजों को निःशुल्क आई ड्रॉप व जरूरी दवाइयां दी गईं। चिकित्सकों ने उपस्थित लोगों को अस्पताल में उपलब्ध नेत्र चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी दी। इनमें काला मोतियाबिंद, पर्दे की बीमारियां, भेंगापन, कॉर्निया की बीमारी, नाखूना, कंप्यूटराइज्ड चश्मा जांच व नंबर निर्धारण जैसी सेवाएं शामिल हैं। स्वास्थ्य कार्ड की सुविधा मात्र 200 रुपये में उपलब्ध है, जो एक साल तक परिवार के सभी सदस्यों के इलाज में मान्य रहेगा। आयुष्मान कार्ड धारकों को निशुल्क इलाज की सुविधा है। शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. स्वप्निल, सामान्य रोग विशेषज्ञ डॉ. अंकित, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रिया मिश्रा, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. तपस्या रेड्डी व डॉ. शुभी जौहरी, पैरामेडिकल स्टाफ व एमएसडब्ल्यू जितेंद्र गंगवार की सक्रिय भागीदारी रही। समाजसेवी हरीश गंगवार के सहयोग से यह शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज के शिविर में जांच करते चिकित्सक। ● अमृत विचार

कार्यकारिणी को प्रदेश अध्यक्ष ने दी स्वीकृति

शाहजहांपुर, अमृत विचार: जिला युवा कांग्रेस कमेटी की जिला कार्यकारिणी को पश्चिम उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष पारस शुक्ला ने स्वीकृति प्रदान की है। स्वीकृत कार्यकारिणी की सूची जिलाध्यक्ष युवा कांग्रेस रामजी अवस्थी को सौंप दी है। कार्यकारिणी में महिलाओं, ओबीसी, दलित, और अन्य वर्गों को समुचित प्रतिनिधित्व देने पर विशेष ध्यान दिया है, ताकि संगठन समाज के हर तबके की आवाज को मजबूत कर सके। प्रदेश अध्यक्ष पारस शुक्ला ने निर्देश दिए हैं कि सभी कार्यकारिणी सदस्य अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन निष्ठा के साथ करें और राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस के हाथ को और मजबूत करने के लिए कार्य करें। जिलाध्यक्ष युवा कांग्रेस राम जी अवस्थी ने कहा कि जिला कार्यकारिणी की स्वीकृति से युवा कांग्रेस को नई ऊर्जा मिलेगी।

पानी की पाइप लाइन टूटी होने से घरों में भरा पानी

शाहजहांपुर, अमृत विचार: सदर बाजार थाना क्षेत्र के मोहल्ला एमनजई जलालनगर के ब्रजेश यादव, रामओतार आदि ने बताया कि बर्फ खाना वाली गली में डीसेंट स्कूल के सामने गली में चार दिन से पानी की पाइप लाइन टूटी हुई है। गली के अलावा घरों में पानी भर गया है। लोग दूषित पानी पी रहे हैं। क्षेत्र के लोगों ने बताया कि नगर निगम से शिकायत करने के बाद भी टूटी पाइप लाइन को ठीक नहीं किया है।

आयोजन वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज की ओर से नखासे में भी लगा शिविर

हड्डी रोगों में राहत बनी नि :शुल्क स्वास्थ्य सेवा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

शिविर में जांच करते चिकित्सक। ● अमृत विचार

अमृत विचार: वरुण-अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल बंथरा की ओर से रविवार को मीरानपुर कटरा स्थित ग्रामीण स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र फल मंडी नखासे के सामने पर हड्डी रोगों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में मरीजों ने विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

शिविर में हड्डी रोग विशेषज्ञों द्वारा मरीजों की बीएमडी हड्डियों की मजबूती जांच व ब्लड शुगर की निःशुल्क जांच की गई। सभी मरीजों को निःशुल्क दवाइयां दी गईं और जरुरतमंदों को सिटी स्कैन, एमआरआई आदि के लिए डिस्काउंट कूपन भी दिए। शिविर में गठिया, कमर व जोड़ों का दर्द, सायटिका, रीढ़, गर्दन, पैरों की कमजोरी, हड्डी टीबी व संक्रमण आदि रोगों की पहचान व परामर्श दिया गया।

कॉलेज के पीआरओ अतुल गंगवार ने बताया कि हर माह के चौथे रविवार को शिविर नियमित रूप से आयोजित किया जाएगा ताकि क्षेत्रवासियों को बेहतर व किफायती स्वास्थ्य सुविधाएं निरंतर मिलती रहें। अस्पताल में घुटना व कूल्हा प्रत्यारोपण, हड्डी ऑपरेशन, आईसीयू, प्लास्टर जैसी तमाम सुविधाएं मौजूद हैं। परिवार स्वास्थ्य कार्ड सिर्फ 200 रुपये में उपलब्ध है, जो एक वर्ष के लिए मान्य है। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत कार्डधारकों का पूरा इलाज निःशुल्क किया जाता है। शिविर में स्पाइन एवं जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी टीम से डॉ. ओमकार, मेडिकल स्टाफ और अन्य चिकित्सकीय विशेषज्ञ मौजूद रहे।

सिटी ब्रीफ

मंडल अध्यक्ष ने ग्रामीणों के साथ सुनी मन की बात

दबतोरी, अमृत विचार : रविवार को प्रसारित प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को मंडल अध्यक्ष ने ग्रामीणों के साथ देखा। कार्यक्रम देखने के बाद मंडल अध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने लोगों को केंद्र सरकार की योजनाओं से अवगत कराया। इस मौके पर दिलीप सिंह, निहाल सिंह, जगपाल सिंह, दीपक मौर्य, किशोर सिंह, आदि लोग उपस्थित रहे।

हरियाली तीज पर महिलाओं ने गाए गीत

बदायूं, अमृत विचार : शहर के लोहिया नगर की महिलाओं ने तीज महोत्सव को बहुत ही धूमधाम से मनाया। कॉलोनी की महिलाओं ने दादी की रसोई स्थिति कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें गीत संगीत हुआ। साथ ही मिस क्वीन का आयोजन किया गया। मिस तीज का खिताब मीनू वर्मा को दिया गया। इस मौके पर अंजली गुप्ता, मीनाक्षी गुप्ता, सुगंध सक्सेना, नेहा सक्सेना, सुचि सिंह, उमा सक्सेना, शालिनी बिष्ट आदि महिलाएं मौजूद रही।

छुट्टा पशु बने मुसीबत

बदायूं, अमृत विचार : छुट्टा पशुओं से शहर से लेकर ग्रामीण परेशान है। यह पशु आए दिन सड़क हादसों का कारण बन रहे है। जिससे लोग चोटिल और गंभीर रूप से घायल भी हो रहे है।

4327 अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा, 6497 ने छोड़ी

पुलिस-प्रशासन की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हुई आरओ-एआरओ की परीक्षा, 10824 थे पंजीकृत

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच आरओ-एआरओ की परीक्षा संपन्न हुई। 26 केंद्रों पर हुई परीक्षा में 10824 पंजीकृत थे। इनमें 4327 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। 6497 किन्हीं कारणों से परीक्षा में शामिल नहीं हो सके। परीक्षार्थियों को संघन तलाशी के बाद केंद्र के अंदर प्रवेश दिया गया। केंद्रों के बाहर पुलिस का कड़ा पहरा रहा। डीएम, एसएसपी सहित अन्य अधिकारी केंद्रों का भ्रमण करते रहे।

परीक्षा 9:30 बजे से शुरू होनी थी। परीक्षार्थी केंद्रों पर सात बजे से पहुंचना शुरू हो गए। चेकिंग के बाद परीक्षा केन्द्रों के अन्दर प्रवेश दिया गया। परीक्षा केंद्रों पर तीन स्तरीय चेकिंग की व्यवस्था की गई थी। तीन स्तरीय चैकिंग के दौरान परीक्षार्थियों के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स, हाथों के कलावा व अन्य सामग्रियों को उतरवा लिया गया। गहन जांच के बाद ही अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्रों के अंदर प्रवेश दिया गया। परीक्षा की निगरानी सीसीटीवी कैमरों से की जाती रही। केंद्रों पर तैनात किए गए सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक एवं सहायक व्यवस्थापक द्वारा केंद्र के अंदर भ्रमण किया जाता रहा। वहीं परीक्षा के समय डीएम अवनीश कुमार राय, एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारियों ने केंद्रों पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। जनपद में बनाए गए 26 परीक्षा केंद्रों में पंजीकृत 10824 अभ्यर्थियों में से 4327 ने परीक्षा दी। 6497 परीक्षार्थी परीक्षा देने नहीं पहुंचे।

परीक्षा केंद्र पर प्रवेश के लिए लाइन में खड़े परीक्षार्थी। ● अमृत विचार

भ्रमण करते डीएम अवनीश कुमार राय, एसएसपी डॉ बृजेश कुमार सिंह व अन्य।

- समय से 2 घंटा पहले परीक्षा केंद्रों के बाहर खड़े हो गए थे अभ्यर्थी
- संघन तलाशी के बाद दिया प्रवेश अधिकारी करते रहे भ्रमण

180 मिनट का मिला समय, हल करने थे 200 प्रश्नों के उत्तर

परीक्षा के लिए परीक्षार्थियों को 180 मिनट का समय मिला था। उन्हें 200 सवालों के जवाब देने थे। 180 मिनट में 200 प्रश्नों को हल करने में ज्यादातर परीक्षार्थियों के पसीने छूट गए। प्रश्न पत्र में 140 प्रश्न सामान्य अध्ययन और 60 सामान्य हिंदी से जुड़े पूछे गए। परीक्षा के लिए शहर में 26 केंद्र बनाए गए थे। इनमें दूसरे जिलों के पंजीकृत 10824 में से 4327 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी।

सवाल : सुनीता विलियम्स किस स्पेसक्राफ्ट से धरती पर लौटीं

परीक्षा में हाल की घटनाओं पर आधारित प्रश्न पूंछे गए थे। जैसे देश की राष्ट्रीय आय का आकलन कौन करता है। सुनीता विलियम किस स्पेसक्राफ्ट से वापस धरती पर लौटी। द पॉपुलेशन बम पुस्तक किसने लिखी। ब्रह्मा जी का मंदिर कहां हैं। राष्ट्रमंडल खेल कहां होंगे। यह कुछ ऐसे सवालों परीक्षार्थियों से पूछे गए थे।

बंद रही परीक्षा केंद्रों के आसपास की फोटो स्टेट और मोबाइल की दुकानें

परीक्षा शांतिपूर्ण और नकल विहीन बनाने के लिए परीक्षा केंद्रों के आस-पास की फोटो स्टेट दुकानें, मोबाइल शॉप सहित अन्य दुकानों को पहले ही बंद करा दिया गया था। परीक्षा केंद्रों पर व्यापक पुलिस बल तैनात किया गया था। पुलिस और अधिकारी परीक्षा के समय ड्यूटी पर मुस्तैद दिखाई दिए।

छात्रों का भविष्य संवारेंगे सेवानिवृत्त हो चुके शिक्षक

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- शिक्षकों को मिलेगा प्रतिमाह चार हजार रुपये मानदेय, समिति करेगी चयन

अमृत विचार : पढ़ाई छोड़ चुके बच्चों का भविष्य संवारने के लिए परिषदीय स्कूलों में सेवानिवृत्त शिक्षक रखे जाएंगे। इन शिक्षकों का चयन ब्लॉक स्तर पर बनी समिति द्वारा किया जाएगा। आउट ऑफ स्कूल के तहत 6 से 14 वर्ष के बच्चों को पढ़ाई करने के लिए रखे जाने वाले शिक्षकों को चार हजार रुपये मानदेय दिया जाएगा। इसको लेकर विभाग तैयारी कर रहा है।

परिषदीय स्कूलों में शारदा कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम के तहत छह से 14 वर्ष तक के चिन्हित कर आउट ऑफ स्कूल बच्चों के लिए विशेष प्रशिक्षण का आयोजन किया जाएगा। स्कूल छोड़ चुके इन बच्चों को स्कूल तक लाने के बाद नौ माह का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। यदि इसके बाद बच्चा अधिगम स्तर प्राप्त नहीं करता है तो ऐसी दशा में विशेष प्रशिक्षण की अवधि तीन माह और बढ़ाई जाएगी।

इन बच्चों को पढ़ाने के लिए सेवानिवृत्त शिक्षकों को मानदेय पर रखा जाएगा। जिस विद्यालय में पांच से अधिक आउट ऑफ स्कूल बच्चे होंगे वहां पर एक सेवानिवृत्त शिक्षक रखा जाएगा। एक स्कूल में दो सेवानिवृत्त शिक्षकों ने आवेदन किया तो जिसकी आयु कम होगी उसे प्राथमिकता देते हुए चयन किया जाएगा।

शिक्षकों का चयन विद्यालय प्रबंध समिति के माध्यम से होगा। इसके साथ ही आउट ऑफ स्कूल बच्चों को विशेष सामग्री भी उपलब्ध कराई जाएगी। विशेष सामग्री उपलब्ध कराने के लिए धनराशि विद्यालय प्रबंध समिति के खाते में भेजी जाएगी। विद्यालय प्रबंधन समिति के द्वारा ही शिक्षकों को भुगतान किया जाएगा। सेवानिवृत्त शिक्षकों का चयन करने के आदेश महानिदेशक स्कूल शिक्षा ने बीएसए ने दिए हैं। आदेश प्राप्त होने के बाद से विभाग शिक्षकों के चयन की तैयारी में लग गया है।

> आउट आफ स्कूल बच्चों को पढ़ाने के लिए सेवानिवृत्त शिक्षकों को रखा जाएगा। उनके चयन के लिए सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं।
> – वीरेंद्र कुमार सिंह, बीएसए

विद्यालयों के मर्ज करने के खिलाफ किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : शासन के परिषदीय विद्यालयों के मर्ज करने के विरोधी में आम आदमी पार्टी स्कूल बचाओ अभियान चला रही है। इसके अंतर्गत पार्टी के पदाधिकरियों और कार्यकर्ताओं ने विकास क्षेत्र अंबियापुर के परिषदीय विद्यालय जहानाबाद में ग्रामीणों के साथ प्रदर्शन किया। कहा कि विद्यालयों को मर्ज करने से ग्रामीण बच्चों की पढ़ाई में परेशानी आएगी।

पार्टी के जिलाध्यक्ष भूदेव सिंह ने विरोध प्रदर्शन के दौरान कहा कि राज्य सरकार ने 27 हजार शराब की दुकानें खोलकर 27 हजार सरकारी विद्यालय बंद किए हैं। आम आदमी पार्टी सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ नहीं होने देगी। पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने परिषदीय विद्यालय जहानाबाद पर शंख और थाली बजाई है। कहा कि पार्टी सरकारी विद्यालयों को बचाने की लड़ाई लड़ रही है, जबकि भाजपा स्कूल बंद करने में लगी है। साफ है कि सरकार की प्राथमिकता बच्चों की शिक्षा नहीं है। कहा कि यह सरकार बच्चों को अपनढ़ बनाना चाहती है। हाईकोर्ट की डबल बेंच ने उन स्कूलों को बंद करने की प्रक्रिया पर फिलहाल रोक लगा दी है, जिन पर अभी अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। लेकिन यह केवल आंशिक राहत है। अगर जनता की आवाज नहीं उठी तो सरकार दोबारा इन्हें बंद करने की कोशिश करेगी। बताया कि अगर शासन ने फरमान वापस नहीं लिया तो पार्टी दो अगस्त को लखनऊ के ईको गार्डन में स्कूल बचाओ आंदोलन करेगी। प्रदर्शन करने वालों में सोहन लाल, राजेश, राम किशोर, अशोक सिसोदिया, राकेश सोलंकी, आदित्य गुप्ता, अंकित ठाकुर आदि उपस्थित रहे।

बच्चों और ग्रामीणों के साथ प्रदर्शन करते आम आदमी पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता।

- विकास क्षेत्र अंबियापुर के परिषदीय विद्यालय जहानाबाद में ग्रामीणों के साथ किया प्रदर्शन
- आदेश वापस नहीं लेने पर 2 अगस्त को लखनऊ में आंदोलन करेगी आम आदमी पार्टी

विद्यालय में बच्चों ने शहीदों को किया नमन

बिल्सी, अमृत विचार : नगर स्थित फ्यूचर लीडर्स स्कूल में 26वां कारगिल विजय दिवस मनाया। बच्चों और शिक्षकों ने कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर जवानों की शहादत को याद करते उन्हें नमन किया गया। इस दौरान बच्चों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया। इसमें बच्चों ने बढ़चढ़ कर प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में विजेता रहे बच्चों को प्रोत्साहित किया गया।

विद्यालय के डायरेक्टर वीपी सिंह ने छात्रों को भारतीय सेना के शौर्य, वीरता और साहसपूर्ण कार्यों के बारे में जानकारी दी। विद्यालय प्रधानाचार्य रविन्द्र सिंह ने विद्यार्थियों को भविष्य में सेना के क्षेत्र में जाने का सुझाव प्रस्तुत किया। इस अवसर पर परमेंद्र सिंह, केशव शर्मा, राखी गुप्ता, रूबी मौर्य, मुनीश शर्मा, आकांक्षा गौतम सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

एबीवीपी के नगर अध्यक्ष बने प्रदीप

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की सहसवान नगर कार्यकारणी का नवीन गठन रविवार हो हुआ। निर्वाचन अधिकारी के रूप में एबीवीपी के विभाग संयोजक हरिमोहन सिंह पटेल रहे।

सहसवान नगर कार्यकारिणी के अध्यक्ष प्रदीप कुमार, विपिन कुमार, जितेंद्र यादव, गौरव सक्सेना, अमरपाल सिंह को नगर उपाध्यक्ष, संजीव सिंह को नगर मंत्री, अक्षत सक्सेना, अभय प्रताप, शिवम सिंह, हर्ष रिजोरिया, अखंड प्रताप को नगर सह मंत्री, मोहित कुमार को नगर आंदोलन प्रमुख, इंद्रेश कश्यप को नगर सह आंदोलन प्रमुख, शालेंद्र शर्मा को नगर सोशल मीडिया संयोजक, भुवनेश को सह सोशल मीडिया संयोजक, संतोष यादव को नगर मीडिया संयोजक, रवींद्र कुमार नगर सह मीडिया संयोजक, दिव्यांश पटेल को नगर खेलो भारत संयोजक, सचिन मिश्रा, निखिल बाल्मीकि को सह खेलो भारत संयोजक, कुलदीप शाक्य को नगर विक्सार्थ संयोजक बनाया गया। इसके अलावा आशीष कुमार, अर्जुन मौर्य, ऋषभ सक्सेना, आरव सिंह, टिंकू, राहुल, संजीव मौर्य आदि को भी जिम्मेदारी दी गई है। निर्वाचन अधिकारी ने नवीन कार्यकर्ताओं के मध्य संगठन के कार्य की चर्चा की। एबीवीपी विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है तो उसका श्रेय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं के निस्वार्थ कार्य और विद्यार्थी परिषद की शुद्ध कार्यपद्धिति को जाता है। विद्यार्थी परिषद एक मात्र छात्र संगठन है जो छात्रसंघ चुनाव के अलावा भी कॉलेज कैंपस में विद्यार्थियों की आवाज बनने का काम करता है।

नगर कार्यकारिणी के गठन के बाद मौजूद नवनिर्वाचित पदाधिकारी व अन्य।

- संगठन की सहसवान जिले की नगर कार्यकारिणी का गठन

एक दिन बारिश के बाद फिर से रूठा मौसम, धूप ने तपाया

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : बारिश न होने से रविवार को उमस भरी गर्मी ने परेशान किया। दिन में खिली धूप के चलते अधिकतम पारा 37 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से दो डिग्री अधिक रहा। न्यूनतम तापमान 29 डिग्री रहा जो सामान्य से तीन डिग्री अधिक रहा। इस दौरान उमस भरी गर्मी से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। सुबह से लेकर शाम तक हर जगह लोग उमस भरी गर्मी से लोग परेशान नजर आए।

दो दिन पूर्व देर शाम बारिश से मौसम खुशहाल हो गया था। लोगों ने गर्मी से राहत महसूस की थी। इसके बाद फिर से मौसम बदलाव देखा गया। दिन में खिल रही चिलचिलाती धूप परेशान कर रही है। सुबह से सूरज की किरणों शरीर में चुभने लगती हैं। दोपहर में लोग घरों से नहीं निकलते। रविवार को सुबह से खिली धूप की वजह से उमस अधिक बढ़ गई। जिससे लोगों के साथ पशु पक्षी तक व्याकुल हो उठे। पशु पक्षी पानी की तलाश में इधर उधर भटकते नजर आए। वहीं आम जनमानस गर्मी दूर करने का प्रयास करता रहा। लेकिन राहत नहीं मिली। दिन में खिली धूप की वजह से तापमान अधिकतम 37 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कृषि विभाग के अधिकारी सोमवार को बारिश होने की संभावना व्यक्त कर रहे हैं। सोमवार को चमक गरज के साथ बारिश हो सकती है।

ऊर्जा मंत्री की टिप्पणी पर एक मंच पर आए वैश्य समाज संगठन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के वैश्य समाज को लेकर टिप्पणी करने से क्षुब्ध वैश्य संगठनों और व्यापार मंडल के प्रतिनिधि एक मंच पर आ गए। उन्होंने एक लॉन में बैठक कर टिप्पणी का विरोध किया। बताया कि सोमवार को मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा जाएगा।

अंतर राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन, अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद, भारतीय वैश्य महासभा, वैश्य कुटुम्ब सेवा समिति, माहौर वैश्य सभा, कुमारतनय वैश्य सभा, वार्ष्णेय कल्याण समिति, अग्रवाल वैश्य सभा, रस्तोगी वैश्य सभा, माहेश्वरी वैश्य सभा और व्यापार मंडलों के प्रतिनिधि एक मंच पर आ गए।

ऊर्जा मंत्री की टिप्पणी को लेकर एकजुटता दिखाते वैश्य समाज के संगठनों के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

वैश्य प्रतिनिधि चंद्र प्रकाश गुप्ता ने कहा कि वैश्य समाज के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी ऊर्जा मंत्री की मानसिकता का परिचय दिया है। केबी गुप्ता ने कहा कि ऊर्जा मंत्री ने वैश्य समाज के खिलाफ घृणित टिप्पणी सोची समझी राजनीति के तहत की है। वह माफी मांगकर और खेद जताकर मामले को खत्म कर सकते हैं। नवनीत गुप्ता ने कहा कि ऊर्जा मंत्री का बयान बेहद आपत्तिजनक है। वैश्य समाज इसकी निंदा करता है। इस अमर्यादित बयान से वैश्य समाज को लेकर उनकी मानसिकता व सोच का पता चलता है। अरविंद गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री ने टिप्पणी का संज्ञान नहीं लिया तो वैश्य समाज सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगा। विरोध करने वालों में विनोद गुप्ता, शिवस्वरूप गुप्ता, राजेश गुप्ता, अमित वैश्य, अवधेश लड्ढा, अमित बंसल, दिनेश कुमार थापा, सुनील गुप्ता आदि लोग मौजूद रहे।

सांड़ से टकराई बाइक, दो लोग घायल

बिल्सी, अमृत विचार : बिजनौर-बदायूं हाईवे पर स्थित बरनी ढकपुरा मोड़ के निकट शनिवार की रात एक बाइक सांड़ से टकरा गई। इससे बाइक सवार दो लोग घायल हो गए। उनका उपचार निजी चिकित्सक के यहां चल रहा है। कोतवाली क्षेत्र के गांव खैरी निवासी शफी मोहम्मद और आमिर शनिवार की देर रात बाइक से बिल्सी से सामान खरीद कर वापस गांव को जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक हाइवे पर स्थित बरनी ढकपुरा मोड़ के निकट पंहुची। इस दौरान एक सांड़ खेत में बाहर निकल कर सड़क पर आ गया। इससे उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सांड से टकरा गई। इससे बाइक सवार लोग घायल हो गए। मौके पर पहुंचे परिजनों ने घायलों को इलाज के लिए निजी चिकित्सक यहां भर्ती कराया।

आवश्यकता है
● नर्स (Male/Female) (ANM/GNM) ● OT टेक्निशियन
● आयुर्वेदिक परिचारिका ● कम्प्यूटर ऑपरेटर
● वार्ड ब्वॉय ● स्टोर इंचार्ज ● कैंटीन कुक
रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल
सेक्टर-7, रामगंगा नगर योजना डोहरा रोड बरेली
मो: +91-8077808309, 9837357497

समस्या | दुर्गंध से लोग मुंह पर कपड़ा रखकर निकलने को मजबूर

सड़क किनारे लगे गंदगी के ढेर

संवाददाता, बिल्सी

अमृत विचार : नगर में रोडवेज बस स्टैंड बनकर तैयार हो नहीं पाया उससे पूर्व ही सड़क किराने गंदगी के ढेर लग गए हैं। गंदगी के ढेर से गर्मी में भीषण दुर्गंध उठ रही है। इससे लोगों को दिक्कत हो रही है। लोगों ने एसडीएम से गंदगी हटाने की मांग की है।

नगर में बन रहे रोडवेज बस स्टैंड का निर्माण लगभग हो चुका है। जल्द ही इसकी शुरुआत हो जाएगी। इसके बाद रोडवेज बसों का संचालन शुरू हो जाएगा। इससे नगर सहित आसपास क्षेत्र की जनता को दूसरे जनपदों के लिए आने-जाने में राहत मिलेगी, लेकिन उससे पूर्व ही पालिका कर्मचारियों ने रोडवेज बस स्टैंड के समीप सड़क किनारे कूड़ा डालने के लिए डंपिंग ग्राउंड बना दिया है। निर्माणाधीन रोडवेज बस स्टैंड के सामने सड़क किनारे कूड़े के ढेर लग गए हैं। उसमें से दुर्गंध आ रही है। कूड़े से आ रही दुर्गंध की वजह से लोग मुंह पर कपड़ा रखकर निकलते हैं। जल्द ही सड़क किनारे से कूड़े को नहीं हटाया गया तो संक्रामक रोग बढ़ने का खतरा उत्पन्न हो जाएगा।

लोगों ने एसडीएम से रोड किनारे से कूड़ा हटाने की मांग की है। ताकि लोगों को परेशानी से छुटकारा मिल सके।

नवीन रोडवेज बस स्टैंड के पास सड़क किनारे लगे गंदगी के ढेर। ● अमृत विचार

- रोडवेज बस स्टैंड के समीप सड़क किनारे कूड़ा डाल रहे कर्मचारी

किंग क्लब ने टूर्नामेंट की शील्ड पर किया कब्जा

संवाददाता, बिल्सी

अमृत विचार : अगोल रोड स्थित मैदान पर रविवार को एक दिवसीय जूनियर क्रिकेट टूर्नामेंट हुआ। इसका फाइनल मैच चौधरी क्लब और किंग क्लब की टीम के मध्य खेला गया। इसमें किंग क्लब ने छह विकेट से मैच जीतकर शील्ड पर अपना कब्जा कर लिया। विजेता और उपविजेता टीम को शील्ड देकर सम्मानित किया गया।

टूर्नामेंट में कुल छह टीमों ने हिस्सा लिया। सबसे पहले चौधरी क्लब के कप्तान सुमित कुमार ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। उनकी टीम ने निर्धारित 10 ओवर में 71 रन बनाए। इसमें कप्तान सुमित ने 20, अर्जुन ने 10, सोनू ने 11, आयन ने नौ और प्रयाग ने 13 रन बनाए। वहीं किंग क्रिकेट क्लब की ओर से गेंदबाजी करते हुए अरशान ने चार, कृष्णा ने एक विकेट लिया। इसके बाद 72 रनों का लक्ष्य लेकर मैदान पर उतरी किंग क्रिकेट क्लब ने बिना विकेट खोए लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया। बाबू ने 40 और कप्तान अजहर ने 32 रनों का पारी खेली। जिसमें बेहतरीन प्रदर्शन करने पर बाबू को मैन ऑफ द मैच दिया गया।

समापन पर आयोजक गौरव वार्ष्णेय ने विजेता और उपविजेता टीम को शील्ड देकर सम्मानित किया। टूर्नामेंट को सफल बनाने में इकरार अहमद, योगेश कुमार, विवेक कुमार, पवन शाक्य, आरके लक्ष्य, कृष्णा वार्ष्णेय, श्लोक शाक्य, कार्तिक आदि का विशेष सहयोग रहा।

विजेता टीम को शील्ड देते आयोजक।

ALNA Group of Institutions
Bring Out the Best in you
ADMISSION OPEN 2025-26
COURSE OFFERED
BAMS | B.Sc. Nur. | B.Tech.
B.Pharma | GNM | M.Tech.
D. Pharma | Polytechnic | M.B.A.
B.B.A. | B.C.A.
CALL US: 8937002800/8937002805
Campus : 13.5 Km. Bareilly-Delhi Highway,
Near Rubber Factory, Agras Road, Bareilly U.P. (243501)

अमृत विचार

बरेली, सोमवार, 28 जुलाई 2025

बदायूं

सोलर फर्टिलिटी क्लिनिक
30 वर्ष कार्यकाल
9000 से अधिक सफलता
महिला या पुरूष दोनों में संतानहीनता या सेक्स दुर्बलता की जांच व इलाज के लिए मिलें।
चिकित्सक

डॉ. वंदना संजीव
(MBBS, MD, MIAP)
Female Fertility and IUI Consultant
महिलाओं में हार्मोन्स विकार, अनियमित माहवारी, PCOS मोटापा, इन्फेक्शन बार बार होने वाले गर्भपात बंद नलियों या अंडों के न बनने जैसे संतानहीनता के समस्त कारणों की जांच व इलाज
जरूरी मामलों में दर्द रहित कृत्रिम गर्भाधान (IUI)
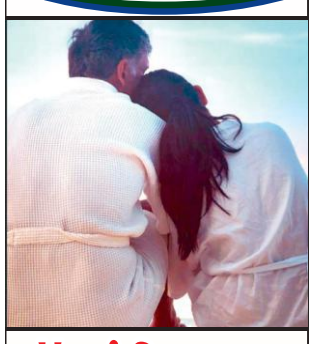
डॉ. संजीव कुमार
(MBBS, MD, MIAP)
Male Fertility and Sperm Biotech Specialist & Male/Female Sex Specialist
पुरूषों में शुक्राणु संबंधी सभी कमियों, निल शुक्राणु आदि की जांच व इलाज।
पुरूषों महिलाओं में सेक्स समस्याओं की वैज्ञानिक जांच व इलाज
निल शुक्राणु वाले लाइलाज मामलों में गर्भधारण हेतु शुक्राणु बैंक व कृतिम गर्भाधान की सुविधा
सम्पर्क
प्रातः 11 से 2 बजे
सायं 6 से 7 बजे
रविवार बन्द
सोलर फर्टिलिटी एवं सेक्स क्लीनिक
साकेत कॉलोनी, 148-सिविल लाइन्स, समीप एक्सिस बैंक व चौकी चौराहा, बरेली
मो. 9927788842
0581-2510177

बरेली-मथुरा हाईवे पर रहा शिव भक्तों का रैला, शिवमय हुआ शहर...हर ओर हर-हर महादेव की गूंज

शिव भक्तों ने शिवालयों में डाला डेरा, आज करेंगे जलाभिषेक

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : सावन के तीसरे सोमवार पर जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह दिख रहा है। गंगाजल से भोलेनाथ का अभिषेक करने के लिए रविवार को हजारों की संख्या में श्रद्धालु कछला से गंगाजल भरकर अपने गंतव्य ओर रवाना हुए। हाथ में तिरंगा और भगवा ध्वज लिए कांवड़िये शिव भक्ति में झूमते हुए आगे बढ़ रहे थे। इनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल रहे। जगह-जगह लगे सहायता शिविरों में कांवड़ियों की सेवा की गई। इधर, दूसरे सोमवार को हुए हादसों की वजह से पुलिस प्रशासन भी सतर्क रहा। दुर्घटना वाले प्वाइंट पर पुलिस बल तैनात रहा।

रविवार सुबह से ही बरेली, पीलीभीत व स्थानीय कांवड़ लाने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ दिखाई दी। सड़कों पर बाइकों और डीसीएम का रेला था। बाइकों पर तिरंगा व भगवा ध्वज लगे हुए थे तो वहीं डीसीएम में डीजे लगाए गए थे। डीजे पर भोले के भजनों की गूंज थी। अन्य जनपदों के कांवड़ियों की संख्या अधिक रही, जो झांकियों के साथ कांवड़ लेकर शहर से होकर अपने गंतव्य की ओर गए। कांवड़िये भगवा और पीले पीले रंग की पोशाकों में भोले की भक्ति में मस्त चल रहे थे। पैरों में घुंघरू, कांधे पर कांवड़ और होठों पर भोले के जयकारे थे। भोले के भक्तों की सेवा करने के लिए जगह जगह शिविर लगे हुए थे। उन पर ठहरने वाले कांवड़ियों की सेवा की गई।

पुलिस लाइन चौराहे से गुजरता कांवरियों का जत्था। ● अमृत विचार

कछला में गंगा स्नान के बाद कांवड़ भरते शिवभक्त। ● अमृत विचार

- सावन के तीसरे सोमवार को हजारों की संख्या में जल भर कर लौट रहे कांवड़िये
- प्रशासनिक अधिकारियों ने कछला गंगा घाट सहित कांड मार्ग का किया निरीक्षण

मंदिरों में की गई सुरक्षा व्यवस्था

शहर के बिरुआबाड़ी, हर प्रसाद और गौरी शंकर मंदिर में कांवड़ियों के पहुंचने का सिलसिला शाम से जारी रहा। कांवड़ियों की संख्या को देखते हुए मंदिर समिति द्वारा सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए। साथ ही पूजा अर्चना के दौरान लोगों को किसी प्रकार की दिक्कत न होने पाए इसके लिए बैरिकेडिंग की गई है। लोगों को कतारबद्ध कर पूजा अर्चना के लिए मौका दिया जाएगा।

हजारों की भीड़ के चलते चरमराई यातायात व्यवस्था

कछला से जल लेकर आने वाले शिवभक्तों में अब डाक कांवड़ियों की संख्या बढ़ी है। रविवार को डाक कांवड़ियों का सैलाब रहा। जिसके बरेली मथुरा राजमार्ग पर दिनभर जाम जैसी स्थिति रही। जाम के कारण वाहन चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। कछला से लेकर शहर तक मार्ग के दोनों और कांवड़ियों का कब्जा होने के कारण आम लोगों को परेशानी हुई। राजमार्ग जाम से जूझता रहा।

भंडारा कर कांवड़ियों को कराया भोजन

बिल्सी, अमृत विचार: कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरीके से सतर्क रहा। कछला से जल भरकर लौट रहे कांवड़ियों को कई स्थानों पर जलपान की व्यवस्था की गई। सावन माह के तीसरे सोमवार को लेकर जल भरने के लिए कांवड़ियों की भीड़ उमड़ रही है।

जल भरने के लिए कांवड़िये कछला गंगा घाट जा रहे हैं और कुछ कांवड़िए जल भरकर वापस लौट रहे हैं। कछला-शाहाबाद हाईवे पर कई स्थानों पर भंडारे का आयोजन किया। अंबियापुर चौराहा पर समाजसेवी मृदुल शर्मा और पूर्व पालिकाध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय, बदायूं चौराहे पर भारतीय हलधर किसान यूनियन की ओर से, अरविंद कोल्ड स्टोर के निकट बबलू ठाकुर, मुख्य बाजार में गल्ला व्यापारी गौरव वार्ष्णेय व मिश्रीपुर मुकईया पुल बने मंदिर पर नगर पालिका के वरिष्ठ लिपिक राजीव शर्मा ने भंडारा कराया।

20 साल से दूषित पानी का दंश झेल रहे लोग

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- समस्या के निस्तारण को एक माह से कर रहे अनशन

अमृत विचार : गांव नरुउ के लोग पिछले 20 साल से दूषित पानी का दंश झेल रहे हैं, लेकिन नगर पालिका प्रशासन नगर से निकलने वाले दूषित पानी का प्रवाह नहीं रोक रहा है। इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए ग्रामीण एक माह से अधिक समय से अनशन कर रहे हैं। लेकिन प्रशासन ग्रामीणों की ओर ध्यान नहीं दे रहा है।

ग्रामीणों को 36वें दिन रविवार को भी अनशन जारी रहा। अनशन पर गांव निवासी मुन्ना लाल जाटव, धर्मपाल जाटव, राजाराम जाटव, तिलक चंद्र जाटव, और फूल सिंह जाटव बैठे। शाम को जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष ओमकार सिंह, जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव डॉ. राम रतन पटेल सहित अन्य नेताओं ने ग्रामीणों का अनशन तुड़वाया। उनके स्थान पर अन्य ग्रामीण अनशन पर बैठ गए। यह ग्रामीण रातभर अनशन पर रहेंगे। यह क्रम एक माह से चल रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक उनकी समस्या का समाधान नहीं हो जाता तब तक अनशन जारी रहेगा। धरना स्थल पर तिलक चंद, सुखराम शैलेंद्र कुमार, लाली सिंह, राजकुमार प्रभु दयाल, ओमेंद्र, विपिन, रोहित जगपाल, गोपी राघव सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

पति की दीर्घायु के लिए महिलाओं ने रखा व्रत

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया हरियाली तीज का त्योहार, विवाहिताओं ने की महागौरी की पूजा- अर्चना

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- महिलाओं ने हाथों पर लगाई मेंहदी, झूला झूलकर लिया आनंद
- शहर से लेकर नगर और कस्बों में घर-घर बने स्वादिष्ट पकवान

अमृत विचार : शहर सहित जनपद भर में रविवार को हरियाली तीज का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। महिलाओं ने पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखा। इसके बाद महागौरी की पूजा की। महिलाओं ने सुंदर वस्त्र पहने और सोलह श्रृंगार किया। इसके बाद गौरी शंकर की पूजा कर मन्नत मांगी। शादी के बाद पहली बार हरियाली तीज का त्योहार मनाने वाली महिलाओं ने पहले से खास तैयारी कर रखी थी। त्योहार पर माता आदि शक्ति मंदिर के पास मेला लगा। वहां पर पेड़ों पर रस्सी डालकर झूला झूला।

जिले भर में हरियाली तीज का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। रविवार को सावन माह की शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर हरियाली तीज को लेकर चहुंओर हरियाली धूम रही। हरियाली तीज पर्व पर पति की दीर्घ आयु के लिए महिलाओं ने व्रत रखा। हरे परिधानों में 16 श्रृंगार करके भगवान शिव-पार्वती का पूजन किया। साथ ही श्रृंगार की वस्तुएं दान की। तीज की कथा कह कर पति की दीर्घायु की कामना की। इधर, शहर के मंदिरों में महिलाओं ने पहुंचकर पूजा अर्चना की। भगवान शिव और माता पार्वती को घेवर और फेनी का विशेष भोग लगाया। जगह-जगह सुहागिन महिलाओं ने सावन के गीत और मल्हार गए। झूला झूलकर हरियाली तीज का आनंद लिया। महिलाओं में उत्सव को लेकर गजब का उत्साह दिखाई दिया। विभिन्न रंग एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। शहर के साथ देहात क्षेत्र में भी त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

हरियाली तीज मनाती महिलाएं। ● अमृत विचार

मेहंदी प्रतियोगिता में माही कश्यप प्रथम

दातागंज, अमृत विचार : नगर पालिका परिषद के सौजन्य से हरियाली तीज के उपलक्ष्य में मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसमें माही कश्यप ने पहला, प्रज्ञा मिश्रा ने दूसरा, प्रियंका ने तीसरा और नंदिनी ने चौथा स्थान प्राप्त किया। पहले स्थान वाले को 3100, दूसरे स्थान वाले को 2100, तीसरे व चौथे स्थान वाले को 500-500 रुपये का इनाम दिया गया। महिलाओं के लिए झूले का इंतजाम किया गया था। रासलीला हुई। चेयरमैन नैना गुप्ता ने बताया कि इस प्रकार के आयोजनों से हमारी सांस्कृतिक विरासत जीवित रहेगी और लोग मेंहदी कंपटीशन में हर बार ज्यादा से ज्यादा प्रतिभाग करेंगे। चेयरमैन पति अनूप गुप्ता आदि मौजूद रहे।

महिलाओं ने हाथ में लगाई मेहंदी। ● अमृत विचार

SEXOLOGIST
आखिर कब तक शर्माते रहोगे

हर उम्र में जबरदस्त
ताकत व रुकावट
प्राप्त करें
शीघ्रपतन, शुक्राणुओं की कमी
मैं नीरज कुमार, आंवला निवासी हूं मैनें बचपन में अपने हाथों से अपना जीवन खराब कर लिया था काफी जगह ईलाज कराया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ फिर मेरे दोस्त ने डा. शेख के बारे में बताया वहां मैनें 40 दिन ईलाज कराया आज में पूरी तरह अपने वैवाहिक जीवन का आनंद उठा रहा हूं अगर आप भी नामर्दी, घात, स्वप्नदोष, शीघ्रपतन जैसी बिमारियों से परेशान हैं तो डाक्टर शेख से मिलकर बिमारियों से छुटकारा पायें।
मैं अकील खान, शाहजहांपुर निवासी हूं मुझे शीघ्रपतन की बिमारी थी। काफी नीम हकीमों से ईलाज कराया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ मैं इस बिमारी के कारण अपनी घरवाली से भी आंख नहीं मिला पाता था। क्योंकि सेक्स के समय मेरा वीर्य एक या दो मिनट में ही निकल जाता था जिस कारण घरवाली संतुष्ट नहीं हो पाती थी। फिर मैंने डा.शेख से सम्पर्क किया आज मैं पूरी तरीके से ठीक हूं मेरा टाईम तकरीबन 15 से 20 मिनट बढ गया है।
मैं सतीस, उम्र 55 साल है मैं पीलीभीत निवासी हूं मुझे डायबिटीज है। डायबिटीज के कारण मेरा सेक्स पूरी तरह से खत्म हो गया था काफी ईलाज कराया कोई फायदा नहीं हुआ फिर मैं डा. शेख से मिला। डा.शेख ने शुगर के साथ मुझे मर्दाना कमजोरी की दवा भी दी। आज मेरी शुगर भी कंट्रोल है और मर्दाना ताकत भी पुनः वापस आ गई है। आज मैं फिर से जवान हो गया हूं।
क्या आप यौन समस्याओं से परेशान हैं और इधर उधर ईलाज कराकर थक चूके हैं और इन बिमारियों को लाईलाज समझ चूके हैं जैसे नामर्दी, घात, शीघ्रपतन, शुक्राणुओं की कमी, माहवारी का कम या ज्यादा आना, स्तनों का बैडोल होना, जोडों का दर्द, शुगर, पेट रोग, किडनी रोग, हृदय रोग, निःसंतान दम्पति डा. शेख से सम्पर्क करें। डा. शेख के नाम से हिन्दुस्तान में 50 दवाखाने चल रहे हैं डा.शेख अपने मरीजों के लिये दवायें खुद तैयार करते हैं दवायें सहार हर्बल फार्मेसी में तैयार की जाती है। दवायें देश विदेश में लाखों मरीजों पर आजमाई हुई हैं। डा.शेख को अच्छे ईलाज के लिए अनेकों अवार्ड मिल चूके है जैसे Gold Medelist, Best Sexologist in India, Pride of Country, Kohinoor A Tibb, Chikitasak Ratan, Asia's Best Sexual Health Clinic
भारत प्रसिद्ध YouTube पर Search करें गोल्ड मेडेलिस्ट
डा.शेख
Best Sexologist in india आयुर्वेदा
मिलें हर मंगलवार
ईसाईयों की पुलिया बरेली
निकट सैटेलाईट बस स्टैण्ड
9837023223

लापरवाही: कावंड़ मार्ग पर दौड़ रही रोडवेज बसे

संवाददाता, उझानी

अमृत विचार : कांवड़ यात्रा के मद्देनजर प्रशासन ने भारी व हल्के वाहनों का बरेली मथुरा हाईवे पर गुजरने के लिए प्रतिबंधित किया हुआ है। रोडवेज बसों के साथ अन्य वाहनों को पुलिस प्रशासन की ओर से रूट निर्धारित कर रखा है। इसके बाद भी रोडवेज बसें कांवड़ मार्ग पर दौड़ रही हैं। रोडवेज बसों के संचालन से हादसे का अंदेशा बना हुआ है।

बरेली मथुरा हाईवे पर भारी वाहनों के आने जाने पर प्रशासन ने रोक लगा रखी है। छोटे बड़े सभी वाहनों के लिए का रूट निर्धारित किया है। वाहनों को आने जाने के लिए रोडवेज बस स्टैण्ड से खेड़ा नवादा चौकी से बिसौली-सहसवान-गुन्नौर-नरौरा- आलीगढ़ होते हुए अपने गन्तव्य पर भेजने के दिशा निर्देश हैं, लेकिन पुलिस प्रशासन की अनदेखी के कारण नगर के कांवड़ मार्ग महाराणा प्रताप चौक पर रविवार को कौशांबी डिपो की बस दौड रही थी। बदायूं से चलकर दिल्ली आनंद विहार को जाने वाली रोडवेज बस में सवारी भरी थीं। महाराणा प्रताप चौक के कई लोगों ने बताया शनिवार रात में भी रोडवेज बस से यहां से गुजरी है। लोगों का कहना है कि प्रशासन को रूट डायवर्जन कड़ाई से कराना चाहिए। अगर किसी भी बस की चपेट में कोई कांवड़िया आ जाता है तो प्रशासन को हालात संभालने में बहुत परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कांवड़ मार्ग पर दौड़ती रोडवेज बस।

कांवड़ सेवा शिविर लगाकर भंडारे का किया आयोजन

शिविर में दातागंज विधायक राजीव कुमार सिंह व अन्य। ● अमृत विचार

बदायूं, अमृत विचार : अलापुर की पुलिस चौकी म्याऊं पर कांवड़ सेवा शिविर लगाकर भंडारे का आयोजन किया गया। दातागंज विधायक राजीव कुमार सिंह, भाजपा के जिला महामंत्री शारदा कांत पाठक ने म्याऊं पुलिस चौकी पर कांवड़ियों को प्रसाद वितरित किया। अखिलेश गुप्ता, पंकज पाठक, राजीव यादव, रवि, भारद्वाज, अमन भारद्वाज, रवि प्रताप सिंह ने भी सहयोग किया। सीओ दातागंज केके तिवारी, ओमेंद्र प्रताप सिंह, अमर सिंह, जितेंद्र सिंह, टिंकू, अनुरोध गुप्ता, गोविंद गुप्ता, प्रमोद सागर, सुनील सागर आदि लोग उपस्थित रहे।

हरियाली तीज पर किया पौधरोपण

दबतोरी, अमृत विचार : हरियाली तीज और कारगिल शहीद दिवस पर गांव के लोगों ने पौधे लगाए। साथ ही लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कहा कि हरियाली तीज का अर्थ यही है कि पृथ्वी को हरा भरा रखा जाए। इस मौके पर अरविंद कुमार सिंह, अगम मिश्रा, विशु मिश्रा, दुर्गपाल सिंह आदि उपस्थित रहे।

बदायूं डायरी

कांवड़ियों के साथ चलती झांकी के कलाकार।

किन्नरों ने कांवड़ियों को कराया भोजन

उसहैत, अमृत विचार : नैना किन्नर की टीम ने सैकड़ों कावड़ियों के भोजन के लिए भंडारे का आयोजन किया। इस दौरान थाना अध्यक्ष विक्रम सिंह पुलिस बल के साथ गंगा घाटों का भ्रमण करते रहे। वहीं समाज सेवी अमरजीत भारद्वाज, अमित गुप्ता, पप्पू भारद्वाज, छवी गुप्ता, संदीप गुप्ता ने भी कांवड़ियों को भोजन कराया।

भंडारे का फीता काटते सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता।

कांवड़ियों को कराया भंडारा

कुंवर गांव, अमृत विचार : सावन के पवित्र माह में हजारों श्रद्धालु कछला गंगा घाट से गंगाजल और कांवड़ लेकर भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए नगर से होकर शिव धाम की ओर जा रहे हैं। पुलिस थाना प्रभारी व मुख्य अतिथि रहे महेश चंद्र गुप्ता ने कांवड़ियों के बीच भोजन का वितरण किया। इससे पूर्व भंडारे को सदर विधायक ने फीता काटकर आरंभ कराया। कांवड़ियों के बीच सब्जी-पूड़ी और सूजी का हलुआ का वितरित किया। एसपी सिटी विजेंद्र द्विवेदी, सीओ सिटी रजनीश उपाध्याय आदि उपस्थित रहे।

टूटी हुई सड़क से गुजर कर जाते कावड़िया। अमृत विचार

टूटी सड़क पर गुजरे कांवड़िये

उझानी, अमृत विचार : नवीन मंडी के सामने कई माह से सड़क टूटी हुई है। इसे लोक निर्माण विभाग ने सही नहीं कराया। टूटी सड़क में गंदा पानी भर गया है। इस टूटी सड़क के बीच से कांवड़िये गुजरे जिससे उन्हें परेशानी हुई। मंडी समिति गेट के पास सड़क टूटी हुई है। इसमें बारिश का गंगा पानी भर हुआ है। शासन के आदेश पर भी सड़कों को ठीक नहीं कराया गया। रविवार को हजारों की संख्या में कांवड़िया इस टूटी हुई सड़क के बीच से गुजरे। पैदल जा रहे कांवड़ियों को टूटी हुई सड़क से गुजरना पड़ रहा है।

नगला मंदिर पर लगे मेले में लिया आनंद

बदायूं, अमृत विचार : हरियाली तीज पर मां काली के मंदिर के समीप मैदान में मेला लगा। जिसमें लोगों की खासी भीड़ रही। महिलाओं ने मेला ने लगी दुकानों से वस्तुए खरीदीं। वहीं बच्चों ने झूला झूल कर कर आनन्द लिया। मेला में महिलाओं की सुरक्षा को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा।

हरियाली तीज पर लगे मेला में झूला झूलते बच्चे।

ब्रीफ न्यूज

ससुराल जाते समय रास्ते में गिरी पिस्टल

बदायूं, अमृत विचार : अलापुर थाना क्षेत्र के कस्बा सखानू निवासी दिनेश कुमार शाक्य पुत्र बाबू राम शाक्य ने पुलिस को बताया कि वह अपनी स्कूटी से पुलिस लाइन से जालंधरी सराय में जा रहे थे। उन्होंने अपनी कमर की बेल्ट पर अपनी लाइसेंसी पिस्टल लगाई थी। रास्ते में ओवरब्रिज के पास कांवड़ियों की ज्यादा भीड़ थी तो वह नीचे से गुजरे। जहां उनकी पिस्टल कहीं गिर गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर ली है।

ड्रोन का वीडियो वायरल

बीसलपुर, अमृत विचार: चोरी और लूट की घटनाओं के बीच ग्रामीण अंचलों में ड्रोन का शोर मचा है। ड्रोन उड़ने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस पड़ताल में जुट गई है। बताते हैं कि शनिवार रात करीब एक बजे ग्राम सादियां के ग्रमीणों ने लाल व हरे रंग की रोशनी देखी। इसके बाद बदमाशों द्वारा ड्रोन उड़ाने का शोर मच गया। देर रात तक ग्रामीण जागकर रखवाली करने में जुटे रहे। मोहल्ला ग्यासपुर में एक युवक ने माइक से चोरों द्वारा ड्रोन उड़ाने का अनाउंसमेंट किया।

दातागंज, कादरचौक, उसहैत व दबतोरी में दिखे ड्रोन

ग्रामीणों की उड़ी नींद, लाठी-डंडे लेकर पहरा देने को मजबूर, पुलिस ने गांव जाकर किया आह्वान-अफवाह पर न दें ध्यान

संवाददाता, उघैती

अमृत विचार : मुरादाबाद और संभल क्षेत्र से हुई रात में ड्रोन जैसी किसी चीज की दहशत लगातार बढ़ती जा रही है। शनिवार रात दातागंज, कादरचौक, दबतोरी, उघैती आदि क्षेत्र के अलग-अलग गांवों के ऊपर ड्रोन उड़े। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। ड्रोन का पीछा भी किया, लेकिन ड्रोन गायब हो गए। तकरीबन सप्ताह भर से ड्रोन उड़ने के बाद भी पुलिस अभी तक खाली हाथ है। अभी तक यह भी पता नहीं चल पाया है कि यह ड्रोन कौन और क्यों उड़ा रहा है।

शनिवार रात कई क्षेत्र में ड्रोन जैसी कोई चीज दिखने पर रविवार को पूरा दिन तरह-तरह की चर्चा रही। इसके चलते पुलिस विभाग को अफवाह पर ध्यान न देने का आह्वान करना पड़ा। कहा कि कुछ दिनों से कुछ जगहों पर ड्रोन से संबंधित अफवाह फैलाई जा रही है। पुलिस की ओर से अब तक कराई गई जांच में ड्रोन की सूचना झूठी मिली है। अगर कहीं ड्रोन दिखने जैसी अफवाह फैलाई जाती है तो उसकी सूचना अपने क्षेत्र के थाने पर, डायल 112 या जिला नियंत्रण कक्ष के नंबर 9454402956 पर सूचना दें। कानून व्यवस्था अपने हाथ में न लें। किसी के बहकावे में आकर गलत कदम न उठाएं। कानून व्यवस्था हाथ में लेने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

गुरुवार शाम लगभग 7 बजे से रात 11 बजे तक ड्रोन देखे गए थे। ड्रोन काफी नीचे उड़ रहे थे। क्षेत्र में यह सिलसिला लगातार जारी है। इससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। अभी तक ड्रोन की हकीकत सामने नहीं आई है।
– बृजेश कुमार

रात में छत पर सोकर उठे तो आसमान में कई ड्रोन नजर आए थे। रात होते हुए अपने आप ही आसमान की ओर निगाह चली जाती है। ड्रोन की हकीकत सामने आने तक किसी भी ग्रामीण को चैन की नींद नहीं आएगी।
– सुरेश सिंह

बुधवार की रात आसमान में ड्रोन नजर आए थे। फिर अगले दिन ड्रोन नहीं दिखे। जिसके बाद अब फिर से ड्रोन के डर का साया है। शनिवार रात तीन बजे तक ड्रोन उड़ते नजर आए थे। प्रशासन को जांच तेज करनी चाहिए।
– जोगेंद्र यादव

रामपुर, मुरादाबाद, संभल, अमरोहा के बाद अब बदायूं जिले में लगातार ड्रोन देखे जा रहे हैं। दिन ढलते ही ग्रामीणों को डर सताता रहता है। ड्रोन की सच्चाई जल्द ही सामने आए तो लोगों को बहुत सुकून मिलेगा।
– खुर्शीद अली

रात 12 बजे तक आसमान में दिखती रही रोशनी, ग्रामीणों में बैठी दहशत

कादरचौक, अमृत विचार : कादरचौक थाना क्षेत्र के गांव बेहटा डंबर, मोहम्मदगंज क्षेत्र में ड्रोन की दहशत रही। घरों पर बच्चे और महिलाएं बहुत डरे हुए हैं। शनिवार रात 12 बजे तक गांवों के ऊपर रोशनी होती रही। ग्रामीणों को लगा कि वह ड्रोन है। गांव में ड्रोन का शोर मचा तो ग्रामीण अपने घरों से बाहर निकल आए। रात भर जागते रहे। मोहम्मदगंज चौकी इंचार्ज संजीव कुमार ने कहा कि ड्रोन नहीं है। किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें।

उघैती क्षेत्र में रात 12 से सुबह 4 बजे तक दिखे ड्रोन

थाना उघैती क्षेत्र के गांवों के ऊपर ड्रोन उड़ने की वजह से लोग जगराता करने को मजबूर हैं। रात भर डर के साये में जी रहे हैं। तो कोई घर के बाहर गली में बैठकर पहरेदारी कर रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि आधी रात को गांव के ऊपर से आधा दर्जन ड्रोन घूमते रहते हैं। इसकी वजह से ग्रामीण डरे हुए हैं। रात होते हुए आखें आसमान की ओर निहारती रहती हैं। लोगों का कहना है कि पूरे जिले के गांवों में ड्रोन उड़ाया जाना किसी बड़ी घटना कारित करने के लिए तो नहीं किया जा रहा। गांव महानगर मेवली के ग्रामीणों ने ड्रोन देखे। वहीं कस्बा उघैती के मोहल्ला नई बस्ती के लोगों ने ड्रोन देखने पर पुलिस को सूचित किया। फिर गली और छतों पर जाकर बैठ गए। शनिवार रात 12 बजे से सुबह 4 बजे तक ड्रोन देखे गए।

ड्रोन की वजह से छत पर बैठा रहा परिवार, हो गई चोरी

कुंवरगांव, अमृत विचार : कुंवरगांव थाना क्षेत्र के गांव बल्लिया में ग्रामीण रात रातभर नहीं सो रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार शनिवार रात लगभग 12 बजे गांव में एक दर्जन ड्रोन गांव के ऊपर उड़ते रहे। ग्रामीण लाठी-डंडे लेकर बाहर निकल आए और पहरेदारी करने लगे। गांव के सुखपाल का परिवार भी ड्रोन की अफवाह के चलते छत पर बैठा रहा। चर्चा है कि नीचे उनके घर में चोर घुस गए और सोने चांदी के जेवर आदि समेट ले गए। ग्रामीणों ने पुलिस को फोन किया तो डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंच गई। लेकिन चोरों का कहीं पता नहीं चला और न ही ड्रोन जेसी कोई वस्तु मिली। प्रभारी निरीक्षक वेदपाल सिंह ने बताया कि थाने पर सूचना नहीं आई थी। लोग अफवाह पर ध्यान न दें। कहीं कोई ड्रोन नहीं है।

अनजान लोगों को देखा तो लाठी-डंडे लेकर पहुंचे

ओरछी, अमृत विचार : थाना फैजगंज बेहटा क्षेत्र में शनिवार की रात गांव सिसरका में ड्रोन उड़े तो लोग छत और गली में पहुंच गए। वहीं लोगों ने जंगलों में कुछ अनजान लोगों को भी देखा। गांव में हल्ला मच गया। ग्रामीण लाठी-डंडे लेकर जंगल में पहुंच गए। आसफपुर मार्ग पर अनजान लोगों की तलाश शुरू की, लेकिन कई घंटों के बाद भी कुछ पता नहीं चल सका। पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र के गांव ओरछी, परमानंदपुर, भवानीपुर, सुरेनी पापड़ी, खेड़ादास, बझेड़ा आदि गांवों में ड्रोन दिखने से ग्रामीण परेशान हैं। ग्रामीण दिन पर खेत पर काम करते हैं और रात को डर के साये में जागते रहते हैं।

शटडाउन बोलकर भेजा, करंट से झुलस गया युवक

उघैती, अमृत विचार : उघैती क्षेत्र गांव टिटौली निवासी तिलक सिंह पुत्र रामपाल गांव नगला जाटव निवासी लाइनमैन पदम सिंह के साथ विद्युत उपकेंद्र पर काम करते थे। गांव में बिजली की समस्या होने पर वह पदम सिंह से बोलकर शटडाउन लेकर तार जोड़ते थे। शनिवार शाम लगभग साढ़े 6 बजे पदम सिंह ने गांव कनगवा में रामजीमल के ट्यूबवैल का तार जोड़ने के लिए फोन किया और कहा कि शटडाउन ले लिया है। तार जोड़ देना। तिलक सिंह तार सही करने के लिए ऊपर चढ़ गए। इसी दौरान उन्हें करंट लग गया। वह गंभीर रूप से झुलस गए और जमीन पर जा गिरे।

गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर परिजन पहुंचे। झुलसे युवक को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। उनके बेटे सुमित ने पदम सिंह के खिलाफ तहरीर दी है। कहा कि उन्होंने जानबूझकर झूठ बोलकर तिलक सिंह को तार सही करने को भेज दिया।

सड़क हादसों में दो लोगों की मौत

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : ममेरे भाई के साथ मौसी के घर जा रहे शाहजहांपुर के युवक की बाइक को ऑटो ने टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया।

शाहजहांपुर के गांव भुड़ेली निवासी सुधीर (22) हरियाणा में रहकर मजदूरी करते थे। वह अपने ममेरे भाई हिमांशु (17) के साथ बाइक से कोतवाली बिसौली क्षेत्र के गांव मई बसई में अपनी मौसी के घर जा रहे थे। मुरादाबाद-फर्रुखाबाद राजमार्ग पर वजीरगंज थाना क्षेत्र के कस्बा सैदपुर में सामने से तेज रफ्तार से आए ऑटो ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए।

पिकअप की टक्कर से संभल के युवक की मौत

बदायूं, अमृत विचार : पिकअप की टक्कर से बाइक सवार संभल के युवक की मौत हो गई, जबकि उसका भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। मौत के बाद परिजनों में कोहराम मचा है। संभल की कोतवाली चंदौसी क्षेत्र के गांव चमरपुरा निवासी गोपाल (26) प्लंबर का काम करके परिवार का पालन पोषण करते थे। वह अपनी पत्नी सुमन, तीन साल की बेटी रितिका, आठ महीने के बेटे शिवांश और सात साल के भतीजे अभी के साथ बाइक से बरेली के आंवला स्थित मनोना धाम के खाटू श्याम मंदिर पर दर्शन करने जा रहे थे। थाना वजीरगंज क्षेत्र के गांव पेपल के पास सामने से तेज रफ्तार से आई पिकअप ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। बाइक सवार गोपाल और अभी गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को अस्पताल ले जाया गया। यहां चिकित्सक ने गोपाल को मृत घोषित कर दिया। अभी को अस्पताल में भर्ती किया गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

- मुरादाबाद-फर्रूखाबाद राजमार्ग पर वजीरगंज में हुआ हादसा

राहगीरों की सूचना पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। घायलों को सैदपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। यहां चिकित्सक ने सुधीर को मृत घोषित कर दिया।

घायल हिमांशु को भर्ती किया गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने बाइक को टक्कर मारने वाले ऑटो की तलाश शुरू कर दी है। राजमार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक की जा रही है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

गंगा जल लेने गए कांवड़िये का रेलवे लाइन पर मिला शव

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- ग्रामीणों संग ट्रैक्टर-ट्रॉली से उझानी के भागीरथी घाट गए थे
- रास्ते में साथियों से अलग हो गए सुबह लोगों ने देखा शव

अमृत विचार : कोतवाली उझानी क्षेत्र में कछला स्थित रेलवे स्टेशन के पास रेलवे लाइन पर कांवड़िये का शव मिला। परिजनों ने अनहोनी की आशंका जताई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस का कहना है कि परिजन की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

दातागंज कोतवाली क्षेत्र के गांव अढ़ौली निवासी दर्जनों ग्रामीण शनिवार रात गंगा जल लेने लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली से उझानी क्षेत्र स्थित भागीरथी घाट गए थे। गांव निवासी राहुल (32) भी साथ में थे। रात में राहुल ग्रामीणों से अलग हो गए थे। रविवार सुबह उनका शव रेलवे लाइन पर पड़ा मिला। लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस की सूचना पर राहुल के परिजन पहुंचे। परिजनों ने बताया कि राहुल अपनी छह बहनों के इकलौते भाई थे।

वह नोएडा में रहकर सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करते थे। साथ ही प्रधान चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे। वह शनिवार को ही नोएडा से घर आए थे। फिर ग्रामीणों के साथ गंगा जल लेने के लिए चले गए। उन्हें शाहजहांपुर स्थित पटना देवकली मंदिर पर जलाभिषेक करना था। परिजनों ने अनहोनी की आशंका जताई। परिजनों की ओर से तहरीर नहीं दी गई है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है।

दुकान पर गाली गलौज, पथराव में तीन लोग घायल

उसहैत, अमृत विचार : दुकान पर गाली गलौज के बाद दो पक्षों में विवाद हो गया। देखते ही देखते पथराव हो गया। इसमें तीन लोग घायल हो गए।

थाना उसहैत क्षेत्र के गांव नसीरनगर में परचून की दुकान पर गाली-गलौज और पत्थरबाजी हुई। जिसमें तीन लोग घायल हो गए। दोनों पक्ष ने तहरीर दी है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। रविवार रात गांव निवासी युवक परचून की दुकान पर पहुंचा। दुकान मालिक के भाई के साथ गाली-गलौज करने लगा। दोनों पक्ष में मारपीट होने लगी।

फिर पथराव शुरू हो गया। मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पत्थर लगने से एक पक्ष की महिला समेत दो लोग और दूसरे पक्ष का एक युवक घायल हो गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म करने वाले आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता, विजय नगला

अमृत विचार : किशोरी को उसके रिश्तेदार ने मिलने के लिए एक स्थान पर बुलाया। यहां गांव के युवक मौके पर पहुंच गए। आरोप है कि किशोरी को धमकाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। आरोपी प्रेमी समेत चार युवक मौके से भाग गए। किशोरी अपने घर पहुंची और परिजनों को आपबीती बताई। किशोरी के पिता उसे लेकर थाने पहुंचे और तहरीर दी। पुलिस ने आरोपी पीलीभीत निवासी करण, विजय नगला निवासी रविंद्र, सोनू और गांव के अन्य युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके पीड़िता को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा। आरोपियों की तलाश में दबिश दी। पुलिस ने आरोपी करण, रविंद्र और सोनू को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया। थाना प्रभारी अशोक कुमार कंबोज ने बताया कि तहरीर प्राप्त होने के बाद रिपोर्ट दर्ज की गई थी। तीन आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल भेजा गया है।

विदेश से संगठन की पोस्ट पर की आपत्तिजनक टिप्पणी

संवाददाता, पूरनपुर

अमृत विचार: सोशल मीडिया पर एक संगठन का प्रचार प्रसार करने पर दूसरे समुदाय को तीन युवकों ने भगवान श्रीराम और संगठन को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की। बताते हैं कि टिप्पणी करने वाला युवक वर्तमान में विदेश में है। टिप्पणी किए जाने से संगठन के कार्यकर्ताओं में नाराजगी है। जिलाध्यक्ष ने माहौल खराब करने की आशंका जताते हुए टिप्पणी करने वाले पर कार्रवाई की मांग की है। वहीं पुलिस ने जांच कर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

बता दें कि भारतीय बजरंग दल आगामी 4 अगस्त को बाइक जलाभिषेक यात्रा निकालने जा रहा है। इसको लेकर संगठन से जुड़े लोग सोशल मीडिया पर प्रचार प्रसार कर रहे हैं। संगठन के पदाधिकारियों के प्रचार प्रसार करने की एक पोस्ट सोशल मीडिया पर की गई।

इस पर दूसरे समुदाय के तीन युवकों ने आपत्तिजनक टिप्पणी की। इससे कार्यकर्ताओं में नाराजगी है। शिकायत पुलिस अधीक्षक से की गई। जिलाध्यक्ष संजय मिश्रा ने कोतवाली पुलिस को तहरीर दी है, जिसमें युवकों पर यात्रा के दौरान माहौल खराब करने की आशंका जताई है। आरोपी शेरपुरकलां के रहने वाले हैं। बताया कि इसमें से दो युवक वर्तमान में बहरीन और सऊदी अरब में हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हरिद्वार : भगदड़ में दंपती की मौत, गांव में मातम

संवाददाता, दातागंज

अमृत विचार : हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में करंट की अफवाह पर मची भगदड़ में कोतवाली दातागंज क्षेत्र के एक गांव निवासी बुजुर्ग दंपती की मौत हो गई, जबकि एक युवक और एक किशोर घायल हो गया। पुलिस की सूचना पर परिजनों में चीत्कार मच गया। सूचना मिलते ही परिजन हरिद्वार के लिए रवाना हो गए। हरिद्वार प्रशासन के पोस्टमार्टम कराने के बाद रविवार देर रात शव गांव पहुंचे।

दातागंज कोतवाली क्षेत्र के गांव उरैना पुख्ता, नाथूनीपुर और आनंदपुर के ग्रामीणों ने हरिद्वार में गंगा स्नान करने और मनसा देवी मंदिर पर दर्शन करने का प्लान बनाया था। तीनों गांव के 11 लोगों ने एक गाड़ी बुक की और शनिवार को हरिद्वार के लिए रवाना हुए थे।

दंपती की मौत की सूचना पर गमगीन परिजन। ● अमृत विचार

रविवार सुबह सभी लोगों ने हरिद्वार में गंगा स्नान किया था। इसके बाद माता के दर्शन करने के लिए मनसा देवी मंदिर के लिए पैदल निकले थे। सुबह लगभग नौ बजे मंदिर से कुछ पहले करंट फैलने की अफवाह से भगदड़ मच गई थी। लोग एक दूसरे पर गिरते गए। हादसे में गांव उरैना पुख्ता निवासी रामभरोसे (70) और उनकी पत्नी शांति देवी (65) की मौत हो गई, जबकि उनके साथ गए 15 साल के भूपेंद्र और 38 साल के छन्ने गंभीर रूप से घायल हो गए। उत्तराखंड प्रशासन ने सभी को अस्पताल भेजा। यहां चिकित्सक ने दंपती की मौत की पुष्टि कर दी। साथ गए लो और पुलिस ने दंपती के परिजनों को फोन करके हादसे की सूचना दी। परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही परिजन हरिद्वार के लिए रवाना हो गए। हरिद्वार प्रशासन के शवों का पोस्टमार्टम कराने के बाद देर रात शव गांव पहुंचे। दंपती की मौत से उनके छह बेट और तीन बेटियों का रो रोककर बुरा हाल है। बताया जा रहा है कि उत्तराखंड पुलिस मामले की जांच करेगी।

शांति देवी।

रामभरोसे।

- गंगा स्नान करने गाड़ी से गए थे दातागंज के तीन गांवों के लोग
- करंट फैलने की अफवाह से मची भगदड़, एक दूसरे पर गिरे लोग

मन की बात में खेलों के क्षेत्र में नवाचार पर की चर्चा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : भाजपाइयों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात के 124 वें संस्करण को दो हजार से अधिक बूथों पर सामूहिकता से सुना।

केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा ने उझानी नगर में कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात को सुना। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने स्पेस स्टार्टअप, अंतरिक्ष और खेलों के क्षेत्र में हो रही विभिन्न पहलों, ऐतिहासिक किले, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और जनभागीदारी से हो रहे नवाचारों की चर्चा कर सभी को प्रेरित किया।

जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता ने दातागंज विधानसभा के गांव बक्सेना में मन की बात को सुना। उन्होंने एक पौधा मां के नाम लगाया।

मन की बात कार्यक्रम देखते केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा।

कहा कि मन की बात कार्यक्रम आज जन-जन को जोड़ने वाला, राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक जन आंदोलन बन चुका है। सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता ने कहा कि पीएम मोदी का मन की बात कार्यक्रम बहुत प्रेरणादायक कार्यक्रम है।

नौकर समेत दो संदिग्धों से पूछताछ में मिले अहम सुराग

संवाददाता, पूरनपुर

अमृत विचार: फार्मर के घर हुई लाखों की चोरी के मामले में पुराने नौकर समेत दो संदिग्धों से की गई पूछताछ में पुलिस को अहम सुराग हाथ लगे हैं। एक अन्य युवक की तलाश के साथ ही पुलिस बरामदगी का प्रयास कर रही है। माना जा रहा है कि जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

कोतवाली क्षेत्र के गांव मुजफ्फरनगर के रनजीत सिंह परिवार समेत 25 जुलाई की रात छत पर बैठे थे। इसी दौरान उनके घर में दीवार फांदकर घुसे चोर पांच सोने की चेन, चार सोने के कंगन, सोने का कड़ा, छह सोने की अंगूठी और 26 हजार रुपये चोरी कर ले गए थे। घटना की जानकारी लगते ही परिवार के होश उड़ गए। पुलिस ने मौका मुआयना कर जानकारी की। इसमें परिवार ने बताया कि धर्मापुर गांव निवासी एक युवक जोकि उनके घर में पहले नौकरी कर चुका है। उसने अपने गुलड़िया भूप सिंह गांव के साथी संग अप्रैल माह में चोरी की थी। पकड़े जाने के बाद दोनों ने चोरी किया गया सामान वापस कर दिया था। उस वक्त कार्रवाई नहीं की गई थी। फार्मर रंजीत सिंह ने बताया कि 25 जुलाई की रात चोरी की घटना से पहले उक्त पुराना नौकर दो अज्ञात लोगों के साथ उनके घर के आसपास चक्कर लगा रहा था। उन्हें शक है कि दोबारा की गई चोरी की घटना को उसी ने दो अज्ञात साथियों संग अंजाम दिया है। पुलिस ने पुराने नौकर समेत दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। हालांकि पकड़े गए दोनों संदिग्धों से अभी तक चोरी का सामान बरामद नहीं हुआ है। इसके अलावा पुलिस को एक अन्य युवक की तलाश है।

हमसफर ही बन बैठा जान का दुश्मन लगाई गुहार

बिलसंडा, अमृत विचार: करेली थाना क्षेत्र की एक युवती ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसने क्षेत्र के एक युवक से चार माह पूर्व प्रेम विवाह किया था। घरवालों की मर्जी के खिलाफ जब वह प्रेमी के साथ चली गई थी, तो मामला तूल पकड़ने पर उस वक्त पुलिस ने रिपोर्ट भी दर्ज की थी और कोर्ट में उसके ब्यान भी दर्ज कराए थे।

जिसमें उसने प्रेमी के साथ रहने की रजामंदी दी थी। आरोप है कि शादी के बाद से अपनी ससुराल में ही रह रही थी। आरोप है कि पिछले कुछ दिनों से पति समेत अन्य ससुराल वाले प्रताड़ित कर रहे हैं। परेशान होकर युवती ने करेली थाने पहुंचकर ससुरालियों पर प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

छलपूर्वक अधिवक्ता की पत्नी से लिए जेवर और डाल दिए गिरवी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- एक परिचित ने की घटना, एसपी के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार: एक परिचित ने अधिवक्ता की पत्नी से छल करते हुए जेवरात ले लिए और फिर उन्हें एक व्यापारी के पास गिरवी डाल दिया। आरोपी ने एक माह में जेवर दोगुना करने का झांसा दिया था। इसके बाद जब अधिवक्ता ने जेवर रुपये देकर छुड़वा लिया तो उसमें भी सोने की चेन कम निकली। रकम और गायब चेन मांगने पर आरोपी ने अभद्रता कर धमकाया। पुलिस ने नामजद रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस का कहना है कि मामले की विवेचना की जा रही है।

क्षेत्र के ग्राम जादमपुर नत्था निवासी एडवोकेट महेंद्र कुमार पटेल पुत्र गुलजारीलाल ने थाना बिलसंडा में दी तहरीर में बताया कि कस्बे के मोहल्ला शाखा मैदान निवासी रिषभ सक्सेना पुत्र वीरेंद्र कुमार सक्सेना का उनके घर आना जाना था। उसने पीड़ित की पत्नी सुनीता गंगवार को विश्वास में लेकर कहा कि एक माह में दोगुना जेवर करके दे देगा।

12 मार्च की दोपहर आरोपी ने घर जाकर छल करते हुए समस्त जेवरात ले लिया। जिसमें सोने का हार, कंगन, झाले, तीन अंगूठी, कुंडल चेन आदि थे। जब एक माह बाद जेवर वापस मांगे गए तो टालमटोल शुरू कर दी।

कई बार कहने के बाद भी जेवर नहीं दिए। इसके बाद पत्नी ने उन्हें पूरी घटना बताई। इसके बाद उनकी पुत्री अंशिक पटेल से कॉल कर आरोपी ने बताया कि उसने जेवर एक व्यापारी के पास गिरवी डाल दिया है, उसे जाकर छुड़वा लो।

बाद में रुपये व चेक दे देंगके। इस पर आठ जुलाई और दस जुलाई को आरोपी के कहने पर उन्होंने जेवर छुड़ा लिया लेकिन उसमें सोने की एक चेन अभी गायब है। न तो आरोपी ने रुपये दिए न ही चेन का पता चल सका है। 11 जुलाई को आरोपी के घर रुपये व चेन लेने गए तो उसने गाली गलौज कर मारने की धमकी दी। मामले की शिकायत थाना पुलिस से की गई, लेकिन पुलिस ने कार्रवाई नहीं की।

एसपी के आदेश पर बिलसंडा पुलिस ने आरोपी रिषभ सक्सेना के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस का कहना है कि मामले की विवेचना की जा रही है।

मां-बेटे से मारपीट कर बाइक नकदी और कुंडल लूटा

संवाददाता, घुंघचिहाई

अमृत विचार: मायके से पुत्र के साथ वापस आ रही महिला को दो अज्ञात लोगों ने रोका और मारपीट की गई। इसके बाद नकदी, बाइक और कुंडल लूटकर भाग गए। पुलिस सूचना मिलने पर छानबीन में जुट गई है। घटना के चलते हड़कंप मचा रहा।

पीड़िता बलजीत कौर।

थाना क्षेत्र के ग्राम खानपुर चुकटिहाई निवासी राजवीर कौर पत्नी बलजीत सिंह ने बताया कि रविवार को वह अपने पुत्र गुरुकरन सिंह के साथ बाइक पर सवार होकर दियोरियाकलां कोतवाली क्षेत्र के गांव पुरैना से वापस अपने घर लौट रही थीं। देर शाम टूटा पुल के पास पहुंचते ही दो अज्ञात लोगों ने उन्हें रोका और हमला कर दिया।

इसके बाद आरोपी बाइक, 1200 रुपये और कुंडल लूटकर भाग गए। इसकी सूचना पुलिस को दी गई।

देर शाम हुई लूट की सूचना मिलने पर पुलिस विभाग में खलबली मच गई। पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी की।

घटना का शोर मचने पर काफी लोग जमा हो गए।

बता दें कि टूटा पुल के पास पहले भी लूटपाट की घटनाएं हो चुकी है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

अमृत विचार

बरेली, सोमवार, 28 जुलाई 2025

धर्मांतरण गिरोह का खुलासा, आठ गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अमृतसर से युवती का अपहरण कर कुशीनगर लाकर बदलवाया धर्म, किया निकाह

अमृत विचार : पुलिस ने कुशीनगर के पडरौना में भी धर्मांतरण गिरोह का खुलासा किया। दो महिलाओं समेत गिरोह के आठ सदस्य गिरफ्तार किए गए हैं। गिरोह के सदस्यों ने अमृतसर से युवती का अपहरण कर पडरौना लाए, यहां धर्म परिवर्तन कराकर उसके पहचान पत्र भी बनवा दिए। युवती के पिता की तहरीर पर शनिवार को रिपोर्ट दर्ज की गई।

एसपी कुशीनगर संतोष कुमार मिश्रा ने बताया कि मूलतः तुर्कपट्टी के महुअवा बुजुर्ग निवासी ने शनिवार को पडरौना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें आरोप लगाया कि उसकी बेटी को अमृतसर से कुशीनगर लाकर धर्मांतरण करा दिया गया। पुलिस ने टीमें बनाकर रविवार तड़के युवती को ढूंढ निकाला और आरोपियों को दबोच लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों में सरगना जंगल जगदीशपुर विशुनपट्टी का तौफिक अंसारी, आशिक अंसारी, आशिक अंसारी का बेटा इम्तियाज, नोनिया पट्टी का मो. साहब, बड़हरागंज का जीशान कमर, साकिन नगरी का मजहर, नेबुआ नौरंगिया स्थित साकिन चखनी भोज की फातिमा और उसकी बेटी कैसर जहां शामिल हैं।

तीन वर्ष पहले फंसाया जाल में

गिरोह का मुख्य सदस्य आशिक अंसारी के बेटे इफ्तिखार अंसारी ने तीन वर्ष पूर्व युवती को जाल में फंसा लिया था। तब युवती की उम्र 16 वर्ष थी। उसे इस्लाम कुबूल कराने के बाद निकाह कर लिया। युवती की दर्जनों अश्लील वीडियो बनाई, साथ में निकाह की वीडियो वायरल करने की धमकी देकर तौफिक अंसारी ब्लैकमेल करता था। पुलिस को अभी इफ्तिखार की तलाश है।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उनके निशाने पर हिंदू युवतियां व युवक रहते हैं। तुर्कपट्टी की युवती को बहला कर व लालच देकर प्रेमजाल में फंसाया गया। फिर धर्म परिवर्तन करा दिया गया। सरगना तौफिक उसकी अश्लील वीडियो व धर्म परिवर्तन की रिकार्डिंग दिखाकर परिजन को ब्लैकमेल करता था। कैसरजहां और फातिमा ने पीड़िता को इस्लामिक सामग्री दिखाकर ब्रेनवॉश किया। धर्मांतरण के बाद युवती का आधार कार्ड भी बनवा लिया था। आरोपियों के पास से युवती के हिंदू नाम और धर्म परिवर्तन के बाद परवीन खातून के नाम के दो आधार कार्ड मिले हैं। इसके अलावा 11 सिमकार्ड, 9 मोबाइल बरामद किए गए हैं। गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है।

छांगुर प्रकरण के बाद कोना-कोना टटोल रहीं एजेंसियां

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बरेली से लेकर कोलकाता तक यूपी के सुरक्षातंत्र ने उखाड़ दीं धर्मांतरण की जड़ें

अमृत विचार : जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा प्रकरण के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्त हिदायत का असर दिख रहा है। राज्य और राज्य के बाहर कोने-कोने पर जांच एजेंसियों और इंटीलिजेंस की नजर है। ऐसे में उत्तर प्रदेश में जबरन धर्म परिवर्तन कराने वाले छांगुर समेत अन्य खतरनाक गिरोहों की करतूतें उजागर हो रही हैं।

धर्मांतरण को लेकर बरेली से लेकर कोलकाता तक बड़ा खुलासा हुआ है। ये सारे खुलासे छांगुर मॉड्यूल पर चल रहे गिरोहों से संबधित हैं। जांच में पता चला है कि धर्मांतरण के जाल में फंसाने के बाद हिंदू लड़कियों को जिहाद में धकेलने की योजना थी। यह उसी तर्ज पर किया जा रहा था जैसा आईएआईएस करता है। धर्मांतरण गैंग के आगरा मॉड्यूल का कनेक्शन लश्कर-ए-तैयबा से होने की जांच बहुत तेजी से बढ़ रही है। दरअसल, छांगुर बाबा गिरोह नाम के इस नेटवर्क के खुलासे ने न केवल पुलिस प्रशासन को चौकन्ना कर दिया है, बल्कि पूरे प्रदेश को हिला कर रख दिया है। बरेली, लखनऊ, बलरामपुर, अलीगढ़ और कोलकाता समेत पूरे देश में फैले इस नेटवर्क में महिलाओं से लेकर धर्मगुरुओं तक की भूमिका सामने आई है।

प्रदेश में धर्मांतरण के मामले निरंतर सामने आ रहे हैं। पहले बलरामपुर, फिर आगरा और अब शाहजहांपुर में एक धर्मांतरण सिंडिकेट का राजफाश हुआ है। शाहजहांपुर में कुछ ट्रस्टों द्वारा इस मद में दी गई वित्तीय सहायता की पुष्टि होने के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है। आशंका है कि इन लोगों को विदेशी पैसा मिला है। यह जांच एक हिंदू संगठन की शिकायत के आधार पर शुरू की गई। शिकायत में स्थानीय महिला किरण जोशुआ (37) का नाम आया है। आरोप है कि ये लोगों को गुमराह करके ईसाई धर्म अपनाने की सलाह देती थी।

इस बीच यूपी पुलिस ने आगरा के अलावा गोवा, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, दिल्ली और राजस्थान के 11 ठिकानों पर छापा मारकर 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, पूरे देश में चल रहे इस तरह के नेटवर्क में कम उम्र की लड़कियों को प्रलोभन, लव जिहाद और अन्य तरीकों से प्रभावित करके धर्मांतरण कराया जाता है। अवैध धर्मांतरण का यह आईएसआईएस का सिग्नेचर स्टाइल है। इस रैकेट को चलाने के लिए यूएई, कनाडा, लंदन और अमेरिका के जरिए फंडिंग आ रही थी। इस ग्रुप का संबंध पीएफआई, एसडीपीआई और पाकिस्तान के आतंकी संगठनों से भी होने के संकेत मिले हैं।

न्यूज ब्रीफ

सपा सांसद ने केंद्र से की स्कूल मर्जर रद्द करने की मांग

अमृत विचार, लखनऊ : समाजवादी पार्टी की मछलीशहर से सांसद प्रिया सरोज ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पत्र लिखकर उप्र. में विद्यालयों के एकीकरण (स्कूल मर्जर) की नीति की समीक्षा कर इसे रद्द करने की मांग की है। सांसद ने पत्र में कहा कि प्रदेश में वर्तमान समय में विद्यालयों का एकीकरण किया जा रहा है, जो कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई एक्ट) की मूल भावना के प्रतिकूल है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत यह प्रावधान है कि 6 से 14 वर्ष की आयु के प्रत्येक बच्चे को उसके निवास स्थान से एक किमी के भीतर निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा उपलब्ध कराई जाए।

मुसलमान क्यों नहीं बन जाते रामजीलाल सुमन : डॉ. निर्मल

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम के पूर्व चेयरमैन और विधान परिषद सदस्य डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल ने सपा सांसद रामजीलाल सुमन के बयान पर प्रतिक्रिया जताते हुए कहा कि अगर उत्पीड़न के कारण दलित धर्मांतरण कर मुस्लिम या ईसाई बन रहा है तो दलितों का सबसे ज्यादा उत्पीड़न सपा सरकार में ही हुआ। उस समय दलित समाज के लोगों ने धर्मांतरण क्यों नहीं किया। उन्होंने कहा कि खुद सपा सांसद रामजीलाल सुमन भी अपना उत्पीड़न होने और सम्मान न मिलने की बात कहते हैं तो, वह मुस्लिम क्यों नहीं हो जाते। निर्मल ने कहा कि आज विभिन्न योजनाओं के तहत दलितों का सामाजिक आर्थिक सशक्तिकरण हो रहा है।

मेडिकल कॉलेज के निर्माण कार्यों की समीक्षा

अमृत विचार, लखनऊ : मेडिकल कॉलेज, तिलोई अमेठी में प्रस्तावित राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) निरीक्षण की तैयारियों की समीक्षा के लिए रविवार को नवीन भवन, लखनऊ में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह (संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य, परिवार कल्याण एवं मातृ-शिशु कल्याण विभाग) ने की। बैठक में सुनिश्चित किया गया कि मेडिकल कॉलेज, तिलोई अमेठी से संबंधित सभी निर्माण कार्य, संसाधनों की उपलब्धता, शैक्षणिक और चिकित्सकीय ढांचे की पूर्ति, तथा अन्य प्रशासनिक आवश्यकताएं 20 अगस्त तक पूरी कर ली जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि निरीक्षण के समय किसी भी प्रकार की कमी न हो, यह सुनिश्चित किया जाए।

छात्रों को अधिकार दिलाएगी कांग्रेस

अमृत विचार, लखनऊ : अखिल भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) की राष्ट्रीय सचिव व प्रदेश प्रभारी देवकी पटेल ने कहा कि कांग्रेस छात्रों को उनका अधिकार दिलाएगी। वह रविवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित बैठक को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों को छात्रों से जुड़े प्रत्येक मुद्दों को गंभीरता से लेने व उनके अधिकारों के लिए संघर्ष करने का आह्वान किया, साथ ही एनएसयूआई संगठन से युवाओं को जोड़ने व अधिक मजबूत बनाने पर जोर दिया। बैठक के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय सचिव ने कहा कि प्रदेश की योगी सरकार के प्रदेश में पांच हजार सरकारी विद्यालयों को बंद करने संबंधी निर्णय से समाज के गरीब, अनुसूचित वर्ग व अन्य शोषित वर्ग के लोग अपने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि जब से भाजपा सरकार आई है, प्रदेश में बेरोजगार युवाओं की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है।

जनभावना के अनुरूप कराएं विकास कार्य

मुख्यमंत्री ने झांसी और चित्रकूट मंडल के विधायकों से किया संवाद, विकास कार्य तेजी से शुरू करने के निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- झांसी मंडल से 4,901 करोड़ और चित्रकूट मंडल से 3,875 करोड़ रुपये के प्रस्ताव

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बुंदेलखंड क्षेत्र का विकास सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने झांसी मंडल के विधायकों से आए 4,901 करोड़ और चित्रकूट मंडल के विधायकों से आए 3,875 करोड़ रुपये के विकास कार्यों के प्रस्ताव पर तेजी से कार्य शुरू करने के निर्देश दिए। योगी ने विधायकों से कहा कि वे अपने क्षेत्र में प्रस्तावित कार्यों की सतत निगरानी करें और स्थानीय जनभावनाओं के अनुरूप योजनाओं को आकार दिलवाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

मुख्यमंत्री ने अपने आवास पर रविवार को झांसी और चित्रकूट धाम मंडल के सांसदों-विधायकों से उनके निर्वाचन क्षेत्रों की परिस्थितियों, जनअपेक्षाओं और विकासात्मक प्राथमिकताओं के विषय में व्यक्तिगत रूप से संवाद किया। बैठक का उद्देश्य केवल योजनाओं की समीक्षा नहीं, बल्कि जनप्रतिनिधियों की जमीनी समझ और अनुभव के माध्यम से राज्य के दूरवर्ती क्षेत्रों की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ समझना और समाधान सुनिश्चित करना था।

बैठक में जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी विकास कार्य प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग और धर्मार्थ कार्य विभाग को निर्देशित किया कि जनप्रतिनिधियों से समन्वय कर प्रस्तावित कार्यों की प्राथमिकता तय की जाए तथा समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण ढंग से क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। विधायकों द्वारा दिये गए कुल प्रस्तावों के अनुसार, झांसी मंडल के तीन जनपदों (झांसी, जालौन और ललितपुर) से कुल 691 कार्य प्रस्तावित किए गए हैं, जिनकी अनुमानित लागत 4,901 करोड़ रुपये है।

वहीं, चित्रकूट मंडल के चार जनपदों (बांदा, हमीरपुर, चित्रकूट और महोबा) से कुल 397 कार्य प्रस्तावित हैं, जिन पर रुपये 3,875 करोड़ की लागत प्रस्तावित है। इस प्रकार दोनों मंडलों से कुल 1,088 कार्य प्रस्तावित हुए हैं, जिनकी कुल लागत 8,776 करोड़ है। इनमें से झांसी और बांदा जनपद क्रमशः 1,916 करोड़ और 1,825 करोड़ रुपये की लागत के साथ अपने-अपने मंडलों में शीर्ष पर हैं।

लखनऊ में अपने सरकारी आवास पर चित्रकूट व झांसी मंडल के जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक करते मुख्यमंत्री योगी।

फसल बीमा योजना के लिए 86.30 करोड़ मंजूर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- किसानों को सब्सिडी के रूप में मिलेंगे 85.47 करोड़ रुपये

अमृत विचार : राष्ट्रीय फसल बीमा योजना के लिए राज्य सरकार ने करीब 86.30 करोड़ की मंजूरी दी है। राज्यपाल ने इसमें किसानों को सब्सिडी के रूप में 85.47 करोड़ रुपये देने के लिए मुहर लगाई है। इसी के साथ शासन ने कृषि निदेशक को धनावंटन से लेकर पर्यवेक्षण का कार्य सौंपते हुए किसी भी अनियमितता पर सीधे जिम्मेदार होने की चेतावनी भी दी है।

कृषि विभाग की ओर से जारी शासनादेश के अनुसार, योगी सरकार के प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 में कुल 86 करोड़ 29 लाख 87 हजार रुपये की राज्यपाल से मंजूरी मिली है। इसमें 85 करोड़ 47 लाख 87 हजार किसानों को सब्सिडी के रूप दी जाएगी, जबकि शेष धनराशि से 8 लाख यात्रा व्यय, 10 लाख कार्यालय व्यय, 10 लाख लेखन सामग्री व फार्मों की छपाई, 8 फर्नीचर व उपकरण और 15 गाड़ियों में पेट्रोल व अनुरक्षण के लिए 10 लाख रुपये खर्च होगा। इसके अलावा प्रशिक्षण, हार्डवेयर-साफ्टवेयर, आईटी कार्य आदि में खर्च होगा। शासन ने कृषि निदेशक को धनराशि के नियमानुसार खर्च से लेकर पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी दी है। साथ ही किसी भी गड़बड़ी या अनियमित खर्च पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

लखनऊ के एपीसेन गर्ल्स कॉलेज में आरओ-एआरओ की परीक्षा देने आए परीक्षार्थियों की चेंकिग करते कर्मचारी। ● अमृत विचार

नकल माफिया की गतिविधियों पर रही पैनी नजर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सभी जिलों में शांतिपूर्वक संपन्न हुई आरओ-एआरओ परीक्षा
- एआई, सीसीटीवी, बायोमेट्रिक सत्यापन से हुई नकलमुक्त परीक्षा

अमृत विचार : राज्य सरकार की सीधी निगरानी के चलते रविवार को शांतिपूर्वक संपन्न हुई आरओ-एआरओ परीक्षा के दौरान राज्य में कहीं से भी किसी प्रकार की अनियमितता सामने नहीं आई। परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए सरकार ने नकल माफिया और पुराने आरोपियों पर पैनी नजर रखी। एसटीएफ को संवेदनशील केंद्रों की विशेष निगरानी का जिम्मा सौंपा गया था, जो पूरे दिन सक्रिय रही।

आयोग के सचिव अशोक कुमार ने बताया कि सभी केंद्रों से उत्तर पुस्तिकाएं सुरक्षित रूप से एकत्र की गईं और आगे की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। कानपुर, लखनऊ, प्रयागराज और वाराणसी जैसे प्रमुख जिलों में केंद्रों की अधिक संख्या के बावजूद व्यवस्था सुचारु रही।

परीक्षा की गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए प्रश्नपत्रों की तैयारी और वितरण में कड़े प्रबंध किए गए। इन्हें त्रिस्तरीय लॉक वाले गोपनीय ट्रंक बॉक्स में पांच स्तरीय टेम्पर्ड प्रूफ पैकिंग के साथ रखा गया था। ट्रेजरी से निकासी से लेकर उत्तर पुस्तिकाओं के डिस्पैच तक की प्रक्रिया में सशस्त्र गार्ड और वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी अनिवार्य रही।

लाइव सीसीटीवी स्ट्रीमिंग के जरिए केंद्र, जिला और आयोग स्तर पर निगरानी की गई। अभ्यर्थियों की पहचान के लिए प्रवेश द्वार पर बायोमेट्रिक सत्यापन और फेस रिकग्निशन तकनीक से पहचान सुनिश्चित की गई। डबल लेयर फ्रिस्किंग की जिम्मेदारी पुलिस बल और कार्यदायी संस्था ने साझा रूप से निभाई, जिससे कोई निषिद्ध सामग्री अंदर नहीं ले जाई जा सकी।

अभ्यर्थियों ने की व्यवस्था की सराहना

प्रयागराज में एक सेंटर से परीक्षा देकर बाहर निकले वाराणसी के नीरज चंद्रा और सचिन माथुर ने बताया कि उनके केंद्रों पर कई स्तरों पर गहन चेकिंग की गई, जो बेहद व्यवस्थित और निष्पक्ष थी। वहीं प्रतापगढ़ की पूजा ने कहा कि पिछली बार की तुलना में इस बार की व्यवस्था कहीं बेहतर थी, जिससे परीक्षा में पूर्ण पारदर्शिता बनी रही और उन्हें आने-जाने में कोई दिक्कत नहीं हुई। अभ्यर्थियों ने क्यूआर कोड, आई स्कैन और बायोमेट्रिक सत्यापन जैसी तकनीकी व्यवस्थाओं की तारीफ की, जिसने परीक्षा की निष्पक्षता और विश्वसनीयता को और मजबूत किया।

पुनर्जीवित हो रही तमसा नदी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अयोध्या, अंबेडकर नगर, आजमगढ़, मऊ व बलिया के लिए बनेगी वरदान

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की संकल्पशक्ति से पूर्वांचल की जीवनरेखा कही जाने वाली पवित्र तमसा नदी को नया जीवन मिलने जा रहा है। ऋषि दुर्वासा, चन्द्रमा ऋषि और ऋषि दत्तात्रेय की तपोभूमि पर बहती तमसा नदी अब फिर से पूर्वांचल के किसानों के लिए संजीवनी बनेगी। तमसा नदी के संरक्षण और पुनरुद्धार के लिए 29 जुलाई को आजमगढ़ में सभी विभागों के प्रमुख अधिकारी जुटेंगे।

तमसा नदी अयोध्या, अंबेडकर नगर, आजमगढ़, मऊ और बलिया से होकर गुजरती है। इसके पुनरुद्धार से इन जिलों में बड़े पैमाने पर स्थानीय लोगों को इसका लाभ मिलेगा। वर्तमान में तमसा नदी जनपद आजमगढ़ के अहरौला, मिर्जापुर, तहबरपुर, रानी की सराय, पल्हनी, बिलरियागंज और सठियांव विकासखंडों की 121 ग्राम पंचायतों से होते हुए मऊ जनपद में प्रवेश करती है। आजमगढ़ के मुख्य विकास अधिकारी परीक्षित खटाना ने बताया कि तमसा नदी आजमगढ़ जिले में 89 किलोमीटर और कुल मिलाकर 264 किलोमीटर लंबी है। अभियान चलाकर कार्य किया जा रहा है। लाखों किसानों को अब सिंचाई की बेहतर सुविधा मिलेगी। डीएफओ आजमगढ़ पीके पांडे ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर तमसा नदी के दोनों किनारों पर पौधारोपण भी कराया जा रहा है।

सपा प्रमुख ने बिजली व्यवस्था को लेकर सरकार को घेरा

अमृत विचार, लखनऊ : समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश की बिजली व्यवस्था की दुर्दशा कर दी है। प्रदेश में बिजली विभाग का ट्रांसफॉर्मर उड़ गया है, मंत्री-अधिकारी के बीच के तार टूट गये हैं और त्रस्त जनता के बीच सरकार पर भरोसे के खंभे उखड़ गये हैं। जनाक्रोश का मीटर खटाखट बढ़ रहा है। उत्पादन का चक्का जाम है, संचार खंडित है और डिस्ट्रीब्यूशन के नाम पर भ्रष्टाचार की कमाई का वितरण चालू है। अखिलेश यादव ने रविवार को जारी एक बयान में कहा कि प्रदेश में बिजली नहीं, केवल बिल आ रहा है और ये बेइंतहा बिल लोगों की जेबें खा रहा है।

प्रदेश में 66 पीसीएस अफसरों के तबादले

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- ज्यादातर जिलों में एसडीएम व सहायक नगर आयुक्त बदले
- इनमें मुरादाबाद, शाहजहांपुर और बरेली भी शामिल

अमृत विचार: राज्य सरकार ने रविवार को 66 पीसीएस अफसरों के तबादले कर दिये। इनमें ज्यादातर जिलों में एसडीएम व सहायक नगर आयुक्त बदल दिये गये हैं। आगरा की उप जिलाधिकारी श्रद्धा पांडेय को सहायक नगर आयुक्त आगरा बनाया गया है।

शाहजहांपुर के उप जिलाधिकारी जय प्रकाश यादव को सहायक नगर आयुक्त सहारनपुर बनाया गया है। चंदौली के उप जिलाधिकारी अजीत कुमार द्वितीय को विशेष कार्याधिकारी बरेली विकास प्राधिकरण, उपजिलाधिकारी राम शंकर द्वितीय को गाजियाबाद, उप जिलाधिकारी शाहजहांपुर पैगाम हैदर को हमीरपुर, उप जिलाधिकारी गोरखपुर निशा श्रीवास्तव को गोरखपुर में ही इस पद पर रखा गया है। इसी क्रम में उप जिलाधिकारी मथुरा सौरभ यादव को सहायक नगर आयुक्त प्रयागराज, उप जिलाधिकारी कासगंज जितेंद्र कुमार सिंह को झांसी, उप जिलाधिकारी हाथरस चन्द्र प्रकाश सिंह को आजमगढ़, उप जिलाधिकारी इटावा मोहम्मद असलम को शाहजहांपुर व उप जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर अभिषेक शाही को इसी पद पर यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण में जिम्मेदारी दी गई है। उप जिलाधिकारी ललितपुर मदन मोहन गुप्ता को इसी जिले इस पद पर रखा गया है। उप जिलाधिकारी मिर्जापुर तरुण प्रताप सिंह तबादला हुआ है। को सहायक नगर आयुक्त शाहजहांपुर में तैनाती दी गई है। उप जिलाधिकारी यूपीडा लखनऊ स्निग्धा चतुर्वेदी को मुरादाबाद, उप जिलाधिकारी गोरखपुर रवि कुमार सिंह को सहायक नगर आयुक्त गोरखपुर बनाया गया है।

उप जिलाधिकारी नोयडा सीमा सिंह को सीतापुर, उप जिलाधिकारी शामली मृदला दुबे को मेरठ व उप जिलाधिकारी कुशीनगर आकांक्षा मिश्रा को इसी जिले में रखा गया है। उप जिलाधिकारी बलरामपुर सत्यपाल प्रजापति कानपुर नगर, उप जिलाधिकारी गोरखपुर ज्ञान प्रताप सिंह को अयोध्या व उप जिलाधिकारी मैनपुरी विशाल सिंह यादव को उप जिलाधिकारी सहायक नगर आयुक्त मुरादाबाद बनाया गया है। इनके अलावा भी अन्य जिलों के पीसीएस अफसरों का

सियासत | केंद्रीय नेतृत्व को प्रतीक भूषण की ताजपोशी के लिए तैयार कर चुके हैं पूर्व सांसद

विधायक बेटे को मंत्री बनाना चाहते हैं बृजभूषण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी से मिलने के पीछे सहमति लेने का था प्रयोजन, दोनों बेटे भी मुख्यमंत्री से मिले

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपने सभी कील-कांटे दुरुस्त करके गोंडा के दबंग नेता पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह अपने विधायक बेटे को मंत्री बनाने में जुटे हैं। हाल में करीब तीन साल के लंबे अंतराल पर योगी से उनकी मुलाकात का प्रयोजन अब छनकर बाहर आने लगा है।

गोंडा के राजनीतिक अखाड़े में बड़े-बड़ों को पटखनी देने वाले बृजभूषण शरण सिंह अगले विधानसभा चुनाव तक 60 साल पार कर जाएंगे। 5 बार भाजपा और एक बार सपा से सांसद रहने के साथ वे भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष भी रहे। वर्ष 2023 में एक नाबालिग सहित सात भारतीय महिला पहलवानों ने उनके खिलाफ यौन उत्पीड़न की एफआईआर में गवाही देने के साथ दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया था। जिसके बाद उन्होंने पिछले चुनाव में अपनी सांसद की सीट से छोटे बेटे करन भूषण सिंह को विजय दिलाई। जबकि बड़ा बेटा प्रतीक भूषण सिंह

विधायक है। बृजभूषण अब पहलवानों के आरोपों के मामले में बेदाग साबित हो चुके हैं। हालांकि उनका राजनीतिक जीवन पहले भी कई विवादों से घिरा रहा है। उन्हें बाबरी मस्जिद विध्वंस मामले में गिरफ्तार किया गया था और दाऊद इब्राहिम गिरोह के शूटरों को शरण देने के लिए आतंकवाद विरोधी कानून टाडा के तहत मामला दर्ज किया गया था। हालांकि, बाद में उन्हें दोनों मामलों में बरी कर दिया गया। अब बृजभूषण चाहते हैं कि दशकों के राजनीतिक जीवन में दूसरी पीढ़ी से कोई मंत्री बने। सूत्र बताते हैं कि उन्हें केंद्रीय नेतृत्व के कई नेताओं से इस बात पर सहमति मिल चुकी है कि विधायक बेटे को योगी सरकार में मंत्री पद दिया जा सकता है। लेकिन, इसके लिए सबसे बड़ी अड़चन मुख्यमंत्री योगी न बनें, इसके लिए उन्हें साधने का मंत्र दिया गया। इसी के बाद बृजभूषण के बोल बदलने लगे और हाल ही में वे योगी से मिलकर गुणगान करते दिखे। शनिवार को उनके दोनों बेटे विधायक प्रतीक भूषण और सांसद करन भूषण सिंह भी मुख्यमंत्री से मिले।

अपने विभागों को लेकर मंत्री सख्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सरकारी तंत्र पर नाराजगी जताकर दे रहे आमजन को संतुष्ट करने वाले संदेश

अमृत विचार : उप्र. विधान सभा चुनाव से पहले मंत्री अपने-अपने विभागों की कार्यप्रणाली को लेकर और सख्त नजर आ रहे हैं। सरकारी तंत्र पर नाराजगी जताकर वे आमजन को निरंतर संतुष्ट करने वाले संदेश दे रहे हैं।

हाल ही में ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने लखनऊ के शक्ति भवन में समीक्षा बैठक बुलाई थी। इस दौरान वो बिजली विभाग के अधिकारियों पर जमकर बरसे। मंत्री ने अधिकारियों से दो टूक कहा- मैं बकवास सुनने नहीं आया हूं, आप लोग अंधे-बहरे बनकर बैठे हो, और जनता मुझे कोस रही है।

बीते दिनों ऐसे ही उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा की थी। उप्र राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि मिशन के निष्क्रिय कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। भ्रष्टाचार के मामलों में एफआईआर कराई जाए।

वहीं राज्य के दूसरे उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक कुछ दिन पहले केजीएमयू, लखनऊ पहुंचे। ब्रजेश पाठक वहां आईसीयू में भर्ती भाजपा के एक वरिष्ठ नेता को देखने पहुंचे थे। इस दौरान गांधी वार्ड में कई एसी काम नहीं कर रहे थे। इस पर उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए केजीएमयू प्रशासन को इंजीनियरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की हिदायत दी।

अभी देवरिया जिले से वायरल एक वीडियो चर्चा में रहा। इसमें कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही वहां निरीक्षण के दौरान निर्माणाधीन हाल में सड़ी लकड़ी से बनाकर लगाए जंगले को देखकर अचानक से भड़क गए। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कहा कि यह सड़ा हुआ जंगला (खिड़की) कल तक हट जाना चाहिए। नहीं तो जान ले लूंगा, इसके बाद मंत्री जी भोजपुरी में बोलते हैं कि दो साल में घुन लग जाई घर चल जईबा पैसा लेके।

न्यूज ब्रीफ

लोकमान्य तिलक मुंबई एक्सप्रेस ने एक साल में कमाए साढ़े सात करोड़

बरेली, अमृत विचार : रेलवे की लोकप्रिय लंबी दूरी की ट्रेन 14314 बरेली-लोकमान्य तिलक टर्मिनस मुंबई एक्सप्रेस ने बीते वित्तीय वर्ष में शानदार प्रदर्शन करते हुए साढ़े सात करोड़ से अधिक की कमाई की है। 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 के बीच इस ट्रेन से कुल 97,529 यात्रियों ने यात्रा की, जिससे रेलवे को 7,46,56,425 रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। उत्तर भारत और पश्चिम भारत को जोड़ने वाली यह ट्रेन बरेली, मुरादाबाद, दिल्ली, कोटा, वड़ोदरा होते हुए मुंबई तक जाती है।

रक्षा बंधन से पहले 91 महिला परिचालक रोडवेज को मिलेंगी

बरेली, अमृत विचार : रक्षा बंधन से पहले रोडवेज को 91 महिला परिचालक मिलेंगी। अफसरों के अनुसार परिवहन निगम की यह पहल रक्षा बंधन पर बहनों को भाइयों के प्रति प्यार और सम्मान का प्रतीक देने के साथ एक नई पहचान भी देगी। पुराने रोडवेज बस अड्डे पर 18 जुलाई को महिला संविदा रोजगार भर्ती मेला का आयोजन हुआ था। जिसमें कुल 245 महिलाओं ने परिचालक बनने के लिए आवेदन किए थे। जांच 90 आवेदन मानकों पर खरे उतरे। आरएम दीपक चौधरी ने बताया कि जल्द चयनित सभी 91 महिला परिचालक को प्रशिक्षण के लिए लोकल रूट की बसों पर भेजा जाएगा, ताकि रक्षा बंधन से इनकी गृह जनपद में ड्यूटी दी जा सके।

नौकरी लगवाने के नाम पर 1.70 लाख ठगे

बरेली, अमृत विचार : रेलवे में नौकरी लगवाने के नाम पर एक युवक से एक लाख 70 हजार रुपये ठग लिए। युवक की शिकायत पर थाना प्रेमनगर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। भूड़ मोहल्ले के रहने वाले तरुण जौहरी ने बताया कि प्रेमनगर क्षेत्र के ही रहने वाले अनूप सक्सेना का उसके घर पर आना जाना था। आरोप है कि अनूप ने रेलवे में नौकरी लगवाने के नाम पर एक लाख 70 हजार रुपए ले लिए। ट्रेनिंग के बहाने उसे जाटवपुरा निवासी विनीत कानपुर ले गया। कानपुर में उसने तीन चार दिन एक होटल में रोका। उसके बाद उसे घुमाते रहे और फिर रेलवे का एक आईकार्ड दे दिया जो बाद में पता चला कि फर्जी है। इसके बाद युवक को अपने साथ ठगी होने का अहसास हुआ। पीड़ित की तहरीर पर प्रेमनगर पुलिस ने आरोपी अनूप सक्सेना, विनीत, रोहित, सुमित के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है।

अमृत भारत एक्सप्रेस का संचालन कल से

बरेली, अमृत विचार : आनंद विहार टर्मिनल से बापूधाम मोतिहारी के लिए अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन का संचालन 29 जुलाई से होगा। पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर मंडल के अधिकारियों के अनुसार ट्रेन सप्ताह में दो दिन चलेगी और इसमें आधुनिक सुविधाओं से युक्त नॉन-एसी चेयरकार कोच होंगे, जो होंगे। ट्रेन में जीपीएस आधारित यात्री सूचना प्रणाली, बायो-वैक्यूम टॉयलेट, मोबाइल चार्जिंग पॉइंट, एलईडी लाइटिंग और स्वचालित दरवाजे जैसी सुविधाएं दी गई हैं। बरेली, शाहजहांपुर, सीतापुर जैसे प्रमुख स्टेशनों से गुजरती हुई यह ट्रेन बिहार और उत्तर प्रदेश के यात्रियों को दिल्ली से जोड़ेगी।

मनसा देवी भगदड़ में रामपुर के 3 श्रद्धालुओं की मौत

स्वार, बिलासपुर के थे दो युवक, एक युवक काशीपुर का निवासी था, जो कई सालों से अपने मामा के यहां रहता था

कार्यालय संवाददाता,रामपुर/ बिलासपुर/ स्वार

विपिन।

विक्की।

विशाल।

- हादसे की खबर मिलने के बाद परिवार के लोग हरिद्वार रवाना

स्वार के गांव धनौरी में रोते बिलखते मृतक के परिजन। ● अमृत विचार

अमृत विचार : हरिद्वार के मनसा देवी में हुए भगदड़ में जिले के तीन युवकों की भी जान चली गई। इनमें दो युवक विलासपुर और स्वार क्षेत्र के रहने वाले थो जबकि एक युवक मूल रूप से काशीपुर का रहने वाला था और कई सालों से अजीमनगर क्षेत्र के गांव में अपने मामा के घर पर रहा रहा था।

बिलासपुर में नगरिया कलां का मझरा गांव निवासी टीकाराम सैनी का 20 वर्षीय पुत्र विक्की सैनी कुआखेड़ा गांव स्थित श्री गुरु तेग बहादुर साहिब राजकीय महाविद्यालय में बीए द्वितीय वर्ष का छात्र था। वह अपने तहेरे भाई सचिन पुत्र गोविंद राम सैनी के साथ शनिवार की रात आठ बजे बाइक से डाक कांवड़ लेने के लिए बाइक से निकला था। विक्की के रिश्तेदार उत्तराखंड के काशीपुर के गांव वसुवाखेरी निवासी रघुवीर सिंह का 20 वर्षीय बेटा विपिन सैनी भी उनके साथ गया था। वह अपने मामा के यहां काफी सालों से अजीमनगर थाना क्षेत्र के गांव बहादुर गंज में रह रहा था।

रविवार तड़के हरिद्वार पहुंचने के बाद वे नहाए। इसके बाद मनसा देवी मंदिर में प्रसाद चढ़ाने के लिए चले गए। वहां भगदड़ मच गई। भगदड़ में विक्की और विपिन गंभीर घायल हो गए। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां दोनों ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

स्वार कोतवाली के गांव धनौरी निवासी ग्रामीण शनिवार रात बस से हरिद्वार गए थे। गांव का ही नंदन मौर्य का 21 वर्षीय बेटा विशाल मौर्य भी गया था। रविवार को सभी लोग मनसा देवी के दर्शन करने के लिए जा रहे थे। भगदड़ में विशाल की भी दबकर मौत हो गई। मृतक के पिता की 11 वर्ष पूर्व मौत हो चुकी है।

मनसा देवी मंदिर में भगदड़ में शहर के तीन श्रद्धालु घायल: मुरादाबाद, अमृत विचार : उत्तराखंड के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में रविवार को दर्शन के दौरान अचानक मची भगदड़ में काफी श्रद्धालु घायल हो गए। जबकि कुछ श्रद्धालुओं की मौत भी हो गई। घायलों में मुरादाबाद निवासी तीन लोग अर्जुन, काजल और अनुज भी शामिल हैं। उत्तराखंड आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार तीनों घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

आरुष की मौत के बाद गांव में गम का माहौल, पिता हरिद्वार पहुंचे

बरेली, अमृत विचार : हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में भगदड़ में शाही के गांव सहोड़ा सर्राफ प्रवेश कुमार उर्फ पंकज यदुवंशी के 12 साल के बेटे आरुष की भी मौत हो गई। हादसे में आरुष की मां निर्मला और छह साल की बहन सौम्या भी घायल हुई है। हादसे की जानकारी मिलने के बाद गांव में गम का माहौल है। आरुष के पिता हरिद्वार गए हैं। प्रवेश कुमार की पत्नी निर्मला अपने बेटे आरुष और बेटी सौम्या को लेकर 25 जुलाई को अपने मायके रामपुर के थाना कैमरी के गांव पदपुरी गई थीं। मायके से वह अपने भाई राजीव और बच्चों के साथ हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर दर्शन करने गई थीं। रविवार सुबह सभी लोग दर्शन के लिए पैदल रास्ते से जा रहे थे।

उद्यमिता की नई लहर, युवाओं में बढ़ा उद्यमी बनने का जोश

बरेली, अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी सीएम उद्यमी विकास योजना, युवाओं में उद्यमिता की भावना को बढ़ावा दे रही है। इस योजना के तहत बिना ब्याज ऋण लेकर युवा अपना उद्योग स्थापित करने में लग गए हैं। युवा अब रोजगार की तलाश करने वाले नहीं रोजगार देने वाले बन रहे हैं। अभी तक 710 युवाओं ने इस योजना का लाभ लेकर अपना कारोबार भी शुरू कर लिया है। वह धीरे-धीरे तरक्की की ओर बढ़ने लगे हैं। लक्ष्य के सापेक्ष विभाग को आवेदन अधिक मिले हैं।

उद्योग विभाग के अनुसार आवेदन आने के बाद सत्यापन आदि का कोरम पूरा करने के बाद पत्रावलियों को विभिन्न बैंकों को भेजा रहा है। बैंक में कोई अड़चन न आए इसको लेकर अधिकारी स्वयं नियमित रूप से समीक्षा कर रहे हैं। उपायुक्त उद्योग विकास यादव ने बताया कि प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के माध्यम से प्रदेश के शिक्षित एवं प्रशिक्षित युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए बड़ा कदम उठाया है।

एक्सईएन की पत्नी ने जेई से बताया जान को खतरा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: पीडब्ल्यूडी प्रांतीय खंड के जेई देवदत्त पचौरी संगठन का पदाधिकारी है। आरोप है कि जेई ने 21 जुलाई को दमखोदा में निरीक्षण करने जा रहे एई राकेश कुमार से फोन कर अभद्रता कर जान से मारने की धमकी दी थी। इस मामले में उत्तर प्रदेश इंजीनियर्स एसोसिएशन ने जेई का स्थानांतरण दूसरे जिले में करने को लेकर दो दिन पहले प्रमुख अभियंता को पत्र भेजा था। अब निर्माण खंड भवन के एक्सईएन शशांक भार्गव की पत्नी कविता ने जेई पर आरोप लगाते हुए कोतवाली में तहरीर दी है। कविता रामपुर में पीडब्लूडी में एई हैं। शुक्रवार शाम करीब 7 बजे वह पीडब्ल्यूडी कैंपस स्थित आवास पहुंची तो गेट पर खड़े एक व्यक्ति ने वीडियो बनाना शुरू कर दिया। किसी तरह वह घर के अंदर गईं और पुलिस को यूपी 112 नंबर पर सूचना देने के साथ ही पति को फोन पर वीडियो भेजकर घटनाक्रम से अवगत कराया। कविता के मुताबिक वीडियो देख पति ने बताया कि वीडियो बनाने वाला व्यक्ति जेई देवदत्त पचौरी है। वह उनके घर अभद्रता करने आया था लेकिन वह घर पर नहीं थे। कविता के मुताबिक पुलिस में शिकायत करने पर जेई ने परिवार को नुकसान पहुंचाने की मंशा से मोबाइल से बनाई दो वीडियो कुछ लोगों को भेजी हैं। जेई से खुद की और परिवार की जान की सुरक्षा का खतरा बताते हुए मुकदमा दर्ज कराने की मांग की है।

स्टांप शुल्क चोरी में 16.70 लाख का जुर्माना

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : भूमि खरीद के दौरान बैनामों में स्टांप शुल्क कम दिखाकर शुल्क चोरी करने के मामलों में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व कोर्ट ने सुनवाई कर खरीदारों पर मोटा जुर्माना लगाया है। पांच मामलों में 16.70 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व की कोर्ट ने 7 जुलाई को आदेश सुनाया कि सुरेश सिंह पुत्र ब्रजपाल सिंह निवासी ग्राम सिठौरा, रविन्द्र कुमार सक्सेना उर्फ रवि सक्सेना पुत्र रमेश चंद्र सक्सेना निवासी सुभाषनगर बरेली के पक्ष में 12 दिसंबर 2024 को पंजीकृत किया था। तथ्यों एवं अभिलेखों के परीक्षण से स्पष्ट है कि स्टाम्प शुल्क कम दिखाया गया। 1,01,540 रुपये का स्टाम्प शुल्क व 14,520 रुपये निबंधन शुल्क, 5 हजार रुपये अर्थदंड 1,36,060 रुपये की धनराशि अधिरोपित की गई। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व की कोर्ट ने शिकायतकर्ता डा अनुज कुमार गंगवार निवासी माया भवन मोहल्ला आजाद नगर, पीलीभीत बाईपास की शिकायत पर सुनवाई करते हुए लेखपत्र में उप निबंधक फरीदपुर की आख्या 29 अप्रैल के अनुसार 6,84,600 रुपये का स्टाम्प शुल्क एवं 1,36,920 रुपये का निबंधन शुल्क कम अदा किया। तथ्यों एवं अभिलेखों के परीक्षण कर आदेश दिया। 6,84,600 रुपये का स्टाम्प शुल्क,1,36,920 रुपये निबंधन शुल्क व 20,000 रुपये अर्थदंड 8,41,520 रुपये की धनराशि अधिरोपित की गई। साथ ही सरकार बनाम राजेश खन्ना आदि के केस में तथ्यों एवं अभिलेखों के परीक्षण कर 53,250 रुपये का स्टाम्प शुल्क, 5,000 रुपये अर्थदंड लगाया। वहीं, अपर जिलाधिकारी, वित्त एवं राजस्व ने सरकार बनाम नक्शे अली आदि केस में तथ्यों के आलोक में तहसीलदार सदर की आख्या 9 अप्रैल 2024 तथ्यहीन होने के कारण निरस्त की और विलेख 13494/2021 पर स्टाम्प अधिनियम की धारा 33/38 व मूल्यांकन नियमावली के नियम के अंतर्गत कार्रवाई कर 2,92,370 रुपये का स्टाम्प शुल्क व 41,790 रुपये निबंधन शुल्क 50 हजार रुपये अर्थदंड 3,84,160 रुपये की धनराशि अधिरोपित की। 2,92,370 रुपये पर विलेख निष्पादन 22 सितंबर 2021 से वसूली दिनांक तक 1.5 प्रतिशत मासिक ब्याज भी लगाया है।

फंदे से लटका मिला खादी ग्राम उद्योग अधिकारी का शव

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- कन्नौज में थे तैनात, तीन दिन बाद होने वाले थे सेवानिवृत्ति
- चांदमारी क्षेत्र में पेड़ पर फंदे से लटका मिला शव

अमृत विचार : मॉर्निंग वॉक के लिए घर से निकले जिला खादी ग्राम उद्योग अधिकारी का शव पेड़ पर फंदे से लटका मिला। लोगों की सूचना पर सिविल लाइन कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पेड़ से उतारकर पोस्टमार्टम कराया। परिजनों के अनुसार वह 31 जुलाई को सेवानिवृत्त होने वाले थे।

सिविल लाइन कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला चित्रांश नगर निवासी राजेंद्र कुमार जिला खादी ग्राम उद्योग अधिकारी थे। वह कन्नौज में तैनात थे। तीन दिन के बाद वह सेवानिवृत्त होने वाले थे। रोज की तरह वह रविवार सुबह मॉर्निंग वॉक के लिए घर से निकले थे, लेकिन कुछ देर के बाद मोहल्ले के पास चांदमारी में पेड़ पर उनका शव फंदे से लटका मिला। पास से गुजरे लोगों ने उनके परिजन और पुलिस को सूचित किया। पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पेड़ से नीचे उतारा। परिजनों उनकी मौत पर कुछ बोलने को तैयार नहीं हैं। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर जांच शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। परिजनों ने किसी पर आरोप नहीं लगाया है।

हवालात से लंगड़ाते निकला बच्ची से छेड़छाड़ का आरोपी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

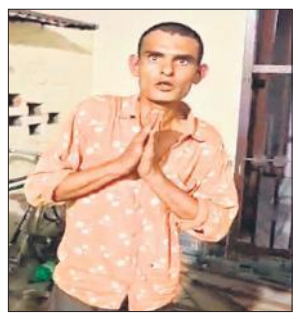
मौके ● अमृत विचार

अमृत विचार : प्रेमनगर थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले की रहने वाली महिला ने बताया कि शनिवार उसका गैस चूल्हा खराब हो गया था। उसने गैस चूल्हा सही करने वाले को बुलाया था। इस दौरान वह किसी काम से बाहर चली गई। आमिर नाम का युवक घर में चूल्हा ठीक करने का काम कर रहा था। आरोप है कि उसकी गैर मौजदूगी में आरोपी ने घर में मौजूद उसकी 8 साल की बच्ची के साथ अश्लील हरकतें कर छेड़खानी की। जब वह घर लौटी तो बेटी ने उसे घटना की जानकारी दी। उसके बाद महिला ने प्रेमनगर थाने जाकर आरोपी आमिर पुत्र शाहिद के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

महिला ने बताया कि युवक ने चूल्हा ठीक करने के नाम पर घर में घुसकर यह घिनौनी हरकत की है। बच्ची इस घटना से सहमी हुई है। प्रेमनगर पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए मुकदमा दर्ज करके आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी गिरफ्तार होने के बाद रविवार को प्रेमनगर थाने ही हवालात से लंगड़ाता हुआ बाहर निकला।

खुद को एसटीओ बताकर उधार ले लिए तीन लाख रुपये के जेवर

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: एक महिला ने खुद को एसटीओ बताकर महिला सर्राफ से तीन लाख रुपये से अधिक के जेवर उधार ले लिए। महिला ने गारंटी के तौर पर दो लाख 90 हजार रुपये का चेक दे दिया। जब सर्राफ ने महिला से पैसे मांगे तो वह टालमटोल करने लगी और फोन भी उठाना बंद कर दिया। आरोप है कि शनिवार को जब वह अपने पैसे वापस लेने गईं तो महिला ने कुछ लोगों की मदद से उसे और उसके पति को कार से कुचलने की कोशिश की। जिसमें दोनों पति-पत्नी घायल हो गए। महिला की तहरीर पर थाना इज्जतनगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कोतवाली क्षेत्र के ख्वाजा कुतुब की रहने वाली लता रस्तोगी ने बताया कि उसका कोहाड़ापीर फैयाज बिल्डिंग के सामने सर्राफा शोरूम है। करीब एक साल पहले खुद को एसटीओ बताकर उसकी दुकान पर सीबीगंज निवासी स्वाति चौधरी उर्फ स्वाति डागर तीन लाख 20 हजार रुपये के जेवर अपने भाई की शादी के नाम पर उधार लेकर गई। स्वाति वर्तमान में इज्जतनगर की आधार शिला कॉलोनी नंबर एक, मुंशीनगर में रहती है। उसने गारंटी के तौर पर दो लाख 90 हजार रुपये का चेक दिया था। उसके बाद वह और उसके पति जेवर के पैसे मांगते रहे, लेकिन महिला ने फोन उठाना ही बंद कर दिया। शनिवार को वह अपने पति और परिचित शीतल के साथ स्वाति चौधरी के घर आधार शिला कॉलोनी में पैसे लेने के लिए पहुंचे। जब दरवाजा खटखटाया तो स्वाति गालीगलौज करने ली। उसके बाद स्वाति ने अपने दो तीन परिचित लोगों को बुला लिया और उन्हें कार से कुचलने की कोशिश की। जिसमें वह और पति घायल हो गए। महिला सर्राफ की तहरीर पर स्वाति चौधरी उर्फ स्वाति डागर समेत दो तीन अज्ञात पर इज्जतनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

क्षेत्रीय कार्यालय सहायक रजिस्ट्रार फर्म्स, सोसाइटीज तथा चिट्स
193-ए सिविल लाइन्स, बरेली मण्डल बरेली

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि बाबा सर्वेश्वर नाथ मंदिर पता पीलीभीत बाईपास रोड सिल्वर एस्टेट महानगर उपडाकघर, तहसील सदर, जिला बरेली के अध्यक्ष की हैसियत से पंजीकरण हेतु सोसा. रजि. अधि. 1860 के अन्तर्गत ऑनलाईन पंजीकरण शुल्क व प्रपत्र प्रस्तुत किये गये है। उक्त संस्था के स्मृति पत्र व नियमावली में निम्नलिखित पदाधिकारी व सदस्य दर्शाये गये है :-

क्र.सं.	नाम/पिता/पति का नाम	पद
1.	श्रीमती शशि पाराशर पत्नी श्री भवेश चन्द्र पारासर	अध्यक्ष
2.	श्रीमती उषा श्रोत्रिय पत्नी श्री अजय कुमार श्रोत्रिय	उपाध्यक्ष
3.	श्रीमती कुसुम सिंह पत्नी श्री जितेन्द्र कुमार सिंह	सचिव
4.	श्रीमती कमलेश जोशी पत्नी श्री हरीश चन्द्र जोशी	कोषाध्यक्ष
5.	श्रीमती रागिनी गुप्ता पत्नी श्री गोविन्द कुमार गुप्ता	सदस्य
6.	श्रीमती जयश्री कोटनाला पत्नी श्री प्रभात कोटनाला	सदस्य
7.	श्रीमती अंजू भारद्वाज पत्नी श्री एल.एम. भारद्वाज	सदस्य

उपरोक्त संस्था के पंजीकरण किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर इस कार्यालय को दस्तावेजी साक्ष्यों एवं फोटो युक्त नोटरी शपथ पत्र सहित आपत्ति पत्र प्रस्तुत किया जा सकता है। उपरोक्त सार्वजनिक सूचना/नोटिस सोसा. रजि. अधि. 1860 की धारा 3(1) के ''परन्तुक'' के अन्तर्गत जारी की जा रही है।

सहायक रजिस्ट्रार, बरेली।

कार्यालय
क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी
शाहजहाँपुर।

संख्याः- 862/शास्त्रोक्त औषधि/2025-26 दिनांक- 23-07-2025

ई-निविदा-सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तर प्रदेश की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, शाहजहाँपुर में शास्त्रोक्त आयुर्वेदिक औषधि (निर्मित औषधि) को वित्तीय हस्तपुस्तिका खण्ड-5 भाग-1 के परिशिष्ट-19 एवं राज्य सरकार द्वारा उ0प्र0 प्रोक्योरमेन्ट मैनुअल, 2016 में ई-निविदा से सम्बन्धित सामान्य सिद्धान्त में निहित निर्देश के अनुसार रू0-30,00,000-00 (रूपया-तीस लाख मात्र) के अन्तर्गत दर अनुबन्ध के आधार पर आपूर्ति करने हेतु ऐसे अनुभवी एवं GMP धारक प्रतिष्ठित व्यापारियों (औषधि निर्माता) से ऑनलाइन निविदायें आमन्त्रित की जाती है। जो निविदा दाता के पास विगत तीन वर्षों में समान प्रकृति की सामग्री आपूर्ति के कार्य का अनुभव होना चाहिये तथा केन्द्रीय जॉच ब्यूरो तथा किसी विभाग द्वारा बैन (प्रतिबन्धित) Black Listed (काली सूची) में शामिल नहीं होनी चाहिये। ऐसे निविदा दाता फर्म का गत तीन वर्षों से वाणिज्य कर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण होना आवश्यक है। फर्म का औसत टर्न ओवर विगत तीन वर्षों में निविदा लागत का न्यूनतम 30% या उससे अधिक होना चाहिये। इसके अतिरिक्त निविदा प्रपत्र में दी गयी शर्तो एवं नियमों को पूर्ण करना अनिवार्य होगा। शास्त्रोक्त निर्मित आयुर्वेदिक औषधियों की मात्रा अनुमानित रखी गयी है जो वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता के सापेक्ष परिवर्तनीय हो सकती है।

1. निविदा प्रपत्र https://e-tender.up.nic.in से डाउनलोड किया जा सकता है।
2. ऑनलाइन निविदा प्रकाशन की तिथि :-29-07-2025
3. निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की तिथि व समय :-29-07-2025 सायं 05.00 बजे से।
4. ऑनलाइन निविदा भरने की प्रारम्भिक तिथि :-29-07-2025 सायं 05.00 बजे से।
5. ऑनलाइन निविदा भरने की अन्तिम तिथि व समय :-18-08-2025 सायं 5.00 बजे तक।
6. तकनीकी निविदा ऑनलाइन खोलने की तिथि व समय :-19-08-2025 अपरान्ह 03.00 बजे।
7. निविदा मूल्य जो वापस न होगा रू0-5,400.00 (रू0-पांच हजार चार सौ मात्र) (समस्त कर सहित) का डिमांड ड्राफ्ट जो निविदा भरने से पूर्व कार्यालय क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, मोहल्ला बंगश, निकट जनता इन्टर कालेज, शाहजहाँपुर के पदनाम से जमा कराकर कार्यालय में दिनांक-18-08-2025 समय सायं 05.00 बजे तक जमा कर रसीद प्राप्त करना आवश्यक है। अन्यथा निविदा पर विचार नही किया जायेगा।
8. धरोहर धनराशि रू0-60,000-00 (रू0-साठ हजार मात्र) राष्ट्रीयकृत बैंक से जारी एफ0डी0आर0 के रूप में क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, शाहजहाँपुर के पदनाम से बन्धक कराकर निविदा के साथ अपलोड करना होगा, तथा अर्नेस्ट मनी के रूप में एफ0डी0आर0 एवं निविदा फार्म शुल्क के रूप में बैंक ड्राफ्ट मूल रूप में दिनांक दिनांक-18-08-2025 समय सायं 05.00 बजे तक कार्यालय क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी शाहजहाँपुर में (व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर) उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। उक्त एफ0डी0आर0/बैंक ड्राफ्ट की मूलप्रति समयान्तर्गत प्राप्त न कराये जाने की स्थिति में निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा। विलम्ब की दशा में विभाग का कोई उत्तरदायित्व नहीं होगा।
9. आपूर्ति स्थानः-एफ0ओ0आर0 कार्यालय-क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, मो0 बंगश निकट जनता इण्टर कालेज, शाहजहाँपुर। औषधियों की आपूर्ति जी0एम0पी0 मानक के अन्तर्गत स्वीकार की जायेगी। किसी भी दशा में पॉलीथीन की पैकिंग में आपूर्ति स्वीकार नहीं की जायेगी।
10. निविदा की वैधताः-31-03-2026 तक मान्य होगी।
11. निविदा में उल्लिखित आईटमों की आपूर्ति के समय अनुमोदित लैब से लैब परीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा जिसका व्यय सम्बन्धित फर्म द्वारा ही वहन किया जायेगा।

समस्त निविदायें क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, शाहजहाँपुर के कार्यालय में निश्चित तिथि एवं समय पर उपस्थित निविदादाताओं/उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जायेगी। निविदा खुलने की तिथि में अवकाश पड़ने की दशा में निविदा अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी। अधोहस्ताक्षरी को किसी एक या सम्पूर्ण निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है। इस सम्बन्ध में कोई वाद स्वीकार नहीं होगा।

जिन फर्मो के सभी तकनीकी अभिलेख निविदा शर्तो के अनुसार सही व पूर्ण पाये जायेंगे उन्ही फर्मो के वित्तीय भाव पत्रों पर विचार किया जायेगा। सशर्त निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी।

UP - 236348 दिनांकः 25/07/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(डा0 सिराज अहमद अन्सारी)
क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी
शाहजहाँपुर।

सुविधा ऑडिटोरियम की बुकिंग शुरू, मनोरंजन और खरीदारी का लुत्फ उठाने को करना होगा इंतजार

अर्बन हाट में बनेगा मल्टीप्लेक्स सिनेमा हाल

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अर्बन हाट में लगा झूला। ● अमृत विचार

- फर्म ने अर्बन हाट में बदलाव करने की मांगी अनुमति
- प्रजेंटेशन पेपर जमा किए, जल्द अधिकारी लेंगे फैसला

अमृत विचार : स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट से बना अर्बन हाट को शुरू करने की कवायद तेज कर दी गई है। हर्बन हाट को संचालित करने की जिम्मेदारी संभालने वाली फर्म ने स्मार्ट सिटी लिमिटेड को प्रजेंटेशन प्रपत्र जमा कर दिया है। अब इसमें मल्टीप्लेक्स सिनेमा हाल भी बनेगा, जबकि ऑडिटोरियम की बुकिंग शुरू कर गई दी है। लोगों को खरीदारी और मनोरंजन का लुत्फ उठाने के लिए अगस्त माह तक इंतजार करना होगा।

अर्बन हाट के संचालन के लिए बेंगलुरू की एक फर्म को जिम्मेदारी दी गई है। एजेंसी के कर्ता-धर्ताओं ने अर्बन हाट को शुरू करने के लिए इसके डिजाइन में कुछ बदलाव करते हुए स्मार्ट लिमिटेड को प्रजेंटेशन प्रपत्र जमा किया है। इसमें बताया है कि अर्बन हाट में मल्टीप्लेक्स सिनेमा हाल का निर्माण किया जाएगा। ताकि लोगों को एक जगह पर ही खरीदारी के साथ ही मनोरंजन की भी सुविधा मुहैया कराई जा सके। इसकी मंजूरी इसी सप्ताह मिलने की उम्मीद है। इसके बाद अर्बन हाट को शुरू करने के लिए काम तेज कर दिया जाएगा। फर्म ने अर्बन हाट संचालित करने के लिए टेंडर मिलने के बाद इसे शुरू करने के लिए छह माह का समय मांगा था, जो अगस्त माह में पूरा हो जाएगा। अनुबंध के अनुसार फर्म को स्मार्ट सिटी लिमिटेड को सितंबर माह से किराया देना पड़ेगा, जो कि हर साल 6.03 करोड़ रुपये है। यह 30 साल तक का अनुबंध है। उधर, फर्म ने ऑडिटोरियम को शुरू कर दिया है, ताकि इसका जरूरतमंद फायदा उठा सकें। सीईओ स्मार्ट सिटी लिमिटेड संजीव कुमार मौर्य ने बताया कि अर्बन हाट शुरू कराने के लिए फर्म तेजी से काम कर रही है। शहरवासियों की सुविधाओं का ख्याल करते हुए, इसे बनाया गया है। इसका प्रजेंटेशन भी फर्म ने जमा कर दिया है। एजेंसी छह माह का समय ली थी, जो अगले माह पूरा हो जाएगा।

कई सुविधाओं से लैस है अर्बन हाट

स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट से बने करीब 157.67 करोड़ की लागत से अर्बन हाट में स्थानीय जरी-जरदोजी और हस्तशिल्प कारीगरों को सुविधाएं देने लिए जगह दी जाएगी। परिसर में बाजार के साथ मनोरंजन का भी इंतजाम किया गया है ताकि लोगों को आकर्षित किया जा सके। अर्बन हाट में झूलों के साथ ही मल्टीपर्पज हॉल और एग्जीबिशन हॉल, जो विभिन्न प्रदर्शनियों और कार्यक्रमों के लिए होंगे। यहां आने वाले लोगों के लिए 450 गाड़ियों की क्षमता वाली पार्किंग की व्यवस्था की गई है। साथ ही होटल और डारमेट्री होगी। फूड कोर्ट में तरह तरह के व्यंजन का लोग लुत्फ उठा सकेंगे। इसके अलावा पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए वाटर ट्रीटमेंट प्लांट भी बनाया गया है।

बरेली कॉलेज में आज से सीटें होंगी लॉक

बरेली, अमृत विचार: बरेली कॉलेज में स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की सोमवार से सीट लॉक होनी शुरू हो जाएगी। कॉलेज की ओर से 250 विद्यार्थियों को ईमेल और मेसेज भेजकर सीट लॉक कराने आने के लिए कॉलेज में बुलाया है। इसी तरह से रोजाना 250 विद्यार्थियों को बुलाया जाएगा। रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने 31 जुलाई तक महाविद्यालयों को सीट लॉक करने का समय दिया है।

बरेली कॉलेज ने सीट लॉक करने के लिए स्थान निर्धारित किए हैं, जिसमें बीए के छात्रों की एमएड विभाग, छात्राओं की पुस्तकालय, बीएससी जीव विज्ञान के बायोटेक्नोलॉजी विभाग, बीएसी गणित के वनस्पति विज्ञान विभाग, बीकॉम के वाणिज्य विभाग, बीबीबी, बीसीए और बीकॉम ऑनर्स के संबंधित विभाग में ही सीट लॉक होंगी।

वहीं रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने स्नातक अंतिम वर्ष के अधिकांश परिणाम जारी कर दिए हैं। अब परास्नातक में प्रवेश की प्रक्रिया तेज हो जाएगी। परास्नातक में प्रवेश के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ाकर 30 जुलाई निर्धारित की है। इसके बाद महाविद्यालयों को मेरिट जारी कर सीट लॉक करने की तिथि निर्धारित की जाएगी। विश्वविद्यालय ने बीए, बीएससी, बीकॉम और बीबीए के परिणाम जारी कर दिए हैं। कुछ पाठ्यक्रमों के परिणाम आने शेष हैं, जल्द ये भी जारी किए जाएंगे।

अमृत विचार

सोमवार, 28 जुलाई 2025

"उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।"

भीड़ प्रबंधन की जरूरत

हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने से हुई जानलेवा भगदड़ ने एक बार फिर देश में भीड़ प्रबंधन क्षमता की खामियों को उजागर करने के साथ इस सवाल का उत्तर खोजने के लिए विवश कर दिया है कि आखिरकार हमारे धार्मिक स्थलों में इस तरह की भगदड़ क्यों मचती है। ऐसे हादसों में होने वाली मौतों का जिम्मेदार किसे माना जाए? कमी तैयारी और निगरानी में रह जाती है या समूची व्यवस्था ही लापरवाही की भेंट चढ़ जाती है? प्रशासन पिछली घटनाओं से सबक क्यों नहीं लेता? देश के मंदिरों, मेलों और धार्मिक आयोजनों में भगदड़ होना अगर कोई नई बात नहीं है, तो यह भी सही है कि हर हादसा, चाहे वह किसी पर्व या उत्सव के दौरान हुआ हो या अचानक लोगों का हुजूम उमड़ने का नतीजा रहा हो, भीड़ प्रबंधन की नाकाम रणनीति और सरकारी तंत्र की कमजोरी या विफलता ही उजागर करता रहा है। दरअसल, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के भीड़ प्रबंधन से जुड़े दिशा-निर्देशों को छोड़ दें, तो किसी भी राज्य या शहर में भीड़ प्रबंधन का एक जैसा प्रोटोकॉल नहीं है। कोई ऐसा कानून भी नहीं है, जो बड़े धार्मिक और सार्वजनिक आयोजनों को सफलता से क्रियान्वित और प्रबंधित करने की प्रणाली को अनिवार्य बनाता हो। सच तो यह भी है कि राष्ट्रीय और राज्य आपदा प्रबंधन टीमें प्राकृतिक आपदाओं में बढ़िया काम दिखाने के बावजूद भगदड़ जैसे हादसों से निपटने में शायद उतनी कुशल और दक्ष नहीं हैं। इसकी वजह यह भी है कि भगदड़ अचानक कुछ सेकेंड में मचती है और हालात बेकाबू होकर हाथ से निकल जाते हैं।

देश में आमतौर पर किसी भी आयोजन में भीड़ प्रबंधन का काम पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के कंधों पर ही रहता है, लेकिन इनमें से तमाम अधिकारियों के पास भगदड़ नियंत्रण का पर्याप्त प्रशिक्षण और कुशलता नहीं होती है। बेंगलूरू में बीती चार जून को आईपीएल विजेता टीम की विक्ट्री परेड में हुई भगदड़ का सबक नाकाफी योजना ही था, जिसके कारण बड़ी मानवीय कीमत चुकानी पड़ी थी। इससे पहले इसी साल तिरुपति मंदिर, गोवा के श्रीलैराई देवी मंदिर, प्रयागराज महाकुंभ में भगदड़ घटनाएं हमारी व्यवस्था की कमजोर कड़ियों को झकझोर चुकी हैं। हाथरस में तो पिछले साल हुई भगदड़ में 121 लोगों की जान चली गई थी। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं से साफ है कि हमें भीड़ को नियंत्रित करने का तौर-तरीका बदलना होगा। पुलिस बलों को तेजी से बदलते हालात के मुताबिक त्वरित प्रबंधन प्रतिक्रिया करना सीखना होगा। भगदड़ की स्थिति में सबसे आगे खड़े पुलिस कर्मी को रियल टाइम में सही फैसला लेने की क्षमता से लैस करना होगा, जिसकी समझ लगातार मॉक ड्रिल और अभ्यास से ही आती है। पुलिस बलों की कार्यशैली में आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने में दक्षता का स्तर बढ़ाना होगा। तकनीक का बेहतर इस्तेमाल करना सीखना होगा। इसकी मदद से ड्रोन और रियल-टाइम एनालिटिक्स समेत संचार और निगरानी की आधुनिक तकनीक भीड़ का गुब्बारा फटने से पहले आगाह कर सकती है

प्रसंगवश

आंखें खोलने वाला फैसला

देश भर के शैक्षिक संस्थानों और कोचिंग केंद्रों में छात्र-छात्राओं की बढ़ती आत्महत्या की घटनाएं रोकने और उनके मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए सुप्रीम कोर्ट की पहल स्वागत योग्य है। शीर्ष कोर्ट ने इस संबंध में मौजूदा स्थिति को व्यवस्थागत विफलता ठहराते हुए कॉलेजों, कोचिंग संस्थानों और छात्रावासों के लिए 15 बिंदुओं की गाइड लाइन जारी की है। इसमें छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य, काउंसलिंग, शिकायत निवारण और संस्थागत जवाबदेही जैसे अहम उपायों को शामिल किया है। इसमें दो राय नहीं है कि पढ़ाई के बोझ, सामाजिक तानों, मानसिक तनाव और संस्थानों की बेरुखी जैसे कारणों से अगर छात्र-छात्राएं अपनी जान दे रहे हैं, तो बात साफ है कि समूची प्रणाली सवालों के घेरे में है। ऐसा लगता है कि धीरे-धीरे देश की शिक्षा प्रणाली में एक अनकही बेचैनी और अविश्वास की बेल गहराई में जड़ जमा चुकी है। यही वजह है कि वर्तमान परिदृश्य में शिक्षा की मूल आत्मा ही विकृत हो गई है। छात्रों को एक दूसरे से आगे निकलने की अंधाधुंध दौड़ में धकेला जा रहा है। इसके लिए उन पर लगातार मनोवैज्ञानिक दबाव डाला जाता है। लेकिन यह नहीं सिखाया जाता है कि असफलता, निराशा या अनिश्चितता से कैसे निपटना है। सारी पढ़ाई छात्रों को सिर्फ परीक्षाओं के लिए तैयार करने में सिमट गई है।

अमित नारायन

कानपुर

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में इसी और रास्ता दिखाया है, जिससे यह उम्मीद बलवती हुई है कि जल्दी ही शैक्षिक और कोचिंग संस्थानों के लिए मार्गदर्शक नीति के साथ जवाबदेह विधिक प्रणाली सामने आएगी

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट इसी गंभीरता को बयान करती है, जिसके मुताबिक देश में साल 2022 में 13 हजार से ज्यादा छात्र-छात्राओं ने आत्महत्या की थी, जबकि दो दशक पहले साल 2001 में छात्र-छात्राओं की आत्महत्या का आंकड़ा 5,425 ही था। सुप्रीम कोर्ट ने इस रिपोर्ट को बेहद चिंताजनक बताते हुए कहा है कि 2,248 छात्र-छात्राओं ने सिर्फ इसलिए जान दे दी, क्योंकि वे परीक्षा में फेल हो गए थे। यह स्थिति देश के बीमार हो चुके शैक्षिक परिस्थितिकी तंत्र में न्यायपालिका को हस्तक्षेप करने के लिए बाध्य करती है। ऐसे में शीर्ष कोर्ट का यह कहना गलत नहीं है कि जिस किसी संस्थान की लापरवाही से कोई छात्र या छात्रा आत्महत्या करती है, तो उस संस्थान को कानूनी व प्रशासनिक रूप से जिम्मेदार ठहराया ही जाना चाहिए। शैक्षिक संस्थानों की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय करने के लिए ही शीर्ष कोर्ट ने सभी राज्यों को 60 दिनों के भीतर सुरक्षा मानदंड, काउंसिलिंग तथा शिकायत निवारण तंत्र बनाने वाले नियम-कानून अधिसूचित करने का आदेश दिया है। बात साफ है कि छात्र-छात्राओं के लिए एक ऐसी सहायता प्रणाली या व्यवस्था बनानी होगी जो उन्हें संभाल सके और मौजूदा हालात से बचाने वाला सुरक्षा कवच प्रदान कर सके। यह काम देश में एक जिम्मेदार नियामक ढांचा बनाकर ही किया जा सकता है, तभी पढ़ाई के बोझ, मनोवैज्ञानिक तनाव, उत्पीड़न, सामाजिक कलंक, संस्थागत असंवेदनशीलता जैसे कारणों से होने वाली युवाओं की असमय मौतों की रोकथाम का रास्ता सुनिश्चित हो सकेगा।

इस आम धारणा के विपरीत कि अधिकतर छात्र-छात्राएं खराब शैक्षणिक प्रदर्शन के कारण अपनी जान देते हैं, आत्महत्या की घटनाओं में कई बार अन्य कारक भी शामिल रहते हैं, जैसे रिश्ता टूटना, आत्म सम्मान को ठेस, सामाजिक अलगाव तथा पारिवारिक एवं मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं। वैसे जहां तक शैक्षिक संस्थानों में परामर्शदाताओं, मनोचिकित्सकों और अन्य मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता की बात है, तो हालात पहले की तुलना में अब काफी कुछ बेहतर हुए हैं, और यह भी सही है कि शीर्ष शैक्षिक संस्थानों में घटित होने वाली आत्महत्याओं के मुकाबले कहीं अधिक विद्यार्थियों को आत्महत्या करने से रोकने में सफलता भी मिली है, लेकिन इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि इस मामले में हमें अभी और भी बहुत कुछ करने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में इसी और रास्ता दिखाया है, जिससे यह उम्मीद बलवती हुई है कि जल्दी ही शैक्षिक और कोचिंग संस्थानों के लिए मार्गदर्शक नीति के साथ जवाबदेह विधिक प्रणाली सामने आएगी।

संबंध सुधारने की नई नीति का संकेत है मोदी का मालदीव दौरा

अनिल यादव

वरिष्ठ पत्रकार

मालदीव के चीन की ओर झुकाव को एक दुस्साहसिक घटनाक्रम के रूप में देखा गया क्योंकि इस देश का कुल इलाका नब्बे हजार वर्ग किलोमीटर का है जिसका 96 प्रतिशत भाग समुद्र से घिरा हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कई ऐसे काम किए हैं जो इससे पहले किसी प्रधानमंत्री ने नहीं किए। इनमें से एक चारो ओर समुद्र से घिरे छोटे से पड़ोसी देश मालदीव का हालिया दौरा है जहां वह स्वाधीनता दिवस के मुख्य अतिथि के रूप में गए। वह पहले ऐसे प्रमुख विदेशी नेता भी हैं जिनकी अगवानी पौने दो साल पहले सत्ता में आए मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने की। महत्वपूर्ण यह है कि कट्टर चीन समर्थक मोहम्मद मोइज्जू ने अपने चुनाव अभियान में 'इंडिया आउट' यानि भारत को अपने देश से बाहर करने का नारा दिया था। इस दौरे को विदेश नीति में एक बदलाव के रूप में देखा जा रहा है जिसके चलते भारत खुद अपने निकटतम पड़ोसी देशों से संबंध सुधारने की पहल कर रहा है।

पहलगाम की आतंकी कार्रवाई के बाद बीती मई के पहले सप्ताह में भारत ने पाकिस्तान पर मिसाइल हमले किए जिनके बीच में अचानक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने युद्ध विराम का दावा कर दिया। मोदी के प्रतिवाद के बावजूद ट्रंप की ओर से भारत की संप्रभुता की तौहीन करने वाले इस तरह के दावे अब तक जारी हैं। इस सैन्य झड़प के समय भारत के परंपरागत मित्रों ने अपना समर्थन जताने में परहेज किया। इसके बाद दुनिया के सामने भारत का पक्ष रखने के लिए एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विदेश यात्रा पर गया लेकिन सरकार उसकी मुलाकात राष्ट्राध्यक्षों या विश्व राजनीति के प्रभावशाली लोगों से करा पाने में विफल रही। इस दौरान पाकिस्तान को अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, एशियाई विकास बैंक जैसी संस्थाओं से बड़ी वित्तीय सहायता मिली और संयुक्त राष्ट्र के आतंकवाद मामलों के पैनल में उपाध्यक्ष पर पाकिस्तान के प्रतिनिधि को नियुक्ति भी मिल गई। इन घटनाक्रमों से सीधा नतीजा निकाला गया कि भारत कूटनीतिक रूप से अलग-थलग पड़ता जा रहा है। भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर के चीन दौरे के बाद प्रधानमंत्री के पहली बार मालदीव जाने को सबसे पहले पड़ोसियों से संबंध सुधारने की पहल के रूप में देखा जा रहा है।

यह मालदीव दौरा भी पुराने विवादों से अछूता नहीं रहा। इसी समय मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू के नजदीकी रिश्तेदार और धार्मिक संगठन सलफ जमीयत के अध्यक्ष अब्दुल्लाह बिन मोहम्मद इब्राहिम ने ट्विटर पर कथित तौर पर मोदी को मुस्लिम विरोधी बताते हुए एक टिप्पणी की और बाद में इस पोस्ट को डिलीट कर दिया। भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा है कि हमने पहले भी इस तरह की टिप्पणियों की परवाह नहीं की है और भारत-मालदीव संबंधों का भविष्य अच्छा है। मालदीव के पिछले चुनाव में मोइज्जू की भारी जीत में इस तरह के बयानों ने अहम भूमिका निभाई थी और उन्हें वहां के किसी भी पूर्व राष्ट्रपति की तुलना में अधिक चीन समर्थक माना जाता है।

मालदीव के चीन की ओर झुकाव को एक दुस्साहसिक घटनाक्रम के रूप में देखा गया क्योंकि इस देश का कुल इलाका नब्बे हजार वर्ग किलोमीटर का है जिसका 96 प्रतिशत भाग समुद्र से घिरा हुआ है। जलवायु परिवर्तन के मद्देनजर विशेषज्ञों ने भविष्यवाणी कर रखी है कि 2050 तक मालदीव का अस्सी प्रतिशत भाग समुद्र में डूब जाएगा। तब वह अपने निवासियों की जान बचाने के लिए निकटम पड़ोसी भारत के अलावा किससे और सहायता मांगेगा जिसकी दूरी 70 नॉटिकल मील है। भारत मान कर चल रहा था कि भूगोल ही दोनों देशों का भाग्य है जिससे बचा नहीं जा सकता। मालदीव हर मामले में भारत पर निर्भर रहा है। भारतीय स्टेट बैंक अब भी इस द्वीप का सबसे बड़ा बैंक है जिसने यहां पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था विकसित करने में सबसे बड़ा योगदान दिया है।

मालदीव पर आए अब तक के तीन बड़े संकटों में भारत ही पहला मददगार रहा है। ये संकट थे 1988 का सैन्य तख्ता पलट, 2004 की सुनामी और 2014 का पेयजल संकट। वहां की स्वास्थ्य सेवाएं और शिक्षा का ढांचा भारतीय डाक्टरों और शिक्षकों का खड़ा किया हुआ है। अब भी दूर-दराज के द्वीपों तक में वही काम कर रहे हैं। व्यापार और पर्यटन के मामले में भारत सबसे बड़ा साझेदार है। चावल, आटा, आलू, चीनी, अंडे समेत बालू और भवन निर्माण सामग्रियों की सप्लाई भारत से ही होती है। दिक्कत भारत की सत्ताधारी पार्टी की मुसलमानों से संबंधित नीति से शुरू होनी शुरू हुई जो पिछले वर्षों में मुसलमानों पर भीड़ के द्वारा किए जाने वाले हमलों और हिंदुत्ववादी नेताओं के बयानों के चलते अब काफी जटिल हो चुकी है। मालदीव एक धार्मिक रंगत वाला देश है। वहां के संविधान के मुताबिक सिर्फ सुन्नी मुसलमान ही वहां के नागरिक हो सकते हैं। मुसलमानों के अन्य फिरकों को भी वहां बसने की इजाजत नहीं है।

भारत की मुश्किल यह है समुद्र के रास्ते आतंकवाद, मालवाहक पोतों पर डकैती, नशीले पदार्थों के कारोबार और समुद्र में होने वाले अन्य अपराधों पर रोकथाम के लिए मालदीव की रणनीतिक स्थिति एक चेकपोस्ट की तरह है जिस पर चीन का नियंत्रण बढ़ता जा रहा है। पूर्व राष्ट्रपति यामीन के शासन के दौरान चीन समर्थक नीति अपनाई गई जिसके बाद से कर्जों का जाल बढ़ता गया है। पर्यटन से आय के कारण यह एशिया में प्रति व्यक्ति सबसे अधिक आमदनी वाला देश है इसलिए चीनी कर्जों का दुष्प्रभाव अभी नहीं दिखाई दे रहा है। भारत और मालदीव के पुराने आपसी एतिहासिक-राजनीतिक संबंधों का आधार परस्पर निर्भरता हुआ करती थी लेकिन चीन के साथ संबंधों की बुनियाद में पैसा या अर्थव्यवस्था है।

आमने

भाजपा सांसद गुलाम अली खटाना ने कहा, "भारतीय गठबंधन, खासकर कांग्रेस, की मानसिकता इतनी गिर गई है कि उन्होंने चुनाव आयोग को भी निशाना बनाना शुरू कर दिया है। जहां वे चुनाव जीतते हैं, वहां चुनाव आयोग और वोटिंग मशीनें ठीक हैं, लेकिन जहां वे हारते हैं, वहां वे संदेह पैदा करते हैं।

सामने

कांग्रेस नेता आशुतोष चटर्जी ने कहा, यह भाजपा के नेतृत्व में चुनाव आयोग द्वारा की गई धांधली है। 65 लाख नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। राहुल गांधी और पूरी कांग्रेस ने इसका विरोध किया। इसलिए, दक्षिण कलकत्ता जिला कांग्रेस के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया। वे पश्चिम बंगाल में एसआईआर मॉडल लागू करने की साजिश कर रहे हैं।

कंबोडिया-थाईलैंड के बीच तनाव

राजेश जैन

कोटा

थाईलैंड का आरोप है कि कंबोडिया ने बीएम-21 रॉकेट लॉन्चर से पहले हमला किया। वहीं कंबोडिया का दावा है कि थाई सैनिकों ने बिना उकसावे के आक्रामकता दिखाई और हवाई हमले किए।

दक्षिण-पूर्व एशिया एक बार फिर अशांत है। कंबोडिया और थाईलैंड खतरनाक सीमा संघर्ष में उलझ गए हैं। अब तक 27 लोगों से ज्यादा की मौत हो चुकी है और हजारों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं। इस बार भी विवाद की जड़ वही पुरानी है-प्रीह विहेयर मंदिर। हजारों साल पुराना यह मंदिर खमेर साम्राज्य की धरोहर है, लेकिन इस पर मालिकाना दावा थाईलैंड और कंबोडिया दोनों करते हैं। 1962 में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने इसे कंबोडिया का हिस्सा माना था, पर थाईलैंड ने यह फैसला पूरी तरह स्वीकार नहीं किया।

वैसे भी 817 किलोमीटर लंबी थाई-कंबोडिया सीमा पर दशकों से विवाद चला आ रहा है। इसकी जड़ें फ्रांसीसी औपनिवेशिक काल के नक्शों में हैं। 1907 में बने नक्शों को थाईलैंड अब भी विवादित मानता है। कंबोडिया का कहना है कि प्रीह विहेयर और ता मुएन थोम जैसे ऐतिहासिक मंदिर उसके क्षेत्र में आते हैं, वहीं थाईलैंड इन्हें अपनी सांस्कृतिक विरासत मानता है।

2008 से 2011 के बीच इसी विवाद पर हुई झड़पों में 34 लोगों की मौत हो गई थी। 2025 की चिंगारी तब भड़की जब एक कंबोडियाई सैनिक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। 24 जुलाई को हालात और बिगड़ गए जब ता मुएन थोम मंदिर के पास भारी गोलीबारी और हवाई हमले हुए।

थाईलैंड का आरोप है कि कंबोडिया ने बीएम-21 रॉकेट लॉन्चर से पहले हमला किया। वहीं कंबोडिया का दावा है कि थाई सैनिकों ने बिना उकसावे के आक्रामकता दिखाई और हवाई हमले किए। फिलहाल थाईलैंड ने सीमाएं सील कर दी हैं और कंबोडिया ने भी थाईलैंड से आने वाले आयात-जैसे फल, सब्ज़ियां, गैस और फिल्मों-पर रोक लगा दी है।

कंबोडिया पहले से ही चीन के प्रभाव में है। पूर्व प्रधानमंत्री हुन सेन और वर्तमान प्रधानमंत्री हुन मानेट दोनों को चीन का भरोसेमंद साथी माना जाता है। यही वजह है कि चीन इस पूरे घटनाक्रम में शांत तो है, पर उसकी मौजूदगी हर स्तर पर महसूस की जा सकती है।

दक्षिण कंबोडिया में चीन द्वारा विकसित किया गया रीम नौसैनिक अड्डा अमेरिका और भारत जैसे देशों के लिए चिंता का विषय है। माना जाता है कि ऐसे ठिकाने दक्षिण चीन सागर से लेकर हिंद महासागर तक चीन की सामरिक पहुंच बढ़ा सकते हैं। थाईलैंड लंबे समय से अमेरिका का रणनीतिक साझेदार रहा है और कोबरा गोल्ड जैसे संयुक्त सैन्य अभ्यासों में अमेरिका के साथ बढ़-चढ़कर हिस्सा लेता है। लेकिन बीते वर्षों में चीन से उसके आर्थिक और सैन्य रिश्ते भी गहरे हुए हैं। अगर चीन इस टकराव में मध्यस्थ बनता है, तो वह अमेरिका के प्रभाव को तो काफी हद तक कम कर ही सकता है, साथ ही दोनों देशों के साथ व्यापार और निवेश को भी अपनी शर्तों पर आगे बढ़ा सकता है।

भारत की चिंताएं और कूटनीतिक चुनौती-भारत के लिए यह संघर्ष कई वजहों से चिंता का कारण है। थाईलैंड 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' का मुख्य प्रवेश द्वार है, जबकि कंबोडिया 'मेकोंग-गंगा सहयोग' में एक अहम साझेदार। भारत ने दोनों देशों में डिजिटल कनेक्टिविटी, सांस्कृतिक परियोजनाओं और रणनीतिक संवादों पर काम किया है। लेकिन अगर दोनों देशों के बीच यह तनाव लंबा चलता है, तो भारत की कूटनीतिक स्थिति अस्थिर हो सकती है। भारत को संतुलन साधना होगा-दोनों पक्षों से संबंध बनाए रखते हुए अपने हितों की रक्षा करनी होगी। भारत को चाहिए कि वह आसियान के साथ संवाद और सहयोग को और मजबूत करे। मेकोंग-गंगा सहयोग के तहत थाईलैंड और कंबोडिया दोनों में सांस्कृतिक और विकास परियोजनाओं को गति दे। क्षेत्रीय मंचों का उपयोग करके सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था पर संवाद बढ़ाना भारत की प्राथमिकता होनी चाहिए। साथ ही भारत को स्पष्ट संदेश देना चाहिए कि क्षेत्रीय स्थिरता में उसका सीधा हित है और वह किसी भी बाहरी दबाव के खिलाफ अपने साझेदारों के साथ खड़ा रहेगा।

कंबोडिया ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से आपात बैठक की मांग की है और मामला फिर से अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में ले जाने की तैयारी कर रहा है। लेकिन थाईलैंड ने अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के अधिकार को नकारते हुए सिर्फ द्विपक्षीय बातचीत पर जोर दिया है। इसके लिए उसने पहले युद्धविराम की शर्त रखी है। इस तनाव को सुलझाने के लिए अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता की भूमिका अहम हो सकती है। अगर चीन इस संघर्ष में 'शांति-निर्माता' बनकर उभरता है, तो वह दक्षिण-पूर्व एशिया में अमेरिका की साख को और कमजोर करेगा और भारत की रणनीतिक स्थिति पर भी असर डालेगा।

सामयिकी

सर्वोच्च न्यायाधीश है प्रकृति

सभ्य समाज को बांधकर रखने वाला सबसे महत्वपूर्ण तत्व न्याय है। न्याय व्यवस्था पर हमारे विश्वास ने ही सामाजिक व्यवस्था की गतिशीलता और क्रियाशीलता को बनाए रखा हुआ है। हालांकि रोजमर्रा के दैनिक जीवन में अनेक ऐसे अवसर आते हैं जब बाह्य न्याय व्यवस्था पर हमारा विश्वास खंडित होने लगता है। उस स्थिति में हताश और बेबस व्यक्ति के मन से बस एक ही वाक्य निकलता है कि अब ईश्वर/प्रकृति न्याय करेगी और यह सत्य भी है कि बाह्य न्याय व्यवस्था की तमाम खामियों के बावजूद प्रकृति की न्याय व्यवस्था सटीक, वस्तुनिष्ठ और परिशुद्ध है।

बीना नयाल

दिल्ली

बाह्य न्याय व्यवस्था की ही भांति प्रकृति का न्याय भी कई बार त्वरित और कई बार देरी से होता है परंतु होता अवश्य है। बाह्य न्याय व्यवस्था आपके दोष सिद्ध होने पर आपको केवल शारीरिक और मानसिक कष्ट पहुंचाती है परंतु प्रकृति की न्याय व्यवस्था तो कई बार मौन कुल्हाड़ी की भांति आपकी आत्मा को ही लहूलुहान कर देती है।

मेरे दिवंगत पिताजी यह कहानी सुनाया करते थे कि उनके एक जानकार पेंशन विभाग में कार्यरत उच्च अधिकारी थे। रोज दफ्तर में पेंशन बनवाने के कार्य से अनेकों परेशान वृद्धजन अपनी समस्याएं लेकर आते थे जिनकी लाचारी का फायदा उठाकर वे मनमानी वसूली किया करते थे। वसूली करते हुए उन्होंने आय के अतिरिक्त काफी धन संपत्ति एकत्रित कर ली थी। उनका एक विकलांग बेटा था। देखने में सुदर्शन, पढ़ने में औसत के साथ वाणी व सुनने में सीमित शक्ति। अधिकारी की इच्छा थी कि उनके पद पर रहते बालक कहीं सरकारी सेवा में नियुक्त हो जाए। विकलांग कोटा तो था ही। लेकिन जब विकलांग कोटा में भी पेपर पास नहीं हुआ तो नौकरी के लिए मोटी रकम रिश्वत में दी और लगे हाथ धूमधाम से बेटे का विवाह किया लेकिन बेटे की विकलांगता के कारण साल भर में ही बेटे का विवाह विच्छेद हो गया।

अधिकारी भी सेवानिवृत हो गए। अपने जीवन भर की उपरी कमाई का नफा नुकसान लगाया तो वह लगभग उतना ही था जितना बेटे की नौकरी में रिश्वत और विवाह में खर्च हुआ। कुल मिलकर परेशान और असहाय वृद्ध लोगों की बददुआओं ने उनके पुत्र रूपी आत्मा पर आघात किया। वहीं एक मेरे भी एक परिचित है जिन्होंने जीवन भर नौकरी में ईमानदारी से अपने कर्तव्यों को पूरा किया और सरल, सदव्यवहार के कारण कई बार सहकर्मियों ने काम के मामले में उनका शोषण भी किया परंतु मित्र अपने सदाचार से डिगे नहीं। प्रकृति ने उनको सुयोग्य व सफल संतान के रूप में पुरस्कृत किया। आज बेटा मल्टीनेशनल कंपनी में उच्च पद पर आसीन है और बेटी राज्य प्रशासनिक अधिकारी है। दोनों ही उद्धरणों में प्रकृति न्यायाधीश की भूमिका में है। आप अपने गलत कर्मों को सबसे छुपा सकते हैं लेकिन अपनी अंतरात्मा और प्रकृति से नहीं।

प्रकृति के पांचो तत्व पंचों की भांति आपके कर्मों को अवलोकन कर रहे हैं। उन्हें विभिन्न कसौटियों पर परख रहे हैं और कर्म रूपी वृक्ष के पुष्पित फलित होने पर फल जब परिपक्व होकर जब आपकी गोद में गिरता है तो उसकी तीक्ष्णता और मृदुलता की तीव्रता आपके द्वारा रोपित बीजों पर निर्भर है। शिशुपाल वध के लिए भगवान श्रीकृष्ण के सुदर्शन चक्र का प्रयोग करके के दौरान उंगली कटने पर द्रौपदी ने अविलंब आंचल का जो चीर बांधा, ईश्वर ने वही चीर वस्त्र हरण के समय कई गुना कर द्रौपदी की लाज बचाने हेतु लौटाया। कर्मों का खेल भूल भुलैया की भांति ना समझने वाले के लिए जटिल और क्लिष्ट है तो अर्जुन की भांति भक्त के लिए अत्यंत सरल और बोधगम्य है।

सोशल फोरम

राजनीति भी सरकारी नौकरियों की तरह

देश में ट्रक बनाने वाली दो प्रमुख कंपनियां टाटा और अशोक लेलैंड हैं। वी एफ जे में काम करने के दौरान अशोक लेलैंड के कुछ सीनियर अफसरों से मिलने पर पता चलता था कि वे अशोक लेलैंड में आने के पहले 20-30 साल टाटा में काम कर चुके थे। बाद में उन्नति के लिए उन्होंने कंपनी बदली। प्राइवेट संस्थानों में उन्नति के लिए कुछ साल बाद कंपनी बदलने का चलन आम बात है। नौकरी वहां 'कांट्रैक्ट मैरिज' टाइप होती है। सरकारी नौकरियां हिंदुस्तानी विवाह की तरह होती हैं। नौकरी करने वाला इंसान हिंदुस्तानी बहुओं की तरह होता है। जिस घर मे डोली आई वहीं से अर्थी निकलने की तर्ज पर जहां ज्वाइन करता है वहीं से रिटायर मेंट लेता है। पहले की राजनीति भी आमतौर पर सरकारी नौकरियों की तरह करते थे लोग। जिस दल, विचार धारा से शुरू करते थे, आमतौर पर उसी से जुड़े रहते थे। इधर सरकारी नौकरियां तेजी से कम हुई हैं। काम चलाने के लिए कांट्रैक्ट वर्कर का चलन बढा है। ठिकाना नहीं कि कब निकाल दिए जाएं। राजनिति में भी प्राइवेटाइजेशन बढ़ा है। लोग मौका देखकर धुर विरोधी पार्टी में शामिल होने में गुरेज नहीं करते। बल्कि मौके पर पार्टी और स्टैंड बदल लेना सबसे बड़ी समझदारी मानी जाती है। जिसको गरियाते हुए सत्ता में पाई बाद में उसी के साथ सरकार बनाना सफल और समझदार राजनीतिज्ञ की निशानी है।

अनूप शुक्ल

कानपुर

देश के राजनीतिज्ञ समझदार होते जा रहे हैं। वे ठेके पर काम करने वाले मजदूरों की तरह काम करने लगे हैं। जो ठेकदार रोजी-रोटी देगा उसी के जुड़कर जनता की सेवा करने पर मजबूर है। आज राजनीति का सबसे बड़ा ठेकेदार बाजार है। क्या पक्ष क्या विपक्ष सब बाजार के इशारे पर उठते-बैठते, हिलते-डुलते हैं। बाजार के इशारे पर पक्ष-विपक्ष आपस में ग्लेडियेटर की तरह लड़ने का नाटक करते हैं। बाजार दोनों में से किसी को मरने नहीं देता। जिंदा रखता है दोनों को। आखिर दोनों को बनाने में उसका ही पैसा लगता है। जनता बेचारी इन्हीं लोगों से अपनी सेवा कराने को मजबूर है। जिसको वह अपनी सेवा के लिए चुनती है वह अगर बाजार को पसंद नहीं आता तो वह उसे बदल देता है। आखिर सेवक चुनने में पैसा तो उसी का लगता है। इसलिए जनता का सेवक चुनने का हक भी उसी को है। जनता को तो बस सेवा से मतलब होना चाहिए। सेवक कौन होगा यह तय करना बाजार का काम है।

-फेसबुक वॉल से

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- bly.editor@amritvichar.com, info@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

व्हील्स

आज की युवा पीढ़ी न केवल स्टाइलिश लुक चाहती है, बल्कि दमदार परफॉर्मेंस और माइलेज का भी ख्याल रखती है। यही कारण है कि मोटरसाइकिल कंपनियां युवाओं के लिए लगातार नए-नए फीचर से लैस बाइक मॉडल ला रही हैं। भारत में 150 सीसी से लेकर 350 सीसी सेगमेंट की बाइकों की मांग सबसे ज्यादा है। आइए जानते हैं आज के युवाओं की सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली बाइकों के बारे में

युवाओं की पहली पसंद बनीं स्टाइलिश व दमदार बाइकें

रॉयल एनफील्ड हंटर 350

- रॉयल एनफील्ड का नाम ही रॉयल है और इसकी हंटर 350 बाइक आज युवाओं की पहली पसंद बन चुकी है। कंपनी की सबसे किफायती बाइक्स में शामिल यह मॉडल अगस्त 2022 में लांच हुआ था। आज यह न केवल देश में बल्कि विदेशों में भी अपनी धाक जमा चुकी है। हंटर 350 में 350 सीसी का सिंगल सिलेंडर इंजन है, जो 27 एनएम टॉर्क जनरेट करता है। इसका वजन 181 किलोग्राम है। यह दो वेरिएंट्स – रेट्रो (स्पोक रिम, ट्यूब टायर) और मेट्रो (एलॉय व्हील) में आती है। यह बाइक आठ आकर्षक रंगों में उपलब्ध है। 35–40 किमी/लीटर का माइलेज, दमदार परफॉर्मेंस और स्टाइलिश डिजाइन के चलते यह भारत ही नहीं, विदेशों में भी धूम मचा रही है। हंटर 350 को रॉयल एनफील्ड की अब तक की सबसे फुर्तीली और ट्रेंडी बाइक माना जा रहा है।

कीमत
1.50
लाख रुपये से शुरू

माइलेज
35-40
किमी प्रति लीटर

क्यों खास
स्टाइलिश लुक, रेट्रो डिजाइन, रॉयल एनफील्ड ब्रांड की विरासत

बजाज पल्सर एन160

बजाज पल्सर एन160 नई पीढ़ी की एक स्टाइलिश और मस्क्युलर बाइक है। जो परफॉर्मेंस, सेफ्टी और डिज़ाइन का बेहतरीन मेल पेश करती है। इसमें 165सीसी का ऑयल–कूल्ड इंजन दिया गया है, जो शानदार पावर और स्मूथ राइडिंग का अनुभव देता है। यह बाइक डुअल चैनल एबीएस के साथ आती है, जो ब्रेकिंग के दौरान बेहतर कंट्रोल और सुरक्षा सुनिश्चित करता है। इसका ऑल–ब्लैक लुक, एलईडी प्रोजेक्टर हेडलाइट, स्लीक टेललाइट और स्पोर्टी बॉडी इसे युवाओं के बीच और भी आकर्षक बनाते हैं। इसकी बेहतर ग्राउंड क्लियरेंस और सस्पेंशन सेटअप खराब रास्तों पर भी आरामदायक राइड देते हैं। हालांकि इसमें ब्लूटूथ कनेक्टिविटी या स्मार्ट जोनेक्ट जैसे स्मार्ट फीचर्स नहीं हैं। लेकिन इसकी ताकतवर परफॉर्मेंस, दमदार लुक और बजट फ्रेंडली प्रकृति इसे एक भरोसेमंद मिड–साइज बाइक बनाती है।

कीमत
1.30
लाख रुपये से शुरू

माइलेज
40-45
किमी प्रति लीटर

क्यों खास
डुअल चैनल एबीएस, दमदार ब्रेकिंग, नया इंजन ट्यून

केटीएम ड्यूक 200

- केटीएम ड्यूक 200 एक प्रीमियम स्पोर्ट्स नेकेड बाइक है। जो युवाओं के बीच अपनी रफ्तार, स्टाइल और एग्रेसिव डिज़ाइन के लिए जानी जाती है। इसका 199 .5 सीसी का लिक्विड–कूल्ड, सिंगल–सिलेंडर इंजन जबरदस्त पावर और तेज़ पिक–अप देता है, जो शहर की सड़कों से लेकर हाईवे तक शानदार प्रदर्शन करता है। हल्का ट्रेलिस फ्रेम और बेहतर वज़न संतुलन इसे स्टंट और ट्रैफिक दोनों के लिए उपयुक्त बनाता है। इसमें मिलने वाली शानदार रोड ग्रिप, डब्ल्यूपी सस्पेंशन, एलईडी लाइट्स और डिजिटल डिस्प्ले इसे और भी प्रीमियम फील देते हैं। बाइक का आक्रामक लुक और ऑरेंज–सिग्नेचर थीम इसे यूथ आइकन बना देती है। हालांकि, इसका माइलेज थोड़ा कम है और मेंटेनेंस कॉस्ट अपेक्षाकृत ज्यादा हो सकता है। फिर भी, स्पीड और स्पोर्टी एक्सपीरियंस चाहने वालों के लिए यह बाइक एक बेहतरीन विकल्प है।

कीमत
1.96
लाख रुपये से शुरू

माइलेज
33–35
किमी प्रति लीटर

क्यों खास
रेसिंग डीएनए, अडवेंचरस लुक, टॉर्की इंजन

टीबीएस अपाचे आरटीआर-160 4वी

टीबीएस अपाचे आरटीआर–160 4वी एक स्पोर्टी, किफायती और फीचर–लोडेड बाइक है। जो खासकर युवा राइडर्स के बीच बेहद लोकप्रिय है। इसका 159 .7 सीसी का ऑयल–कूल्ड इंजन बेहतरीन पावर और माइलेज का संतुलित अनुभव देता है। जिससे यह शहर और हाईवे दोनों पर दमदार प्रदर्शन करती है। बाइक में स्मार्ट जोनेक्ट तकनीक के साथ ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, गियर शिफ्ट इंडिकेटर, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और तीन राइडिंग मोड्स जैसे मॉडर्न फीचर्स मिलते हैं। इसका मस्कुलर टैंक और एग्रेसिव ग्राफिक्स इसे एक प्रीमियम स्पोर्ट्स लुक देते हैं। टीवीएस की विश्वसनीयता, कम मेंटेनेंस कॉस्ट और किफायती सर्विस इसे कॉलेज स्टूडेंट्स और डेली कम्यूटर के लिए परफेक्ट चॉइस बनाते हैं। यह बाइक उन लोगों के लिए है जो स्टाइल, परफॉर्मेंस और बजट – तीनों को एक साथ पाना चाहते हैं।

कीमत
1.25
लाख रुपये से शुरू

माइलेज
40-45
किमी प्रति लीटर

क्यों खास
ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, सस्पेंशन और बैलेंस का बेहतरीन कॉम्बिनेशन

यामाहा आर-15 वी-4

- यामाहा आर–15 वी–4 एक स्पोर्टी और स्टाइलिश बाइक है। जो खास तौर पर युवाओं के बीच बेहद लोकप्रिय है। इसका 155 सीसी का लिक्विड–कूल्ड, 4–स्ट्रोक वीवीए इंजन शानदार पिक–अप और स्मूद परफॉर्मेंस देता है। यह न सिर्फ तेज़ रफ्तार में बेहतरीन स्थिरता देता है, बल्कि माइलेज के मामले में भी अच्छा विकल्प माना जाता है। इसमें मिलने वाले ट्रैक्शन कंट्रोल सिस्टम, डुअल चैनल एबीएस, स्लिपर क्लच और एलईडी हेडलाइट्स जैसे एडवांस फीचर्स इसे एक प्रीमियम स्पोर्ट्स बाइक बनाते हैं। बाइक का डिज़ाइन पूरी तरह से रेसिंग इंस्पायर्ड है, जिसमें एग्रेसिव फ्रंट, एयरोडायनामिक बॉडी और स्टाइलिश ग्राफिक्स दिए गए हैं। इसका डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और ब्लूटूथ कनेक्टिविटी जैसे स्मार्ट फीचर्स भी युवाओं को खूब लुभाते हैं।

कीमत	माइलेज	क्यों खास
1.82 लाख रुपये से शुरू	40–45 किमी प्रति लीटर	डुअल एबीएस, ट्रैक्शन कंट्रोल, एलईडी हेडलाइट्स

* बाइकों के प्राइस सभी प्रदेशों में अलग हो सकते है।

बाजार दिखा बड़ा लेकिन खरीदार है छोटा

टिक पाएगी टेस्ला इंडिया में!

मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स की चमचमाती सड़कें, शीशे के भव्य शोरूम में खड़ी एक कार और बाहर भीड़ का उत्साह 15 जुलाई की सुबह कुछ ऐसी ही थी, जब भारत में टेस्ला ने आधिकारिक तौर पर कदम रखा। टेस्ला यानी उस सपने का नाम, जो अमेरिका में नवाचार की पहचान बन चुका है। लेकिन भारत में यह सपना साकार होगा या फिर वही हश्र होगा जो पहले भी कई विदेशी कंपनियों का हुआ, यही सवाल आज देश का हर गंभीर ऑटो विशेषज्ञ पूछ रहा है। टेस्ला की Model Y भारत में लॉन्च हुई है, जिसकी कीमत 60 लाख से 70 लाख के बीच है। यह गाड़ी आम आदमी के सपनों से कहीं दूर है, और इसीलिए यह चर्चा का विषय बन गई है। भारत में जहां कारों की औसत कीमत 11.5 लाख है, वहीं टेस्ला की शुरुआती कीमत छह गुना अधिक है। सवाल यह नहीं कि टेस्ला महंगी क्यों है, सवाल यह है कि भारत जैसे मूल्य-संवेदनशील बाजार में क्या यह टिक पाएगी?

टेस्ला को बनानी होगी जगह

- भारत में गाड़ी खरीदना केवल यात्रा का जरिया नहीं, यह स्टेटस सिंबल भी है। लेकिन स्टेटस के साथ–साथ भारतीय ग्राहक "वैल्यू फॉर मनी" भी चाहता है। भारत में आज भी SUV सेक्टर में 20–30 लाख की रेंज में टाटा, महिंद्रा और हुंडई जैसी कंपनियों का बोलबाला है। टेस्ला अगर इस रेंज में आती तो शायद बड़ी हलचल मचती, लेकिन 60 लाख से ऊपर की रेंज में वो खरीदारों का एक सीमित तबका ही पकड़ सकती है। और यह सीमित तबका भी टेस्ला के लिए आसान नहीं होगा। भारत में मर्सिडीज–बेंज, बीएमडब्ल्यू और पोर्शे पहले से इस प्रीमियम सेगमेंट में मौजूद हैं। साल 2024 में भारत में 50 लाख से ऊपर की गाड़ियों की हिस्सेदारी मात्र 1 से 1.5% थी। यानी 100 में से सिर्फ एक या दो खरीदार ही इस रेंज में खर्च करते हैं। टेस्ला को इन्हीं के बीच अपनी जगह बनानी होगी।

भारत की ईवी नीति और इंपोर्ट टैक्स बड़ी चुनौती

भारत की EV नीति और इंपोर्ट टैक्स भी टेस्ला के लिए बड़ी चुनौती हैं। फिलहाल जो मॉडल लॉन्च किए गए हैं, वे चीन की शंघाई फैक्ट्री से आयातित हैं। भारत में इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर 70% से ज्यादा इंपोर्ट ड्यूटी लगती है। यही कारण है कि टेस्ला की कीमतें भारत में दो गुना हो जाती हैं। अगर कंपनी भारत में मैन्युफैक्चरिंग शुरू करती है और सरकार की नई EV नीति के तहत 4,150 करोड़ का निवेश करती है, तो उसे इंपोर्ट ड्यूटी में राहत मिल सकती है। लेकिन मस्क इस पर अब तक कोई साफ संकेत नहीं दे पाए हैं। अब बात करें ब्रांड के भावनात्मक पक्ष की। भारत में आईफोन जैसे महंगे ब्रांड्स की भी सीमित पहुंच है। आज भी भारत में एप्पल की बाजार हिस्सेदारी केवल 7–12% है, जबकि अमेरिका में यह 40% के आसपास है। इसका सीधा अर्थ है कि भारत के मध्यम वर्ग में महंगे ब्रांड्स का क्रेज तो है, लेकिन जेब उतनी मजबूत नहीं। ऐसे में टेस्ला को भी वही चुनौती झेलनी होगी, जो एप्पल झेल रही है "ब्रांड दिखे, पर बिके नहीं।" उद्योग जगत भी इस एंट्री को लेकर सतर्क है। एक प्रमुख भारतीय ऑटोमोबाइल ग्रुप के अध्यक्ष ने तो एलन मस्क को सोशल मीडिया पर चुनौती देते हुए लिखा "चार्जिंग स्टेशन पर मिलते हैं!" यह सिर्फ एक मजाक नहीं, बल्कि एक सीधा संदेश है कि टेस्ला को भारतीय ब्रांड्स हल्के में नहीं लेने वाले। टाटा मोटर्स और महिंद्रा जैसी कंपनियां पहले ही 10 से 25 लाख की रेंज में EV गाड़ियाँ उपलब्ध करा रही हैं, जो आम भारतीयों की जरूरत और बजट दोनों से मेल खाती हैं।

भारत का चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर एक बड़ी चुनौती

- अब सवाल यह भी है कि क्या भारत का चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर टेस्ला जैसे ब्रांड को सपोर्ट करने के लिए तैयार है? फिलहाल नहीं। टेस्ला ने भले ही मुंबई और दिल्ली मेंसुपरचार्जिंग स्टेशन लगाने की योजना बनाई हो, लेकिन पूरे देश में नेटवर्क बनाना एक लंबी प्रक्रिया है। और जब तक यह नेटवर्क तैयार नहीं होता, तब तक टेस्ला का बाजार केवल दिखावे तक सीमित रहेगा। टेस्ला का भविष्य इस पर भी निर्भर करेगा कि वह भारतीय ग्राहकों के लिए क्या पेशकश करती है। अगर टेस्ला भविष्य में 40–45 लाख की रेंज में कोई मॉडल लाती है, तो वह मिड प्रीमियम ग्राहकों को आकर्षित कर सकती है। ये वही ग्राहक हैं जो 30 लाख की गाड़ी खरीदने की हैसियत रखते हैं और ब्रांड वैल्यू के लिए थोड़ा और खर्च करने को तैयार रहते हैं। लेकिन जब सामने टाटा, महिंद्रा और हुंडई जैसे भरोसेमंद ब्रांड हों, तो टेस्ला को केवल ब्रांड इमेज के सहारे सफलता नहीं मिलेगी। इतिहास भी यही कहता है। हर्ले डेविडसन, शेव्रले और फोर्ड जैसी कंपनियों ने भी भारत में धमाकेदार एंट्री की थी, लेकिन कुछ वर्षों बाद उन्हें भारत छोड़ना पड़ा। वजह साफ थी भारतीय बाजार को समझने में चूक। सिर्फ नाम और टेक्नोलॉजी से भारत में गाड़ी नहीं बिकती, यहां लोगों की जरूरत, खर्च की सीमा और सेवा नेटवर्क की अहम भूमिका होती है।
- भारत में EV का भविष्य उज्ज्वल है, लेकिन अभी शुरुआती दौर में है। 2025 तक कुल गाड़ियों की बिक्री में EV की हिस्सेदारी केवल 4% रहने का अनुमान है। ऐसे में टेस्ला को जल्दबाजी नहीं, बल्कि रणनीति से काम लेना होगा। उसे भारत के लिए खास मॉडल, कीमत और सर्विस नीति बनानी होगी। टेस्ला की भारत में एंट्री एक नई शुरुआत है, लेकिन इसका भविष्य इस पर निर्भर करेगा कि क्या एलन मस्क भारत को सिर्फ एक बाजार नहीं, बल्कि एक साझेदार मानते हैं। अगर वह भारत में उत्पादन, रोजगार और तकनीक साझा करते हैं, तो उन्हें भारत का दिल भी मिलेगा और बाजार भी। वरना यह एंट्री भी एक शानदार लेकिन अल्पकालिक तमाशा बनकर रह जाएगी।

ऑटो टिप्स

बारिश में क्यों फटते हैं गाड़ी के टायर

टायर फटना यानी खतरे का संकेत। अचानक होने वाली घटना होती है टायर फटना, खासकर जब आप कहीं जा रहे हो। टायर फटने की वजह से कई बार बड़े हादसे होते हैं जिनकी वजह से लोगों की जान तक चली जाती है। अक्सर देखने में आता है कि लोग गाड़ी का ध्यान तो खूब रखते हैं लेकिन टायर्स की देखभाल नहीं करते और बाद में उन्हें नुकसान उठाना पड़ता है। बारिश में टायर फटना आम बात है। बारिश के गड्ढों में ईंट या गिट्टी की कचक से भी टायर कई बार फट जाते हैं जब गड्ढे में गाड़ी हिचकोले खाते हुए अंदर से बाहर सड़क पर आती है। अगर टायर में हवा जरूरत से ज्यादा है तो टायर फट सकता हैं। कम हवा होने पर टायर ज्यादा गर्म होता है और दीवारें झुकती हैं, जिससे ब्लोआउट का खतरा बढ़ता है।

ओवरलोडिंग

- गुरुनानक आटोमोबाइल्स के आनर्स राजू बताते हैं कि जब गाड़ी की क्षमता से ज्यादा लोड डाला जाता है, तो टायरों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है और तेज रफ्तार पर टायर ब्लास्ट हो सकता है। वे बताते हैं कि पंक्चर, कील, तेज पत्थर या कोई नुकीली वस्तु टायर की सतह को डैमेज कर देती है। हाईवे पर तेज रफ्तार में गड्ढे में लगने से टायर का साइडवॉल फट सकता है।

पुराने या घिसे हुए टायर

- कंपनी डीलर्स के मुताबिक टायर की उम्र 5–6 साल होती है या अधिकतम 40,000–50,000 किमी तक। घिसे हुए टायरों की ग्रिप कम होती है और रबर सख्त होकर क्रैक करने लगता है, जिससे ब्लोआउट हो सकता है। टायर फटने का एक कारण यह भी माना जाता है कि अगर टायर सही ढंग से फिट नहीं किया गया है या रिम खराब है, तो टायर संतुलन खो सकता है और फट सकता है।

परिवारों में तेजी से बढ़ रही है शिक्षित मेड की मांग

मुंबई। दोहरी आय वाले परिवारों की बढ़ती संख्या और दैनिक काम के लिए बाहरी सहायता पर बढ़ती निर्भरता के कारण शिक्षित घरेलू सहायक-सहायिकाओं (मेड) की मांग कई गुना बढ़ गई है। भर्ती मंच वर्कइंडिया की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। इसके मुताबिक, विभिन्न शिक्षा स्तर वाले घरेलू सहायकों की भूमिकाओं में 2024 में सालाना आधार पर तेज वृद्धि हुई। इस दौरान 10वीं कक्षा से कम शिक्षा प्राप्त लोगों की मांग में 112 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

अमृत विचार

बरेली, सोमवार, 28 जुलाई 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

एक्सपो में 4,000 से ज्यादा ब्रांड का प्रदर्शन

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में स्थित भारत मंडपम में आयोजित तीन दिन के गिफ्ट वर्ल्ड एक्सपो-2025 में 650 प्रदर्शकों ने 4,000 से ज्यादा ब्रांड का प्रदर्शन किया। आयोजक मेक्स एक्जीबिशन्स प्राइवेट लिमिटेड ने बताया कि 24 से 26 जुलाई तक आयोजित इस अंतरव्यापारिक (बी2बी) प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में आगंतुकों ने हिस्सा लिया। इसमें भारत के कोने-कोने से आए कॉरपोरेट खरीदार, सोर्सिंग प्रमुख, खुदरा विक्रेता, संस्थागत खरीदार और उद्यमी शामिल हुए। आयोजक ने बताया कि 650 से अधिक प्रदर्शकों, 4,000 से अधिक ब्रांड और 30,000 से अधिक उत्पादों के प्रदर्शन के साथ, इस प्रदर्शनी ने व्यक्तिगत, कॉरपोरेट, उत्सव और लक्जरी गिफ्टिंग खंड के लिए एक प्रमुख सोर्सिंग केंद्र के रूप में अपना योगदान दिया।

12,000 कर्मियों की छंटनी करेगी टीसीएस

नई दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) इस साल अपने वैश्विक कार्यबल के लगभग दो प्रतिशत या 12,261 कर्मचारियों की छंटनी करने वाली है, जिनमें से ज्यादातर मध्यम और वरिष्ठ स्तर के होंगे। टीसीएस के कर्मचारियों की संख्या 30 जून, 2025 तक 6,13,069 थी। हाल ही में समाप्त अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी ने अपने कर्मचारियों की संख्या में 5,000 की वृद्धि की। टीसीएस ने एक बयान में कहा कि यह कदम कंपनी की भविष्य के लिए तैयार संगठन बनने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है।

सेंसेक्स की 6 कंपनियों का मार्केट कैप घटा

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 2.22 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई। बसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 294.64 अंक या 0.36 प्रतिशत नीचे आया। सप्ताह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के पूंजीकरण में सामूहिक रूप से 2,22,193.17 करोड़ रुपये की गिरावट आई।

सभी अर्थव्यवस्थाओं में भारत की स्थिति बेहतर

आरबीआई की एमपीसी के सदस्य नागेश ने कहा- 6.5 % की दर से आगे बढ़ने में कोई चुनौती नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय अर्थव्यवस्था तेज रफ्तार से आगे बढ़ रही है और चालू वित्त वर्ष (2025-26) में इसे 6.5 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर हासिल करने में किसी चुनौती का सामना नहीं करना पड़ेगा। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के सदस्य नागेश कुमार ने रविवार को यह बात कही।

कुमार ने एक साक्षात्कार में कहा कि दुनिया की सभी अर्थव्यवस्थाओं में भारत की स्थिति बेहतर बनी हुई है। उन्होंने कहा, वास्तव में, एक-तिहाई से ज्यादा वैश्विक अर्थव्यवस्थाएं ऋण संकट से जूझ रही हैं, औद्योगिकीकृत अर्थव्यवस्थाएं भारी दबाव, ऊंची मुद्रास्फीति और आर्थिक वृद्धि में सुस्ती का सामना कर रही हैं। कुमार ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था निर्यात या व्यापार से अधिक घरेलू खपत और घरेलू निवेश पर टिकी है। इस वजह से आज भी भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, मुझे चालू वित्त वर्ष और अगले साल भारतीय अर्थव्यवस्था के 6.5 प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़ने की राह में कोई दिक्कत नजर नहीं आ रही है। उन्होंने कहा, और, आप जानते हैं, उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में भी इस तरह की वृद्धि जारी रहेगी, और एक समय यह सात से 7.5 प्रतिशत पर पहुंच जाएगी। पिछले वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था के 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमान के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में भी देश की अर्थव्यवस्था इसी दर से बढ़ेगी। मुद्रास्फीति पर एक सवाल पर कुमार ने कहा कि वर्तमान उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति लगभग दो प्रतिशत है और यह काफी हद तक एमपीसी (मौद्रिक नीति समिति) या आरबीआई द्वारा अपनाई गई नीति का परिणाम है। और अब यह लक्ष्य के दायरे में आ गई है।

यह पूछे जाने पर कि क्या आरबीआई के लिए आगे दरों में कटौती की गुंजाइश है, उन्होंने कहा, यह केवल मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर ही नहीं, बल्कि सभी विभिन्न वृहद आंकड़ों पर निर्भर करेगा। अगर मुद्रास्फीति किसी महीने में दो प्रतिशत तक नीचे आ जाती है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि यह इसी स्तर पर रहेगी। केंद्रीय बैंक ने इस साल प्रमुख नीतिगत दर रेपो में एक प्रतिशत की कटौती की है। आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि जून में मुख्य मुद्रास्फीति चार प्रतिशत के लक्ष्य के मुकाबले घटकर 2.1 प्रतिशत रह गई है। आरबीआई की छह सदस्यीय मौद्रिक समिति अगस्त में अपनी अगली द्विमासिक नीति की घोषणा करने वाली है। कुमार ने कहा, इसलिए, एमपीसी न केवल मुद्रास्फीति के आंकड़ों, बल्कि अन्य सभी वृहद मापदंडों के रुझान पर भी गौर करेगी। इन्हीं के आधार पर एमपीसी को किसी निष्कर्ष पर पहुंचना होगा। सरकार ने आरबीआई को मुद्रास्फीति को दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ चार प्रतिशत पर रखने का लक्ष्य दिया है।

अमेरिका से समझौता हुआ तो हमारे लिए विशाल बाजार के रास्ते खुलेंगे

अमेरिका के साथ भारत के प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर एक सवाल के जवाब में, कुमार ने कहा, अगर हम इस समझौते को पूरा कर पाते हैं, तो हमें श्रम-प्रधान क्षेत्र में अमेरिका के विशाल बाजार तक पहुंच प्राप्त होगी, जहां भारत को अपने प्रचुर श्रम संसाधनों के कारण प्रतिस्पर्धी लाभ प्राप्त है। उन्होंने बताया कि भारत को अपने कृषि क्षेत्र, डेयरी क्षेत्र और कुछ अन्य क्षेत्रों को खोलने को लेकर कुछ चिंताएं हैं। यह देखते हुए कि व्यापार वार्ताएं लेन-देन पर आधारित होती हैं। उन्होंने कहा, कुछ बातों को ध्यान में रखते हुए, हम बाजार खोलने पर सहमत होते हैं, लेकिन एक कोटा निर्धारित किया जा सकता है। इससे भागीदार देश को सीमित मात्रा में शुल्क लाभ सीमित अवधि के लिए मिलेगा। एफडीआई पर एक सवाल के जवाब में कुमार ने कहा कि जहां तक कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का संबंध है तो यह 71 अरब डॉलर से बढ़कर 2024-25 में 81 अरब डॉलर पर पहुंच गया है, तो अच्छी वृद्धि है।

सोने ने पहली छमाही में दिया 27% रिटर्न, नए निवेश से बचें: विशेषज्ञ

नई दिल्ली, एजेंसी

- वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में सुधार के साथ सोने की कीमतों में कमी आ सकती

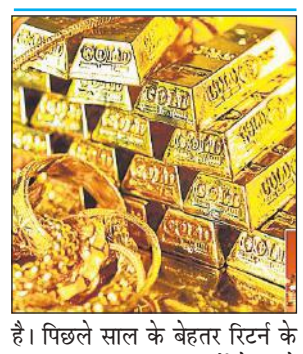

सोना एक सुरक्षित निवेश परिसंपत्ति के रूप में अपनी मजबूती बनाए हुए है और 2025 की पहली छमाही में इस बहुमूल्य धातु ने निवेशकों को लगभग 27 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में सुधार के साथ निवेशकों को मौजूदा स्तर पर सोने में नए निवेश से बचने की जरूरत है। उनका कहना है कि सोने में मौजूदा तेजी लंबी खिंचती दिख रही है। ऐसे में कीमतें फिर से बढ़ने से पहले कुछ समय के लिए थम सकती हैं और इसमें कुछ गिरावट आ सकती है।

मेहता इक्विटीज लि. के उपाध्यक्ष (जिंस) राहुल कलंत्री ने कहा, सोना एक सुरक्षित निवेश परिसंपत्ति के रूप में अपनी पारंपरिक मजबूती बनाये हुए है। एमसीएक्स में सोना इस साल की पहली छमाही में करीब 27 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 76,772 रुपये प्रति 10 ग्राम से जून, 2025 के अंत में 96,075 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। और अगर हम चालू वित्त वर्ष की शुरुआत अप्रैल, 2025 से बात करें, तो सोने ने निवेशकों को लगभग 33 प्रतिशत का उल्लेखनीय रिटर्न दिया है। पिछले साल के बेहतर रिटर्न के साथ यह सभी परिसंपत्ति वर्गों में सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले निवेश उत्पादों में से एक बन गया है। मौजूदा हालात में सोने में निवेश के बारे में पूछे जाने पर कलंत्री ने कहा, 2025 की पहली छमाही निश्चित रूप से सोने के लिए अनुकूल थी, लेकिन अब वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में सुधार के साथ, सोने की कीमतों में कमी आ सकती है। ऐसे में हमारी निवेशकों को मौजूदा स्तर पर सोने में नए निवेश से बचने की सलाह है। अल्पकाल के लिए निवेश करने वाले निवेशक अपने पोर्टफोलियो का कुछ हिस्सा चांदी में लगाने पर विचार कर सकते हैं।

समयबद्ध सेवाएं देने के लिए मंत्रालयों के लिए बने कानून

नई दिल्ली, एजेंसी

- देरी या कमियों के लिए दंड और एक मजबूत शिकायत निवारण ढांचा भी हो शामिल : सीआईआई

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने रविवार को केंद्रीय मंत्रालयों के व्यवसायों को समयबद्ध सेवाएं देने की गारंटी के लिए एक केंद्रीय कानून बनाने की अपील की। सीआईआई ने यह भी कहा कि इसमें देरी या कमियों के लिए दंड और एक मजबूत शिकायत निवारण ढांचा भी शामिल होना चाहिए।

भारतीय उद्योग परिसंघ ने तर्क दिया कि यह सुधार नियामकीय निश्चितता को मजबूत करने, पूर्वानुमान को बढ़ाने और भारत में समग्र रूप से कारोबारी सुगमता में सुधार के लिए महत्वपूर्ण है। उद्योग मंडल ने कहा कि एक प्रमुख चुनौती मंजूरी की समयसीमा को लेकर अनिश्चितता के बारे में है, जिससे देरी और लागत में वृद्धि होती है। सीआईआई ने कहा कि इस मुद्दे का समाधान करने से भरोसा मजबूत होगा और समय पर सेवाएं देने में मदद मिलेगी।

कुछ सरकारी बैंकों की बचत जमा दरें ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर

मुंबई। आरबीआई अनुसार 2011 में विनियमन मुक्त होने के बाद से सार्वजनिक क्षेत्र के कुछ बैंकों (पीएसबी) की बचत जमा दरें ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर हैं। पीएसबी और निजी क्षेत्र के बैंकों, दोनों की नई जमाओं के लिए भारित औसत घरेलू सावधि जमा दरों में उल्लेखनीय गिरावट आई है। आरबीआई के बुलेटिन में प्रकाशित एक लेख में कहा गया है, इस समय कुछ बैंकों की बचत जमा दरें 2011 में विनियमन मुक्त होने के बाद से निचले स्तर पर हैं। अक्टूबर, 2011 में बचत बैंक जमा ब्याज दर को विनियमन मुक्त कर दिया था, और बैंकों को अपनी इच्छानुसार ब्याज दर निर्धारित करने की अनुमति दी थी।

एफटीए: उद्योगों की जागरूकता के लिए होंगी 1,000 बैठकें

नई दिल्ली, एजेंसी

- उद्योग और राज्यों को जागरूक करने के लिए अगले 20 दिन होंगे कार्यक्रम

सरकार भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते पर उद्योग और राज्यों को जागरूक करने के लिए अगले 20 दिन में देशभर में हितधारक बैठकों, कार्यशालाओं, जागरूकता अभियानों और रायशुमारी सत्रों सहित कुल 1,000 संपर्क कार्यक्रम आयोजित करेगी। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

इस कवायद का मकसद 24 जुलाई को हस्ताक्षरित व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते (सीईटीए) का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करना और इसके लाभ को अधिकतम करना है। संबंधित मंत्रालय भी समझौते पर कार्यक्रम आयोजित करेंगे। केंद्रीय दल इस व्यापार समझौते के फायदों के बारे में जानकारी देने के लिए विभिन्न राज्यों का दौरा भी करेंगे। उद्योग मंत्री पीयूष गोयल सोमवार को यहां व्यापार समझौते पर चमड़ा और वस्त्र क्षेत्र के साथ बैठक करेंगे।

इसके साथ ही कार, सौंदर्य प्रसाधन और व्हिस्की जैसे ब्रिटिश उत्पादों पर शुल्क भी कम हो जाएगा। गोयल ने 26 जुलाई को कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें पहले ही विशिष्ट उद्योग क्षेत्रों से बात करने का निर्देश दिया है, जो इस समझौते के लागू होने के बाद अब अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाएंगे। संसद सत्र चलने तक मैं हर क्षेत्र के साथ क्षेत्रीय बैठकें करूंगा और उसके बाद सभी राज्यों का दौरा करूंगा। भागलपुर सिल्क (बिहार), पश्मीना शॉल (जम्मू और कश्मीर), कोल्हापुरी चप्पल (महाराष्ट्र) और तंजावुर गुड़िया (तमिलनाडु) अब ब्रिटेन भर के मॉल और दुकानों में प्रमुखता से दिखाई देगी।

ब्रिटेन को शुल्क में राहत की पेशकश

नई दिल्ली। भारत ने हाल ही में हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत पेस्ट्री, पालतू पशुओं के भोजन, सौंदर्य प्रसाधन और माइक्रोवेव ओवन सहित कई ब्रिटिश वस्तुओं पर शुल्क में रियायतें दी हैं, जबकि घरेलू हितों की रक्षा के लिए संवेदनशील क्षेत्रों को इससे बाहर रखा है। पिछले बृहस्पतिवार को हस्ताक्षरित व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) केक, प्रोटीन कॉन्संट्रेट, पशुओं के भोजन, साबुन, शेविंग क्रीम, डिटर्जेंट, और एयर कंडीशनर (एसी) व वाशिंग मशीन जैसे घरेलू उपकरणों जैसे ब्रिटिश उत्पादों तक शुल्क-मुक्त पहुंच प्रदान करता है।

राष्ट्रीय

ऑपरेशन सिंदूर से साबित हुआ आतंकियों व भारत के दुश्मनों के लिए कोई स्थान सुरक्षित नहीं: मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा - सीमा पार सैन्य कार्रवाई ने पूरे देश में आत्मविश्वास पैदा किया

गंगईकोंडा चोलपुरम, एजेंसी

तमिलनाडु के राज्यपाल प्रधानमंत्री मोदी को तस्वीर भेंट करते हुए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने दुनिया को दिखाया कि अगर भारत की संप्रभुता पर हमला हुआ, तो वह किस तरह जवाब देगा और सीमा पार सैन्य कार्रवाई ने पूरे देश में एक नया आत्मविश्वास पैदा किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने यहां चोल सम्राट राजेंद्र चोल के सम्मान में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह भी साबित कर दिया कि भारत को निशाना बनाने वाले दुश्मनों और आतंकवादियों के लिए कोई पनाहगाह नहीं है।

यह कार्यक्रम महान चोल सम्राट राजेंद्र चोल प्रथम की जयंती को रेखांकित करता है, जिसे 'आदि तिरुवथिरई' (तमिल माह आदि में राजा का जन्म नक्षत्र तिरुवथिरई है) उत्सव के रूप में मनाया जाता है। प्रधानमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के संबंध में कहा, दुनिया ने देखा कि अगर कोई भारत की सुरक्षा और संप्रभुता पर हमला करता है, तो वह कैसे जवाब देता है। उन्होंने कहाजब मैं हेलीपैड से यहां आया, तो तीन-चार किलोमीटर की दूरी अचानक एक रोड शो में बदल गई, और हर कोई ऑपरेशन सिंदूर की प्रशंसा कर रहा था। कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने पूरे देश में एक नई जागृति, एक नया आत्मविश्वास पैदा किया है। दुनिया को भारत की ताकत का एहसास होना चाहिए। मोदी ने कहा कि सम्राट राजराज चोल व उनके पुत्र राजेंद्र चोल-प्रथम के नाम भारत की पहचान और गौरव के पर्याय हैं। मोदी ने कहा कि लोकतंत्र पर टिप्पणी करते हुए कई लोग ब्रिटेन के मैग्नाकार्टा का जिक्र करते हैं, जबकि चोल कालीन 'कुडवोलाई प्रणाली' उससे भी पुरानी है।

लगाई जाएंगी चोल सम्राट व उनके पुत्र राजेंद्र चोल प्रथम की भव्य प्रतिमाएं

प्रधानमंत्री मोदी ने तमिलनाडु में रविवार को प्रतिष्ठित चोल सम्राट राजराजा चोल और उनके पुत्र राजेंद्र चोल प्रथम की भव्य प्रतिमाओं का निर्माण कराने की घोषणा की। प्रधानमंत्री ने राजेंद्र चोल प्रथम की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित आदि तिरुवथिरई महोत्सव को संबोधित करते हुए कहा कि ये प्रतिमाएं भारत की ऐतिहासिक चेतना के आधुनिक स्तंभ को प्रतिबिंबित करेंगी।

निर्वाचन आयोग एसआईआर पर करे पुनर्विचार : सिंघवी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि निर्वाचन आयोग को संस्थागत अहंकार नहीं रखना चाहिए और बिहार में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को रोकना चाहिए।

भाकपा (माले) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सांसद मनोज झा और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नेता नीलोत्पल बसु के साथ यहां आयोजित एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में सिंघवी ने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा की जा रही कवायद एक नागरिकता परीक्षा बन गई है और उन्होंने इसकी वैधता पर सवाल उठाया।

ग्लास ब्रिज

रत्नागिरी : महाराष्ट्र में साहसिक और प्रकृति प्रेमियों के लिए एक रोमांचक नया अध्याय शुरू हो गया है। सिंधुदुर्ग जिले में वैभववाड़ी के पास नपने झरने पर बने पहले नवनिर्मित कांच के पुल का रविवार को उदघाटन किया गया। ● एजेंसी

डामर संयंत्र में टैंकर में विस्फोट, तीन की मौत

वडोदरा। गुजरात में वडोदरा के पास एक संयंत्र में रविवार शाम डामर गर्म करने के दौरान एक टैंकर में विस्फोट हो गया, जिससे कम से कम तीन लोगों की मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। भद्रवा पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना वडोदरा जिले के सावली तालुका के मोक्षी गांव में हुई।

अधिकारी ने बताया कि वाहन से चिपके हुए डामर को बैरल में डालने के लिए एक टैंकर को गर्म किया जा रहा था, तभी उसमें विस्फोट हो गया और समीप खड़े तीन लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मृतकों में वाहन का चालक और खलासी के साथ-साथ एक मजदूर भी शामिल है।

उद्धव को जन्मदिन की बधाई देने मातोश्री पहुंचे राज ठाकरे

मुंबई, एजेंसी

मनसे के प्रमुख राज ठाकरे ने अपने चचेरे भाई एवं शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता उद्धव ठाकरे से रविवार को मुलाकात कर उन्हें उनके 65वें जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं। राज दादर स्थित अपने आवास 'शिवतीर्थ' से उद्धव के बांद्रा स्थित आवास 'मातोश्री' पहुंचे।

उद्धव ने अपनी पार्टी के सांसद संजय राउत के साथ मुंबई स्थित मातोश्री बंगले के प्रवेश द्वार पर अपने चचेरे भाई का स्वागत किया। राज ने उद्धव को लाल गुलाब का एक बड़ा गुलदस्ता भेंट किया। राज ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मेरे बड़े भाई, शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के जन्मदिन के अवसर पर, मैं अपनी शुभकामनाएं देने के लिए दिवंगत माननीय बालासाहेब ठाकरे के निवास मातोश्री गया। मुलाकात की एक तस्वीर भी साझा की, जिसमें पृष्ठभूमि में उनके चाचा और उद्धव के पिता बाल ठाकरे की तस्वीर लगी हुई दिखाई दे रही है।

शिक्षा ऐसी हो जो अपने दम पर जीवित रहने में मदद करे: भागवत

कोच्चि। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो किसी व्यक्ति को कहीं भी अपने दम पर जीवित रहने में मदद कर सके। यह भी कहा कि भारतीय शिक्षा त्याग और दूसरों के लिए जीना सिखाती है और अगर कोई चीज़ किसी व्यक्ति को स्वार्थी होना सिखाती है तो वह शिक्षा नहीं है। भागवत ने यह बात यहां आरएसएस से जुड़े शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन ज्ञान सभा में कही। कहा कि दुनिया ताकत की भाषा समझती है, इसलिए भारत को आर्थिक दृष्टि से शक्तिशाली-समृद्ध बनना होगा।

हंगामे की भेंट चढ़े पहले सप्ताह के बाद पहलगाम हमले व ऑपरेशन सिंदूर पर छिड़ेगी तीखी बहस

- राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति से जुड़े दो मुद्दों पर होंगे आमने-सामने

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद के मानसून सत्र का पहला सप्ताह हंगामे की भेंट चढ़ने के बाद सोमवार से पहलगाम हमले और 'ऑपरेशन सिंदूर' पर तीखी बहस होने की संभावना है, क्योंकि सत्तारूढ़ गठबंधन और विपक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति से जुड़े दो मुद्दों पर आमने-सामने होंगे।

भाजपा के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और विपक्षी दलों द्वारा लोकसभा और राज्यसभा में चर्चा के दौरान अपने शीर्ष नेताओं को मैदान में उतारे जाने की उम्मीद है। सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर इन मुद्दों पर सरकार का पक्ष रखेंगे। ऐसे संकेत हैं कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय सुरक्षा पर अपनी सरकार के 'मजबूत' रुख के ट्रैक रिकॉर्ड से अवगत कराने के लिए हस्तक्षेप कर सकते हैं। दोनों सदनों में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव तथा अन्य नेताओं के साथ मिलकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल सकते हैं। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने 25 जुलाई को कहा था कि सत्र का पहला सप्ताह लगभग व्यर्थ चला गया था।

राहुल पाकिस्तान के विमर्श को दोहरा रहे : भाजपा

नई दिल्ली। सत्तारूढ़ भाजपा ने रविवार को राहुल गांधी पर पाकिस्तान का विमर्श आगे बढ़ाने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि पहलगाम हमले के बाद किसी भी देश ने भारत का समर्थन नहीं किया जबकि सत्तारूढ़ दल का दावा है कि 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद सभ्य दुनिया भारत के साथ खड़ी थी। भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पहलगाम आतंकी हमले के बाद राहुल गांधी ने पूछा: 'किसने समर्थन किया हमें?' वे लगातार पाकिस्तान की घिसी-पिटी रट दोहराते रहते हैं कि भारत अंतरराष्ट्रीय मंच पर अकेला पड़ गया है। आइए इस झूठ को पूरी तरह उजागर करें।

निर्धारित चर्चा पर कांग्रेस बोली- देर आए दुरुस्त आए

नई दिल्ली। कांग्रेस ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर संसद में होने वाली चर्चा को लेकर रविवार को कहा कि यह चर्चा बहुत समय से लंबित थी लेकिन देर आए दुरुस्त आए। कांग्रेस ने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव को रुकवाने के अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्तक्षेप के दावों समेत संसद में सोमवार को होने वाली इस चर्चा की पृष्ठभूमि से जुड़ी घटनाओं पर प्रकाश डाला। पार्टी नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, लोकसभा में कल से पहलगाम आतंकवादी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर 16 घंटे की बहस शुरू होगी और राज्यसभा में यह बहस परसों होगी।

शिक्षा मंत्रालय ने जेएनयू कुलपति से सफाई मांगी

नई दिल्ली। शिक्षा मंत्रालय ने जेएनयू की कुलपति शांतिश्री धुलीपुडी पंडित से एक महत्वपूर्ण सम्मेलन में उनकी अनुपस्थिति के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि यह पाया गया कि पंडित बिना औपचारिक अनुमति के केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के सम्मेलन में शामिल नहीं हुईं। इस मुद्दे पर जेएनयू की कुलपति की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

सूत्र ने कहा, पंडित की अनुपस्थिति को गंभीरता से लिया गया है। ऐसी परिस्थितियों में कुलपतियों को पूर्वानुमति लेनी होती है। कुलपतियों के सम्मेलन के साथ ही जेएनयू में एक सम्मेलन आयोजित किया जाना था। लेकिन यह ध्यान में रखा जाना चाहिए था कि इस सम्मेलन के लिए निमंत्रण बहुत पहले ही दे दिया गया था। शिक्षा मंत्रालय ने 10-11 जुलाई को गुजरात के केवडिया में केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों का दो दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया था।

वर्ल्ड ब्रीफ

श्रीनगर के अमरेश्वर मंदिर में छड़ी स्थापना

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में वार्षिक अमरनाथ यात्रा के तहत रविवार सुबह श्रीनगर के श्री अमरेश्वर मंदिर में 'छड़ी स्थापना' समारोह का आयोजन किया गया। महंत दीपेंद्र गिरि के नेतृत्व में साधुओं के एक समूह ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ दो घंटे से अधिक समय तक चले इस अनुष्ठान को संपन्न कराया। इस मौके पर गिरि ने कहा कि छड़ी मुबारक (पवित्र गदा) को चार अगस्त को तीर्थयात्रा के मुख्य मार्ग पर रवाना होने तक श्रीनगर के दशनामी अखाड़ा भवन स्थित मंदिर में दर्शन के लिए रखा जाएगा। इसमें एक भगवान शिव और दूसरी देवी पार्वती की है।

ऑस्ट्रेलिया में भारतीय पर जानलेवा हमला

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया में कुछ किशोरों ने भारतीय मूल के 33 वर्षीय एक व्यक्ति पर धारदार हथियार से क्रूरता के साथ हमला कर दिया जिससे उसे कई चोट पहुंची हैं और उसका हाथ भी लगभग कट गया है। पुलिस के अनुसार, सौरभ आनंद 19 जुलाई को मेलबर्न के अल्टोना मीडोज में सेंट्रल स्क्वायर शॉपिंग सेंटर के एक दवाखाने से दवाइयां लेने के बाद घर जा रहे थे, तभी किशोरों ने पीछे से उनपर हमला कर दिया। आरोपियों ने आनंद पर हमला करने से पहले उसे जमीन पर गिरा दिया। पुलिस ने तीन किशोरों को गिरफ्तार किया है।

रूस में विस्फोट से सात लोगों की मौत

मास्को। रूस के सारातोव क्षेत्र की एक इमारत में हुए गैस विस्फोट के बाद बचावकर्मियों ने मलबे से सातवें पीड़ित का शव बरामद किया है। क्षेत्रीय सुरक्षा विभाग के मुताबिक 16 लोगों ने चिकित्सा सहायता की मांग की है तथा एक बच्चे सहित चार अन्य लोगों की जानकारी प्राप्त नहीं है। शुक्रवार को एक दस मंजिला इमारत में गैस विस्फोट हुआ जिससे सातवीं से दसवीं मंजिल तक का प्रवेश द्वार नष्ट हो गया। अधिकारियों के अनुसार पता चला है कि इस विस्फोट का प्रारंभिक कारण गैस रिसाव है।

नायडू का सिंगापुर में तेलुगु पढ़ाने का आह्वान

सिंगापुर। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने रविवार को सिंगापुर के स्कूलों में तेलुगु को दूसरी भाषा के रूप में पढ़ाए जाने का आह्वान किया। नायडू ने यहां प्रवासी भारतीयों के एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। वह आंध्र प्रदेश को एक निवेश गंतव्य के रूप में प्रदर्शित करने के लिए पांच दिवसीय यात्रा पर हैं। मुख्यमंत्री ने दुनियाभर की बहुराष्ट्रीय कंपनियों के तेलुगु मूल के सीईओ की विशेषज्ञता का लाभ उठाने के लिए सीएक्सओ क्लब का भी उद्घाटन किया।

गूगल मैप ने फिर दिया धोखा खाई में गिरी महिला की कार

मुंबई, एजेंसी

नवी मुंबई में अपने गंतव्य तक जाने के लिए 'गूगल मैप्स' की मदद ले रही एक महिला की कार गलत मोड़ लेने के कारण खाई में गिर गई। पुलिस ने महिला को बचा लिया है।

पुलिस ने बताया कि महिला को बचा लिया गया। यह घटना शुक्रवार रात करीब एक बजे महाराष्ट्र में नवी मुंबई के बेलापुर इलाके में हुई। बेलापुर पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि महिला 'बे ब्रिज' जाने के बजाय 'गूगल मैप्स' के निर्देश पर गलत मोड़ लेकर ध्रुवतारा जेट्टी पहुंच गई और उसकी कार खाई में गिर गई।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने समुद्री सुरक्षा दल, उसकी नौका और स्थानीय प्राधिकारियों की मदद से महिला को बचा लिया। अधिकारी ने बताया कि घटना के समय नवी मुंबई के खारघर इलाके में सैलून का व्यवसाय करने वाली महिला अपनी कार से बेलापुर से उल्वे स्थित अपने घर जा रही थी। गूगल मैप्स की वजह से इससे पहले भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं।

● गलत मोड़ लेने के कारण दुर्घटना हुई, पुलिस ने महिला को बचाया

भारत में तेजी से बढ़ रहा है गिग नौकरियों का बाजार

गिग नौकरियों का अर्थ रोजगार के वह लचीला लेकिन अनौपचारिक रूप है, जिसमें काम करने वाले लोग यानी गिग वर्कर किसी संगठन से स्थाई रूप से नहीं जुड़ने के बजाय अस्थाई या प्रोजेक्ट आधारित काम करते हैं। स्थाई रोजगार की कमी से उपजा गिग नौकरियों का बाजार दिन दूनी रात चौगुनी रफ्तार से बढ़ रहा है और आज की बदलती अर्थव्यवस्था का एक अहम हिस्सा बन चुका है। नीति आयोग का अनुमान है कि अगले पांच साल में गिग नौकरियों की तादाद में तीन गुना से भी ज्यादा वृद्धि हो सकती है। इस तरह गिग नौकरियां 21वीं सदी के कार्य ढांचे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन रही हैं। यह युवाओं और अस्थाई रूप से बेरोजगार लोगों के लिए एक अवसर है लेकिन इससे जुड़ी सामाजिक सुरक्षा नीतियां पूरी तरह लागू होने तक इसे स्थाई और सुरक्षित रोजगार का विकल्प नहीं कहा जा सकता।

क्या हैं गिग नौकरियां

गिग नौकरियों में व्यक्ति एक निश्चित समय या कार्य के लिए काम करता है, जैसे- कैब ड्राइवर, फ्रीलांसर कंटेंट राइटर या ग्राफिक डिजाइनर, फूड डिलीवरी एग्जीक्यूटिव, ऑनलाइन ट्यूटर या डिजिटल मार्केटिंग, डेटा एंट्री जैसे कार्य करने वाले फ्रीलांस वर्कर।

कितनी तरह की ये नौकरियां

- बड़ी संख्या प्लेटफॉर्म आधारित गिग नौकरियां हैं। इनमें टैक्सी सेवाएं या फूड डिलीवरी जैसे काम शामिल हैं।
- फ्रीलांस पेशेवर भी इसी श्रेणी में आते हैं। इनमें लेखक, डिजाइनर, वीडियो एडिटर, अनुवादक जैसे वर्कर होते है।
- डेटा एंट्री ऑपरेटर, ऑनलाइन सर्वे और ट्रांस्क्रिप्शन करने वाले लोग माइक्रो गिग वर्कर की श्रेणी में आते हैं।
- तकनीकी, वित्तीय या कानूनी सलाह की सेवाएं देने वाले पेशेवर को कंसल्टिंग गिग वर्कर कहा जाता है।
- शिल्प या हस्तशिल्प आधारित गिग वर्कर भी होते हैं जिन्हें कई अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर काम मिलता है।

वृद्धि के कारण

- डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का प्रसार और कोविड-19 के बाद नौकरियों में लचीलापन चाहने की प्रवृत्ति।
- कंपनियों का लागत कम करना, स्थाई कर्मचारियों के बजाय गिग वर्कर्स हायर करना सस्ता होता है।
- बेरोजगारी और नौकरियों की कमी की वजह से भी युवाओं को यह विकल्प चुनना पड़ रहा है।
- स्टार्टअप संस्कृति का विकास भी एक कारण है। क्योंकि स्टार्टअप्स गिग इकोनॉमी पर निर्भर होते हैं।
- गिग इकॉनमी की वृद्धि में बेरोजगारी एक बड़ा कारक है। युवा स्थाई नौकरी का विकल्प इसमें देखते हैं।

देश में कितने गिग वर्कर

- नीति आयोग की वर्ष 2022 की रिपोर्ट के अनुसार भारत में लगभग 77 लाख गिग वर्कर हैं।
- इसमें तेजी से वृद्धि हो रही है और यह संख्या 2029-30 तक 2.35 करोड़ तक पहुंच सकती है।
- भारत में गिग वर्कर्स का हिस्सा कुल कार्यबल का 1.5% है जो कुछ वर्षों में 4.1% हो सकता है।

सरकारी नीतियां

- सरकार ने कोड ऑन सोशल सिक्योरिटी लागू किया है जिसमें गिग वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की सिफारिश की गई है।
- ई श्रम पोर्टल पर देश भर के असंगठित श्रमिकों के लिए एक राष्ट्रीय डेटाबेस बनाया गया है जिसमें गिग वर्कर भी शामिल हैं।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

सकारात्मक : रिपोर्ट्स कहती हैं कि गिग इकॉनमी भारत में रोजगार का बड़ा स्रोत बन सकती है। यह महिलाओं और दिव्यांगों के लिए भी अवसर खोलती है।

चिंताएं : आईएलओ और कुछ अर्थशास्त्री कहते हैं कि गिग जॉब्स में शोषण की संभावना अधिक होती है। इनके लिए कोई नियम-कायदे और लाभ तय नहीं हैं।

गाजा के तीन क्षेत्रों में रोज 10 घंटे लड़ाई रोकने पर माना इजराइल

अंतर्राष्ट्रीय दबाव के बाद मानवीय मदद पहुंचाने को सुरक्षित मार्ग बनाने की घोषणा

दीर अल बलाह, एजेंसी

इजराइल की सेना ने रविवार को गाजा के तीन घनी आबादी वाले क्षेत्रों में प्रतिदिन 10 घंटे के लिए लड़ाई रोकने की शुरुआत की। यह कदम इस क्षेत्र में बढ़ती भुखमरी की चिंताओं मद्देनजर उठाया गया है। इजराइल 21 महीने से चल रहे युद्ध में अपने आचरण की वजह से अंतरराष्ट्रीय आलोचना का सामना कर रहा है।

इजराइली सेना ने कहा है कि वह बड़ी आबादी वाले गाजा सिटी, दीर अल-बलाह और मुवासी में सीमित समय के लिए युद्ध रोकेगी, ताकि मानवीय सहायता का दायरा बढ़ाया जा सके। यह रोक रविवार से शुरू होकर अगली सूचना तक स्थानीय समयानुसार प्रतिदिन पूर्वाह्न 10:00 बजे से रात 8:00 बजे तक रहेगी। सेना के मुताबिक, वह सहायता पहुंचाने के लिए सुरक्षित मार्ग बनाएगी और पहले ही गाजा में हवाई मार्ग से सहायता पहुंचाई है, जिसमें आटा, चीनी और डिब्बाबंद खाद्य सामग्री शामिल है।

खाद्य विशेषज्ञ महीनों से गाजा में भुखमरी के खतरे की चेतावनी दे रहे हैं क्योंकि इजराइल ने सहायता पर रोक लगा दी थी। उनका कहना है कि हमास अपने शासन को मजबूत करने के लिए दैनिक उपयोग की वस्तुओं में गबन करता है। हालांकि, इस दावे के लिए कोई सबूत नहीं दिया गया है। हाल के दिनों में गाजा से कमजोर बच्चों की तस्वीरें सामने आई थीं, जिसके बाद इजराइल की वैश्विक आलोचना तेज हो गई। आलोचना करने वालों में उसके करीबी भी हैं और उन्होंने युद्ध और इससे उत्पन्न मानवीय त्रासदी को समाप्त करने का आह्वान किया है।

संयुक्त राष्ट्र की खाद्य एजेंसी ने सहायता प्रतिबंधों में ढील देने के कदमों का स्वागत किया, लेकिन कहा कि गाजा में जरूरतमंद सभी लोगों तक सामान पहुंचाने के लिए व्यापक युद्धविराम की आवश्यकता है। इससे पहले, गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि इजराइल के अलग-अलग हमलों में कम से कम 27 फलस्तीनी मारे गए हैं।

उत्तरी गाजा में रविवार को इजराइल की बमबारी के बाद उठते धुएं के गुबार। ● एजेंसी

मिस्र-फ्रांस के राष्ट्रपति ने युद्धविराम पर की चर्चा

काहिरा। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अलसीसी ने शनिवार को अपने फ्रांसीसी समकक्ष इमैनुएल मैक्रों के साथ फोन पर बातचीत कर गाजा पट्टी में युद्धविराम के लिए मध्यस्थता के प्रयासों पर चर्चा की। मिस्र के राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान में कहा, दोनों नेताओं ने गाजा के लोगों को पर्याप्त मानवीय सहायता उपलब्ध कराने पर जोर दिया। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय प्रस्तावों के अनुसार फिलिस्तीन मुद्दे का न्यायसंगत समाधान निकालने की जरूरत पर भी बल दिया। सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र के दौरान फिलिस्तीन को मान्यता देने के मैक्रों की घोषणा का स्वागत करते हुए सिसी ने कहा कि यह निर्णय दोराष्ट्र समाधान को लागू करने के लिए फ्रांस के प्रयासों का हिस्सा है। सिसी ने फिलिस्तीनी मुद्दे के समाधान के लिए उच्चस्तरीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन करने के उद्देश्य से फ्रांस-सऊदी पहल को मिस्र का समर्थन देने की भी पुष्टि की।

जहाज रोका, पत्रकारों सामाजिक कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया

तेल अवीव। इजराइली सेना ने फलस्तीनी क्षेत्र की नाकेबंदी तोड़ गाजा जा रहे एक राहत सहायता जहाज को रोक लिया तथा 21 अंतरराष्ट्रीय कार्यकर्ताओं और पत्रकारों को हिरासत में ले लिया। फलस्तीन समर्थक समूह 'फ्रीडम फ्लोटिला कोलेशन' ने बताया कि इजराइली सेना ने जहाज पर लदे शिशु उपयोग के लिए दूध, खाद्य सामग्री और दवा सहित सभी माल जब्त कर लिए। समूह ने कहा कि इजराइली सेना ने शनिवार आधी रात गाजा से 40 समुद्री मील दूर अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में जहाज को रोककर उसके संचार नेटवर्क को काट दिया। जहाज पर पूरा माल गैरसैन्य उपयोग के लिए था तथा यह इजराइल की अवैध नाकेबंदी के कारण भुखमरी और चिकित्सा संकट से जूझ रही आबादी को सीधे वितरित करने के लिए था।

नांगरानी उत्सव

महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के वहल गांव में शनिवार को नांगरानी उत्सव के दौरान पारंपरिक बैल दौड़ प्रतियोगिता में हिस्सा लेता एक किसान। यह उत्सव किसानों की एकजुटता, परंपरा और खेती से गहरे संबंध का प्रतीक माना जाता है। एजेंसी

महिला का अपहरण कर चलती कार में दुष्कर्म

मुंबई। महाराष्ट्र में पुणे जिले के लोनावाला पहाड़ी कस्बे में 23 वर्षीय एक महिला का अपहरण कर चलती कार में बलात्कार कर उसे सड़क किनारे फेंक दिया गया। पुलिस ने बताया कि घटना शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात को मुंबई से करीब 80 किमी दूर लोनावला के मावल इलाके के तुंगरली में हुई जो एक पर्यटन स्थल है। इस मामले में तुंगरली निवासी 35 वर्षीय एक व्यक्ति को पकड़ा गया है। महिला के अनुसार, वह उसी इलाके में रहती है और शुक्रवार रात को घर जा रही थी। एक कार उसके पास रुकी और एक आदमी ने उसे जबरन अंदर खींच लिया।

कश्मीर को सद्भाव के पुराने स्वरूप में लौटाने की जरूरत

श्रीनगर, एजेंसी

प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई ने रविवार को कहा कि ज्ञान के बिना अधिकार किसी काम के नहीं हैं। उन्होंने नागरिकों को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करने के महत्व पर जोर दिया। न्यायमूर्ति गवई ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) के उत्तरी क्षेत्र क्षेत्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि अतीत की विसंगतियों को दूर करने और कश्मीर को उसके पुराने स्वरूप में लौटाने की जरूरत है, जहां सभी समुदाय सद्भाव के साथ रहते थे।

उन्होंने कहा, न्यायाधीशों और वकीलों को मिलकर देश के अंतिम नागरिक के लिए न्याय सुनिश्चित करना होगा। नालसा इसी दिशा में काम करता है। हम नालसा के काम को देश के दूरदराज के इलाकों तक ले जाने की कोशिश कर रहे हैं-चाहे वह लद्दाख हो, पूर्वोत्तर हो या राजस्थान। जब तक लोगों को अपने अधिकारों का ज्ञान नहीं होगा, तब तक इन अधिकारों का कोई मतलब नहीं है। कश्मीर की पिछले 35 वर्षों की स्थिति का स्पष्ट संदर्भ देते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि कुछ विसंगतियां रही हैं, जिन्हें दूर करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, कुछ विसंगतियां रही हैं, लेकिन हमें इन्हें दूर करने के लिए काम करना होगा। न्यायाधीशों और वकीलों के बीच यह संवाद एक नया दृष्टिकोण प्रदान करेगा।

● राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के क्षेत्रीय सम्मेलन में बोले सीजेआई
● कहा- ज्ञान के बगैर किसी भी काम के नहीं होते अधिकार

सुदूर क्षेत्रों के अंतिम व्यक्ति को मिले न्याय

न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि नालसा को यह सुनिश्चित करने का अपना काम जारी रखना चाहिए कि देश के सुदूरवर्ती क्षेत्र के अंतिम निवासी को संविधान में निहित न्याय मिले। उन्होंने कहा, देश के संविधान के जरिए हमने खुद से राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक स्तर पर न्याय का वादा किया है। हमारा दायित्व है कि हम न्याय को उसकी सच्ची भावना के अनुरूप लागू करें। कानूनी बिरादरी को संविधान के सच्चे मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध होना चाहिए।

पूर्वी कांगो में विद्रोहियों ने चर्च पर हमला कर 34 लोगों की हत्या की

किंशासा, एजेंसी

इस्लामिक स्टेट समर्थित विद्रोहियों द्वारा पूर्वी कांगो में चर्च परिसर पर किए गए हमले में रविवार को कम से कम 34 लोग मारे गए।

यह हमला पूर्वी कांगो के कोमांडा में एक कैथोलिक चर्च परिसर में रात लगभग एक बजे एलाइड डेमोक्रेटिक फोर्स (एडीएफ) के सदस्यों द्वारा किया गया। हमले में कई मकानों और दुकानों को भी जला दिया गया। कोमांडा में नागरिक संस्था समन्वयक, डियूडोने डुरानथाबो ने कहा, 34 से अधिक लोगों को गोली मार दी गई और हमें कम से कम तीन जले हुए शवों तथा कई मकानों के जल जाने की सूचना मिली है। तलाश अभियान जारी है।

● गोली मारकर ली जान, कई मकान और दुकानों को आग लगाई

कोमांडा में स्थित इतुरी प्रांत में कांगो सेना के एक प्रवक्ता ने 10 लोगों की मौत की पुष्टि की है। इतुरी में डीआरसी सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जूल्स एनगोंगो ने कहा, सुबह पता चला कि कोमांडा से कुछ ही दूरी पर एक चर्च में हथियारबंद लोगों ने घुसपैठ की, जहां लगभग 10 लोगों की हत्या कर दी गई और कुछ दुकानों में आग लगा दी गई।

थाईलैंड-कंबोडिया संघर्ष विराम पर वार्ता को तैयार

बैंकॉक, एजेंसी

थाईलैंड और कंबोडिया के नेता संघर्ष समाप्त करने के लिए मलेशिया में बैठक करेंगे। थाईलैंड के प्रधानमंत्री कार्यालय ने रविवार को यह जानकारी दी। थाईलैंड और कंबोडिया के सैनिकों के बीच सीमा पर हो रहे संघर्ष को चार दिन हो गए हैं, जिसमें अब तक 34 लोगों की जान जा चुकी है तथा 1.68 लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा है।

प्रधानमंत्री कार्यालय के प्रवक्ता जिरायु हुआंगसाप ने बताया कि कार्यवाहक प्रधानमंत्री फुमथाम वेचायाचाई, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के क्षेत्र में शांति प्रयासों पर चर्चा करने संबंधी निमंत्रण पर सोमवार को आयोजित होने वाली वार्ता में शामिल होंगे। जिरायु ने कहा कि फुमथाम के कंबोडियाई समकक्ष हुन मानेट भी वार्ता में शामिल होंगे, हालांकि कंबोडियाई अधिकारियों ने इसकी तत्काल पुष्टि नहीं की है। थाईलैंड और कंबोडिया की सीमा पर एक सुरंग में बृहस्पतिवार को हुए विस्फोट में पांच थाई सैनिकों के घायल होने के बाद दोनों देशों के बीच संघर्ष शुरू हो गया था।

कंबोडिया में प्रभावित लोगों को बांटी जा रही है राहत।

● मलेशिया में आज होगी बैठक, चार दिन से चल रहे संघर्ष में जा चुकी है 34 लोगों की जान

ट्रंप के प्रयासों के बाद वार्ता के लिए सहमत हुए दोनों देश

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा मध्यस्ता कराए जाने के प्रयासों के बाद थाईलैंड और कंबोडिया ने संकेत दिया था कि वे सीमा विवाद को खत्म करने के वास्ते बातचीत करने के लिए तैयार हैं। कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट ने रविवार को कहा कि उनका देश "तत्काल और बिना शर्त युद्ध विराम" पर सहमत हो गया है। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने उन्हें बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति की फुमथाम के साथ बातचीत के बाद थाईलैंड भी हमले रोकने पर सहमत हो गया है। कूटनीतिक प्रयासों के बावजूद, दोनों देशों की विवादित सीमा के कुछ हिस्सों में रविवार को भी संघर्ष जारी रहा। दोनों पक्ष पीछे हटने को तैयार नहीं हुए तथा पुनः गोलाबारी व सैन्य गतिविधियों के लिए एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाते रहे।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 28 जुलाई, सोमवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्थी 11.24 तक तत्पश्चात पंचमी।

आज का पंचांग

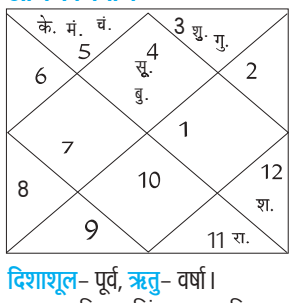

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- वर्षा।
चन्द्रबल-मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, कुम्भ, मीन।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद। नक्षत्र-पूर्वाफाल्गुनी 17.35 तक तत्पश्चात उत्तराफाल्गुनी।

मेष आज कानूनी मामलों को सुलझाने में सफल रहेंगे। अपने स्वास्थ्य के प्रति सावधान रहें। वैवाहिक समस्याओं का समाधान मिलेगा। माता-पिता आपका मनोबल बढ़ायेंगे। सामाजिक कार्यों में आप भाग ले सकते हैं।

वृष आज कारोबार में आपको थोड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। किसी मित्र और रिश्तेदार से आपको लाभ मिलने वाला है। लोग आपकी बातों को महत्व नहीं देंगे। प्राइवेट नौकरी कर रहे लोगों को बॉस का डर रहेगा। महिलाओं के लिये दिन बहुत ही अच्छा है।

मिथुन आज परिजनों और स्वयं के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पार्टी और पिकनिक में जाने से बचें। मित्रों के साथ आप बड़े गंभीर विषयों पर चर्चा करेंगे। आज व्यर्थ के झगड़ों का निपटारा कर सकते हैं। कारोबार में बिक्री बढ़ने से मन में प्रसन्नता होगी।

कर्क आज व्यापारी अपने बचे हुए माल को सेल में बेंच सकते हैं। व्यवसाय को लेकर यात्रा कर सकते हैं। अधीनस्थ कर्मचारियों से आपको लाभ प्राप्त होगा। आय के स्रोतों में वृद्धि होगी। जीवनसाथी आपका मनोबल बढ़ायेगा। राजनीति में असमंजस की स्थिति दूर होगी।

सिंह आज प्रशासन से जुड़े लोग बौद्धिक निर्णयों के लिये ख्याति प्राप्त करेंगे। स्वास्थ्य में सुधार आयेगा। आवश्यक कार्यों को समय पर पूरा कर लेंगे। बच्चे पढ़ाई में काफी बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे। तकनीकी क्षेत्र में अध्ययन कर रहे लोगों के लिये समय बहुत ही अच्छा है।

कन्या आज दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा। बच्चों की चिंता सता सकती है। मन में आप प्रसन्नता महसूस करेंगे। अपने प्रेमी से कोई भी बात न छिपायें। शोध कार्यों में आपको अच्छी सफलता मिलेगी। महत्वपूर्ण व्यापारिक निर्णयों में चूक हो सकती है।

तुला आज प्रिय जनों से अपने मन की बातें शेयर कर सकते हैं। एक साथ कई सारे काम न करें। कार्यक्षेत्र में आपका सम्मान बढ़ेगा। घर वालों के कारण आपको कुछ अनावश्यक खर्च करने पड़ सकते हैं। विदेश यात्रा होने के योग बन रहे हैं।

वृश्चिक आज आय के नए स्रोत विकसित होंगे। नजदीकी लोगों से आपको शुभ समाचार मिलेंगे। भौतिक सुख-साधनों का आनंद उठायेंगे। स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी। आप आलस्य त्यागकर अपने लक्ष्यों के प्रति काफी गंभीरता से आगे बढ़ेंगे।

धनु आज विद्यार्थियों को शिक्षा में ध्यान देना चाहिए। वाहन चलाते समय आपको सावधानी रखनी होगी। नकारात्मक लोगों की संगत आपको बचना चाहिए। कार्यक्षेत्र में आपको बहुत अधिक मेहनत करनी पड़ेगी। अधिकारी वर्ग की सलाह से आपको लाभ होगा।

मकर आज कार्यक्षेत्र को लेकर समस्या दूर होगी। उच्चाधिकारियों से ज्यादा बहस न करें। अधिक सोचने के कारण सिरदर्द की समस्या हो सकती है। शेयर मार्केट में संभलकर निवेश करें। कोई बड़ा कार्य पूर्ण होने से प्रसन्नता का अनुभव होगा। तकनीकी परेशानियों का अनुभव कर सकते हैं।

कुंभ आज जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। किसी नए काम की योजना बना सकते हैं। अपेक्षित कार्य के समय से पूरे न होने से थोड़े उदास हो सकते हैं। परोपकार के कार्यों में धन खर्च होगा। साथियों के बीच आपसी तनाव हो सकता है।

मीन आज सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं। कार्यशैली में सुधार लाने का प्रयास करेंगे। सन्तान के भविष्य की चिंता दूर होगी। दवा व्यापारियों को बड़ा धन लाभ हो सकता है। ससुराल पक्ष से आपको संमान प्राप्त होगा।

सुडोकू-52

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

2		3		4				
		8			7		5	
1					5			2
	2			5			3	
9			6		2			5
	1			8			4	
4			1			5		3
	6		5			9		
				2				8

सुडोकू-51 का हल

3	1	9	6	7	4	8	5	2
2	6	7	5	1	8	4	3	9
5	4	8	9	2	3	6	7	1
4	5	1	2	3	6	7	9	8
7	3	2	8	4	9	5	1	6
9	8	6	7	5	1	2	4	3
8	9	4	3	6	5	1	2	7
1	7	3	4	8	2	9	6	5
6	2	5	1	9	7	3	8	4

शुभमन गिल को अंतिम एकादश चुनने में शायद अंतिम फैसला लेने का अधिकार नहीं था। ये फैसला पूरी तरह से कप्तान का होना चाहिए। वह शार्दुल को नहीं, कुलदीप यादव को टीम में चाहते थे।

–सुनील गावस्कर

स्टेडियम

बरेली, सोमवार, 28 जुलाई 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

स्पोर्ट्स हाईलाइट

अटवाल सीनियर ओपन में शीर्ष भारतीय

सनिंगडेल (ब्रिटेन) : अर्जुन अटवाल यहां आईएसपीएस हांडा सीनियर ओपन गोल्फ के तीसरे दौर में 1-अंडर 69 का स्कोर करने के बाद संयुक्त 29वें स्थान के साथ भारतीय खिलाड़ियों में तालिका में शीर्ष पर है। सीनियर्स टूर पर अपना दूसरा टूर्नामेंट खेल रहे अटवाल ने शुरुआती दो दौर में 67 और 72 के कार्ड खेले थे। 54 होल के खेल के बाद उनका कुल स्कोर दो अंडर का है। ज्योति रंधावा (70-71-70) एक ओवर के स्कोर के साथ संयुक्त 50वें स्थान पर है, जबकि जीव मिल्खा सिंह (71-69-74) पांच-ओवर के स्कोर साथ 69वें स्थान पर है।

दीक्षा स्कॉटिश ओपन में 48वें स्थान पर

नॉर्थ आयशर (स्कॉटलैंड) : भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर 2025 आईएसपीएस हांडा महिला स्कॉटिश ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के तीसरे दौर के बाद 11 स्थान के फायदे से संयुक्त रूप से 48वें स्थान पर हैं। लेडीज यूरोपीय टूर पर दो बार की विजेता 24 साल की दीक्षा ने तीसरे दौर में दो बर्डी और एक बोगी से एक अंडर 71 का स्कोर बनाया। वह दूसरे दौर के बाद संयुक्त रूप से 59वें स्थान पर थीं। टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही दो अन्य भारतीय प्रणवी उर्स और त्वेसा मलिक इससे पहले कट हासिल करने में नाकाम रहीं। इंग्लैंड की लोटी वोएड ने तीसरे दौर में पांच अंडर 67 के स्कोर से दो शॉट की बढ़त बना ली है।

आर्यन और लिखित आगे बढ़ने में नाकाम

सिंगापुर : भारतीय तैराक आर्यन नेहरा रविवार को यहां विश्व एक्वाटिक्स चैंपियनशिप में फाइनल के लिए क्वालीफाई करने से चूक गए जबकि एसपी लिखित भी अपनी स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे। पुरुषों के 400 मीटर फ्रीस्टाइल वर्ग में प्रतिस्पर्धा कर रहे नेहरा चार मिनट 00 .39 सेकेंड के समय के साथ अपनी हीट (शुरुआती दौर की रेस) में सातवें और कुल मिलाकर 37वें स्थान पर रहे। शीर्ष आठ तैराक फाइनल में पहुंचे। ऑस्ट्रेलिया के सैमुअल शॉर्ट ने तीन मिनट 42 .07 सेकेंड के सबसे कम समय के साथ हीट में शीर्ष स्थान हासिल किया। लिखित ने पुरुषों की 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक स्पर्धा में एक मिनट 1 .99 सेकेंड का समय लेकर 40वां स्थान हासिल किया।

लेलाह और अन्ना फाइनल में

वाशिंगटन : लेलाह फर्नांडिज हार्ड कोर्ट टेनिस प्रतियोगिता डीसी ओपन के फाइनल में सत्र का पहला डब्ल्यूटीए खिताब जीतने उतरेंगी जबकि अन्ना कालिन्सकाया की नजरें करियर के पहले खिताब पर होंगी। अमेरिकी ओपन 2021 की उप विजेता फर्नांडिज ने 12 ऐस लगाते हुए सेमीफाइनल में शनिवार को 2022 की विंबलडन चैंपियन एलेना रिबाकिना को तीन घंटे और 16 मिनट में 6-7, 7-6, 7-6 से हराया। कालिन्सकाया ने हालांकि फर्नांडिज से आधे से भी कम समय में ऐमा राडुकानु को 6-4, 6-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

भारतीय बल्लेबाजों ने मैनचेस्टर टेस्ट ड्रा कराया

कप्तान शुभमन, सुंदर और जडेजा के शतकों से इंग्लैंड की उम्मीदों पर फिरा पानी

मैनचेस्टर, एजेंसी

कप्तान शुभमन गिल की साहसिक शतकीय पारी के बाद रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर की शतकीय पारियों से इंग्लैंड के खिलाफ भारत पांच मैचों की श्रृंखला का चौथा टेस्ट रविवार को यहां ड्रॉ कराने में सफल रहा। पहली पारी में 311 रन के बड़े अंतर से पिछड़ने वाली भारतीय टीम ने दूसरी पारी में बिना खाता खोले दो विकेट गंवाने के बावजूद चार विकेट पर 425 रन बनाये। कप्तान शुभमन गिल (103) और लोकेश राहुल (90) के बीच तीसरे विकेट के लिए 188 रन की साझेदारी के बाद रविंद्र जडेजा (नाबाद 107) और वाशिंगटन सुंदर (नाबाद 101) ने पांचवें विकेट के लिए 203 रन की अटूट साझेदारी कर इंग्लैंड को मैच में वापसी का मौका नहीं दिया। इंग्लैंड हालांकि श्रृंखला में 2-1 से आगे है। इसका आखिरी मैच 31 जुलाई से द ओवल मैदान पर खेला जाएगा।

ऋषभ पंत के चोटिल होने के कारण जडेजा और सुंदर के बाद भारतीय बल्लेबाजी में दमखम नहीं है ऐसे में इन दोनों को अपनी बल्लेबाजी इसी तरह से जारी रखनी होगी। इंग्लैंड के लिए मुश्किल यह रही कि बाएं हाथ के स्पिनर लियाम डॉसन (39 ओवर में बिना किसी सफलता के 70 रन) भारतीय बाएं हाथ के बल्लेबाजों को पर्याप्त चुनौती नहीं दे पाए। जोफ्रा आर्चर भी लंच के बाद कोई सफलता हासिल नहीं कर पाए। दूसरी नयी गेंद अब 38 ओवर पुरानी हो चुकी है, जिससे बल्लेबाजी करना आसान हो गया है। इससे पहले सुबह के सत्र में शुभमन गिल ने एक साहसी शतक पूरा किया।

इस दौरान इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने कंधे में दर्द के बावजूद गेंदबाजी करने का फैसला किया और लोकेश राहुल (90) को आउट कर गिल के साथ तीसरे विकेट के लिए 188 रन की साझेदारी को तोड़ा। राहुल के आउट होने के बाद गिल ने धैर्य से बल्लेबाजी की लेकिन शतक पूरा करने के बाद लंच से पहले जोफ्रा आर्चर की गेंद पर बल्ला अड़ाकर जैमी स्मिथ को कैच दे बैठे।

भारत ने दिन की शुरुआत दो विकेट पर 174 रन से की। टीम इस समय इंग्लैंड की पहली पारी के रनों को बराबरी करने के लिए और 137 रन की जरूरत थी। बीते दिन के नाबाद बल्लेबाज गिल और राहुल ने उस अंदाज में बल्लेबाजी शुरू की जैसी उन्होंने मैच के चौथे दिन के आखिरी दो सत्र में की थी। भारतीय टीम अगर दिन के आखिरी सत्र में डट कर बल्लेबाजी करने में सफल रही तो मौजूदा दौरे पर गिल की इस चौथे शतकीय पारी का महत्व और बढ़ जायेगा।

गिल और राहुल ने उस समय मोर्चा संभाला था जब टीम ने बिना किसी रन के दो विकेट गंवा दिए थे। उनकी 421 गेंद तक चली मैराथन साझेदारी आखिरकार तब टूटी जब स्टोक्स की गेंद टप्पा खाने के बाद तेजी से राहुल के पैड से टकरा गयी और अंपायर ने उन्हें बिना देरी किये पगबाधा करार दिया।

भारतीय बल्लेबाज रवींद्र जडेजा (पीछे) और वाशिंगटन सुंदर रन लेते हुए। एजेंसी

भारत पहली पारी : 358 रन

इंग्लैंड पहली पारी : 669 रन

भारत दूसरी पारी

425/4 (126 ओवर)

यशस्वी का रूट बो वोक्स	00
राहुल एलबीडब्ल्यू बो स्टोक्स	90
साई सुदर्शन का ब्रुक बो वोक्स	00
शुभमन का स्मिथ बो आर्चर	103
वॉशिंगटन सुंदर नाबाद	101
रवींद्र जाडेजा नाबाद	107

गेंदबाजी : क्रिस वोक्स 23-4-67-2, जोफ्रा आर्चर 20-3-74-1, ब्रायडन कार्स 17-3-44-0, लियाम डॉसन 43-11-83-0, बेन स्टोक्स 11-2-33-1

103 रन

238 गेंद

12 चौके

गिल को अंग्रेजी प्रशंसकों से मिली तालियां यादगार रहीं

मैनचेस्टर : भारत और इंग्लैंड के बीच चौथे टेस्ट के पांचवें दिन रविवार को पहले सत्र के बाद, मैच सेंटर लाइव पर चर्चा सुबह के महत्वपूर्ण समय और शुभमन गिल के आउट होने पर केंद्रित रही।

विशेषज्ञ संजय मांजरेकर और जोनाथन ट्रॉट ने उन महत्वपूर्ण क्षणों पर अपने विचार साझा किए जिन्होंने भारत की बल्लेबाजी चुनौती को आकार दिया। जोनाथन ट्रॉट ने कहा गिल को अंग्रेजी प्रशंसकों से तालियां मिलना मेरे लिए यादगार रहीं। संजय मांजरेकर ने शुभमन गिल के विकेट पर टिप्पणी की शुरुआत में भारत के लिए सबसे बड़ी बाधा हमेशा पहले 30 मिनट ही रहे। भारत को अनिवार्य रूप से फैक्टरी रीसेट करना था और कल बल्लेबाजी करते समय दिखाई गई मानसिकता और लय को फिर से हासिल करना था। यह कभी आसान नहीं होता। दूसरी नई गेंद भी एक चुनौती होने वाली थी-और ठीक इसी तरह चीजें सामने आईं। उन्होंने केएल राहुल का विकेट जल्दी खो दिया, और जैसे ही दूसरी नई गेंद ली गई, दबाव बढ़ गया। शुभमन गिल के बारे में, शतक पूरा करने के बाद, सवाल यह है-क्या उन्होंने आराम किया? लेकिन यह थोड़ा कठोर हो सकता है। दूसरी नई गेंद से कम से कम एक बल्लेबाज आउट होने की संभावना थी, और दुर्भाग्य से भारत के लिए, वह गिल ही थे। बेन स्टोक्स ने आज शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने दबाव बनाया, और गिल को दी गई गेंद बेहतरीन थी। फिर भी। जोनाथन ट्रॉट ने भी गिल की पारी पर अपना दृष्टिकोण व्यक्त किया और युवा बल्लेबाज़ द्वारा दिखाए गए तकनीकी सुधारों और धैर्य की प्रशंसा की।

गिल शायद शार्दुल को नहीं, कुलदीप को चाहते थे खिलाना

कुलदीप यादव।

मैनचेस्टर, एजेंसी

- महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने कहा टीम को चुनने का अधिकार कप्तान के पास होना चाहिए

महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि शुभमन गिल को अंतिम एकादश चुनने में शायद अंतिम फैसला लेने का अधिकार नहीं था। उनका कहना है कि यह फैसला पूरी तरह से कप्तान का होना चाहिए और मुख्य कोच सहित किसी और का इस पर प्रभाव नहीं होना चाहिए।

बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को लगातार टीम में नहीं चुने जाने पर तीखी बहस छिड़ गई है, विशेषकर जो रूट के मौजूदा चौथे टेस्ट में रिकॉर्ड शतक के बाद जहां वह रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ते हुए टेस्ट क्रिकेट में दूसरे सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। रूट के नाम अब 13,409 रन हैं और केवल सचिन तेंदुलकर (15,291 रन) उनसे आगे हैं।

गावस्कर ने सोनी स्पोर्ट्स पर कहा आखिरकार, यह कप्तान की टीम होती है। उन्होंने आगे कहा हो सकता है कि शुभमन शार्दुल को टीम में नहीं चाहते थे और कुलदीप को चाहते थे। रूट को 2018 में मैनचेस्टर और लॉर्ड्स में दो सीमित ओवरों के मैच तीन गेंद पर दो बार आउट करने के बावजूद कुलदीप अब तक पूरी टेस्ट श्रृंखला में बाहर रहे हैं।

आम धारणा यह है कि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने ऐसे गेंदबाजों पर जोर दिया है जो बल्ले से योगदान दे सकें, विशेषकर हेडिंग्ले टेस्ट में भारत के तीन विकेट पर 430 रन बनाने के बावजूद अगले 11 ओवर में 471 पर ऑल आउट होने के बाद।

सुनील गावस्कर का मानना था कि कुलदीप को एकादश का हिस्सा होना चाहिए था। उन्होंने आगे कहा उसे टीम में वह मिलना चाहिए था। वह कप्तान है। लोग उसके और उसकी कप्तानी के बारे में बात करेंगे। इसलिए यह फैसला असल में उसका ही होना चाहिए।

आंतरिक मतभेदों पर गावस्कर ने इशारा किया

- पूर्व भारतीय कप्तान का यह भी मानना था कि आंतरिक मतभेदों या चयन के मुद्दों को जानबूझकर छुपाया जा सकता है जिससे यह दिखाया जा सके कि ड्रेसिंग रूम में सब कुछ ठीक है। गावस्कर ने कहामुझे पता है कि सब कुछ ठीक-ठाक दिखाने के लिए ये बातें शायद सामने न आएं। सच तो यह है कि कप्तान जिम्मेदार है। वही एकादश का नेतृत्व करेगा। गावस्कर ने कहा कि उनके कप्तानी कार्यकाल में चीजें अलग तरह से होती थीं जब टीम का चयन पूरी तरह से कप्तान का विशेषाधिकार होता था और कोच की अवधारणा ही नहीं थी क्योंकि सब कुछ मैनेजर और सहायक मैनेजरों के बारे में था। उन्होंने कहा हमारे पास कोच नहीं थे। हमारे पास सिर्फ पूर्व खिलाड़ी ही टीम के मैनेजर या सहायक मैनेजर हुआ करते थे। वे ऐसे लोग थे जिनके पास जाकर आप बात कर सकते थे।

अंकिता ने रजत, पुरुष रिले टीम ने कांस्य पदक जीता

राइन रूहर (जर्मनी), एजेंसी

विश्व विश्वविद्यालय खेल

स्टीपलचेज एथलीट अंकिता ने 9:31.99 सेकेंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ 3000 मीटर स्पर्धा में रजत पदक जीता जबकि पुरुषों की चार गुणा 100 मीटर रिले चौकड़ी ने कांस्य पदक अपने नाम किया जिससे भारतीय एथलीटों ने रविवार को विश्व विश्वविद्यालय खेलों (डब्ल्यूयूजी) के अंतिम दिन अपना अभियान समाप्त किया।

मुनिता प्रजापति, मानसी नेगी और सेजल सिंह की तिकड़ी ने अंतिम दिन महिलाओं की 20 किमी टीम पैदलचाल में तीसरा स्थान हासिल कर कांस्य पदक जीता। भारत ने इस प्रतिष्ठित स्पर्धा में अपना अभियान दो स्वर्ण, पांच रजत और पांच कांस्य पदक के साथ समाप्त किया। कई भारतीय एथलीट अंतिम दिन ट्रैक स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा में थे, लेकिन केवल दो पदक ही जीत सके। 23 वर्षीय अंकिता ने अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 9:39.00 सेकेंड से लगभग सात सेकेंड कम समय में रजत पदक जीता। वह फिनलैंड की इलोना मारिया मोनोनेन (9:31.86 सेकेंड) से पीछे रहीं। जर्मनी की अदिया बुड्डे ने 9:33.34 सेकेंड का समय लेकर कांस्य पदक जीता। शुक्रवार को अंकिता ने 9:54.79 सेकंड का समय निकालकर हीट 1 में शीर्ष स्थान हासिल किया था और फाइनल में अपनी जगह पक्की की थी। लालू प्रसाद भोई, अनिमेष कुजुर, मनिकांता होबलिधर और म्रुत्यम जयराम की पुरुषों की चार गुणा 100 मीटर रिले टीम ने 38.89 सेकेंड के समय से कांस्य पदक जीता। दक्षिण कोरिया ने 38.50 सेकेंड से स्वर्ण और दक्षिण अफ्रीका (38.80) ने रजत हासिल किया। भारतीय महिला चार गुणा 400 मीटर रिले टीम ने 3:35.08 सेकेंड से सत्र का सर्वश्रेष्ठ समय निकाला, पर पदक के लिए पर्याप्त नहीं था।

भारतीय टेबल टेनिस को लगातार चैंपियन देने के लिए स्पष्ट व्यवस्था की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

- अनुभवी टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल ने नई प्रतिभा को तरासने के लिए बताए उपाय

अनुभवी टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल का मानना है कि भारतीय टेबल टेनिस को युवा प्रतिभाओं को सीनियर स्तर पर सफलतापूर्वक आगे बढ़ने में मदद करने के लिए एक सुस्पष्ट प्रणाली की आवश्यकता है। हालांकि हाल के परिणाम उत्साहजनक रहे हैं लेकिन 43 वर्षीय शरत का कहना है कि दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा देने वाली प्रणाली के बिना केवल प्रतिभा ही पर्याप्त नहीं है।

शरत ने पीटीआई वीडियो को बताया हम एक-दो सितारों पर निर्भर नहीं रह सकते, हमें एक ऐसी संरचना की आवश्यकता है जो लगातार चैंपियन तैयार करे। उन्होंने कहा युवा प्रतिभाएं तो बहुत हैं लेकिन मुख्य समस्या बदलाव के दौर की है... जब तक हम सही व्यवस्था नहीं अपनाते, हम जूनियर चैंपियन को सीनियर चैंपियन बनते नहीं देख पाएंगे। भारत ने 2024 एशियाई चैंपियनशिप में तीन कांस्य पदक जीते जिसमें आयहिका और सुतीर्था मुखर्जी ने महिला युगल में ऐतिहासिक पहला पदक जीता जबकि महिला टीम स्पर्धा में भी पहली बार कांस्य पदक मिला। पेरिस ओलंपिक में महिला टीम पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंची और प्री क्वार्टर फाइनल में दुनिया की चौथे नंबर की रोमानियाई टीम को हराया। एकल मुकाबलों में मनिका बत्रा और श्रीजा अकुला दोनों ही प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में सफल रहीं।

शरत ने कहा असली चुनौती निरंतरता की है। एक पदक को दो होना चाहिए और उसे पांच या छह तक बढ़ाना होगा। शरत के अनुसार यह निरंतरता एक व्यवस्थित योजना से आएगी जिसकी शुरुआत 11 साल की उम्र के बच्चों से होनी चाहिए।

उन्होंने कहा 2036 को देखते हुए हमें उन बच्चों से शुरुआत करनी होगी जो अभी 11 या 12 साल के हैं। हम सभी इसी दिशा में प्रयास कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि हम जल्द ही एक व्यवस्थित बदलाव देखेंगे। भारतीय ओलंपिक संघ के खिलाड़ी आयोग के उपाध्यक्ष शरत ने नए खेल विधेयक की भी प्रशंसा की जिसमें खिलाड़ियों को तवज्जो देने वाला ढांचा है।

विधेयक के डोपिंग रोधी प्रावधानों पर शरत ने एक बेहद जरूरी बदलाव की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, ''इस बार सिर्फ खिलाड़ियों को ही सजा नहीं मिलेगी बल्कि कोच और अन्य संलिप्त लोगों को भी सजा मिलेगी।

डूरंड कप में आईटीबीपी ने मॉर्निंग स्टार को हराया

कोकराझार : भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) फुटबॉल टीम ने डूरंड कप में अपने पदार्पण को यादगार बनाते हुए रविवार को यहां ग्रुप डी मैच में 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही कार्बी आंगलोंग मॉर्निंग स्टार एफसी (केएएमएसएफसी) को 2-1 से हराया। आई-लीग 3 में खेलने वाली केएएमएसएफसी को 23वें मिनट के बाद से ही 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा जब घाना के सेंटर-बैक बेन नैश क्वांश को रेड कार्ड दिखाया गया। दोनों टीमें मिडफील्ड पर नियंत्रण पाने की कोशिश कर रही थीं लेकिन असम की टीम ने लुनमिनलेन हाओकिप के गोल से बढत कायम की। आईटीबीपी ने एक खिलाड़ी के फायदे का इस्तेमाल करते हुए गेंद पर बेहतर नियंत्रण बनाया और पुलुंग तथा हेमराज के गोलों से जीत दर्ज कर पूरे तीन अंक हासिल किए।

विश्वास | शीर्ष खिलाड़ी बिलकिस मीर बोलीं-जलक्रीड़ा में राज्य के खिलाड़ी दे सकते हैं अहम योगदान

जम्मू कश्मीर के खिलाड़ियों में ओलंपिक पदक जीतने की क्षमता

श्रीनगर, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर की शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल बिलकिस मीर का मानना है कि बर्फ से ढकी ढलानें, ग्लेशियर से निकलने वाली नदियां और खिलाड़ियों की नयी पीढ़ी को देखते हुए शीतकालीन खेलों और जलक्रीड़ा में राज्य के खिलाड़ियों के पास देश के लिए ओलंपिक पदक जीतने की क्षमता है।

पेरिस ओलंपिक (2024) में जूरी सदस्य के रूप में देश का प्रतिनिधित्व करने वाली पहली भारतीय महिला मीर ने कहा कि वह जम्मू-कश्मीर और देश को पोडियम के शीर्ष स्थान पर देखना चाहती हैं और इस दिशा में अपने प्रयास जारी रखेंगी। श्रीनगर की इस 38 साल की खिलाड़ी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खिलाड़ियों के साथ नियमित बातचीत की प्रशंसा की और कहा कि यह एक खिलाड़ी के लिए बड़ा क्षण है और खेल संस्कृति बनाने की दिशा में एक कदम है।

बिलकिस मीर। एजेंसी

जल क्रीड़ा खिलाड़ी मीर ने पीटीआई वीडियो को दिये साक्षात्कार में कहा मेरा सपना है कि जम्मू-कश्मीर और देश को वैश्विक मंच पर शीर्ष स्थान पर देखूं। जम्मू-कश्मीर में ओलंपिक में जलक्रीड़ा और शीतकालीन खेलों में भारत का सफलतापूर्वक नेतृत्व करने की क्षमता है क्योंकि हमारे पास प्राकृतिक संसाधन होने के साथ-साथ आवश्यक प्रतिभा भी है जिसे बस निखारने की आवश्यकता है। कयाकिंग और कैनोइंग की प्रसिद्ध खिलाड़ी रही मीर ने कहा कि उन्होंने उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, मणिपुर और देश के भीतर तथा बाहर कई अन्य जगहों पर युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षित किया है लेकिन हमारे बच्चों (जम्मू-कश्मीर के खिलाड़ी) में एशियाई खेल और ओलंपिक में जाने की बहुत क्षमता है और मुझे लगता है कि उनका भविष्य उज्ज्वल है।

उन्होंने कहा कि सरकार को प्रमुख खिलाड़ियों और उपलब्धि हासिल करने वालों के साथ जुड़ना चाहिए क्योंकि उनके पास अपने खेलों में विशेषज्ञता है और वे भविष्य के लिए एक खाका बनाने में सहायता कर सकते हैं। उन्होंने कहा मुझे उम्मीद है कि एक बिलकिस मीर की बजाय, यहां से हजारों लड़कियां निकलेंगी और जम्मू-कश्मीर तथा देश को गर्व महसूस कराएंगी। मीर हाल ही में तब सुर्खियों में थीं जब उन्होंने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा दायर एक एफआईआर को रद्द करवाने के लिए अपनी तीन साल की कानूनी लड़ाई जीती।

संघर्ष भरा करियर रहा मीर का

- मीर के 28 साल के शानदार करियर का आगाज आठ साल की उम्र में ही शुरू हो गया था। उनकी उपलब्धियों में हंगरी में 2009 कैनोइंग और कयाकिंग विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व कर आठवां स्थान हासिल करना है। उन्होंने कहा मैं जब 1990 के दशक में खेल में आई, तो मेरा संघर्ष मेरे घर के दरवाजे से ही शुरू हो गया था। जब मैंने ट्रैकसूट पहना तो आस-पास के लोग उसे गलत नजरिए से देखते थे और उनकी राय थी कि मेरी वजह से अन्य लड़कियों पर बुरा असर पड़ेगा। उन्हें कैनोइंग और कयाकिंग से जुड़ी भारत की आयु वर्ग से लेकर सीनियर टीम तक को कोचिंग देने का अनुभव है। मीर ने कहा, खिलाड़ी चाहे हारे या जीते, प्रधानमंत्री उनसे बातचीत करते हैं।